वर्ष 69 ▸ अंक 227 ▸ पृष्ठ 12+8 = 20
भोपाल, शनिवार 16 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 15, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 7 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा (ऐच्छिक)

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ का ऐतिहासिक फैसला

धार भोजशाला

एएसआई सर्वे व अयोध्या मामले को माना आधार

~~मस्जिद~~ वाग्देवी मंदिर

धार स्थित विवादित भोजशाला पर ऐतिहासिक फैसला देते हुए मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के इंदौर खंडपीठ ने कहा–
'हमने इस स्थल पर हिंदू पूजा-अर्चना की निरंतरता को नोट किया। हालांकि समय के साथ इसे विनियमित किया गया... हम यह निष्कर्ष दर्ज करते हैं कि इस जगह का ऐतिहासिक साहित्य इसे राजा भोज से जुड़े संस्कृत सीखने के केंद्र के रूप में स्थापित करता है... यह धार में देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर के अस्तित्व का संकेत देता है... इसलिए इस क्षेत्र का धार्मिक स्वरूप देवी वाग्देवी सरस्वती के मंदिर वाली भोजशाला के रूप में माना जाता है।'

700 साल पुराना था विवाद, नमाज की इजाजत वाला आदेश भी खारिज

जागरण, इंदौर/भोपाल/धार। धार की ऐतिहासिक भोजशाला से जुड़ा 700 साल पुराने विवाद का हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने निराकरण कर दिया। शुक्रवार को दिए अपने अहम फैसले में हाईकोर्ट बैंच ने साफ कर दिया कि प्रसिद्ध भोजशाला मस्जिद नहीं, वाग्देवी का पुरातन (सरस्वती) महत्व का मंदिर है। जो ऐतिहासिक और संरक्षित है। यहां सरस्वती मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के साक्ष्य पाए गए हैं।

इसके साथ ही अदालत ने एएसआई का 2003 का वह आदेश भी निरस्त कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का हक दिया था और हिंदुओं को पूजा का अधिकार देने से रोक दिया था। इस फैसले के बाद हिंदू जश्न मना रहे हैं। वहीं मुस्लिम पक्ष इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में जुट गया है। फैसले की गंभीरता को देखते हुए धार सहित प्रदेश के अनेक शहरों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी

धार में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

गई है। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अपने 242 पेज के आदेश में युगल पीठ ने भोजशाला को वाग्देवी मंदिर मानते हुए कहाकि हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट पर विचार कर इसके एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। इन सभी को आधार मानते हुए हाईकोर्ट ने कहाकि भोजशाला की ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। संरक्षित स्थान को मंदिर बताते हुए अदालत ने इसके प्रबंधन व रखरखाव के लिए नियम-प्रक्रिया तय करने केंद्र व एएसआई को फैसला लेने को कहा है। अदालत ने कहा है कि ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले प्राचीन स्मारकों और मंदिरों की सुरक्षा निश्चित करना हर सरकार की जिम्मेदारी है। मंदिर के साथ ही गर्भगृह और धार्मिक आस्था से जुड़ी देव प्रतिमाओं का भी संरक्षण सरकार करें।

कोर्ट का सुझाव: मस्जिद के लिए अलग जगह मांगे मुस्लिम पक्ष

अपने फैसले में अदालत ने मुस्लिम पक्ष को अन्य जगह मस्जिद बनाने का सुझाव भी दिया है। अदालत ने कहा है कि कमाल मौला मस्जिद बताते रहे मुस्लिम पक्ष को सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट जाएंगे मुस्लिम और जैन पक्ष

करीब 98 दिन चली सुनवाई में हिंदू और मुस्लिम के अलावा जैन समाज भी तीसरा पक्ष था। अदालत का अंतिम फैसल आने के बाद धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा कि उन्हें हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान है। अब फैसले की समीक्षा की जाएगी, इसके बाद मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा। जैन समाज की ओर से पैरवी कर रहीं एडवोकेट प्रीति जैन का भी कहना है कि यहां तीर्थंकरों की मूर्तियों के अवशेष आज भी ब्रिटिश म्यूजियम में मौजूद हैं और उन्हें उचित स्थान मिलना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर जैन समाज भी सुप्रीम कोर्ट जाएगा।

हिंदू पक्ष ने दायर की कैविएट

हाईकोर्ट खंडपीठ का फैसला आते ही हिंदू पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर कर है। याचिकाकर्ता जितेंद्र सिंह विशेन की ओर से अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा ने कैविएट दाखिल की। इसमें कहा गया है कि किसी भी अपील पर हिंदू पक्ष को सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

लंदन से वापस आएगी वाग्देवी की प्रतिमा: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भोजशाला पर उच्च न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह निर्णय हमारी सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान का महत्वपूर्ण क्षण है। सीएम ने एक्स पर लिखा कि मां वाग्देवी की प्रतिमा को यूके से भारत वापस लाने के संबंध में केंद्र सरकार को विचार करने का निर्देश स्वागत योग्य है। इस दिशा में राज्य सरकार भी आवश्यक प्रयास करेगी। उन्होंने आगे लिखा कि हमारी संस्कृति सदैव सर्वधर्म समभाव,सामाजिक समरसता और भाईचारे की वाहक रही हैं। हम न्यायालय के निर्णय का पूर्ण सम्मान करते हैं और प्रदेश में सौहार्द, सांस्कृतिक गौरव एवं सामाजिक सद्भाव को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य सरकार इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

(सरस्वती मंदिर 13वीं शताब्दी आते-आते बन गया मकबरा, पेज-8 पर)

आईपीएल में आज

कोलकाता बनाम गुजरात
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: लखनऊ ने चैन्नई को 7 विकेट से हराया।

मानसून 26 को केरलम पहुंचेगा: मौसम विभाग

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को जानकारी दी कि मानसून केरलम में 26 मई को दस्तक दे सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है और फिर देश के अन्य हिस्सों की ओर बढ़ता है। पिछले साल मानसून 24 मई को आया था। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में देश में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक (937.2 मिमी) बारिश दर्ज की गई थी, जिसे आईएमडी चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने एक सफल सीजन बताया था। हालांकि, देश के कई हिस्सों में वर्तमान में आंधी और बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश में बुधवार को आए भीषण तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई है, जिसमें राज्य भर में 111 लोगों की जान चली गई। सबसे अधिक 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में दर्ज की गईं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

होर्मुज: जहाजों को ईरान से लेनी होगी मंजूरी

वॉशिंगटन/तेहरान, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है कि होर्मुज खुला रहे। उन्होंने कहा कि जो देश इतना ज्यादा तेल खरीदता है, उसका जाहिरतौर पर ईरान के साथ रिश्ता होता है और चीन चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। अब इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को ईरान की कड़ी निगरानी और मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है।

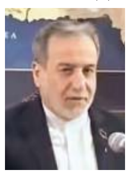

नीट मामला: अब तक 4 छात्रों ने की आत्महत्या

सीकर में छात्र ने की खुदकुशी, राजस्थान, दिल्ली और गोवा में भी मौतें

सीकर/नई दिल्ली, जेएनएन। राजस्थान के सीकर में नीट-यूजी की तैयारी कर रहे एक छात्र प्रदीप मेघवाल ने शुक्रवार को कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नीट पेपर लीक मामले में अब तक कुल विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली है। उद्योग नगर के थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान प्रदीप मेघवाल के रूप में हुई है जो झुंझुनू जिले के गुढ़ागौड़जी इलाके में कनिका की ढाणी गांव का रहने वाला था। इधर, उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आदर्श नगर में भी 20 वर्षीय नीट छात्रा अपने घर में मृत पाई गई। यह घटना गुरुवार की है लेकिन पुलिस को शुक्रवार को तब सूचना मिली जब परिवार बिना बताए उसका अंतिम संस्कार करने जा रहा था।

प्रदीप मेघवाल | ऋतिक मिश्रा

इसी तरह, गोवा में भी एक 17 वर्षीय छात्र ने सुसाइड कर लिया। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के 21 वर्षीय छात्र ऋतिक मिश्रा ने भी 'अब नहीं देनी प्रतियोगी परीक्षा' की अंतिम टिप्पणी के साथ जान दे दी।

यह आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा हत्या है-राहुल: नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'सिस्टम द्वारा हत्या' करार दिया है।

महाराष्ट्र से केमिस्ट्री प्रोफेसर गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में शुक्रवार को 8वीं गिरफ्तारी हुई है। सीबीआई ने पुणे से केमिस्ट्री के प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया है। कुलकर्णी पर आरोप है कि उन्होंने परीक्षा से पहले ही छात्रों को प्रश्न और उनके सही उत्तर उपलब्ध करा दिए थे। जांच एजेंसी के मुताबिक, लातूर का रहने वाला कुलकर्णी केमिस्ट्री का विशेषज्ञ है और कई वर्षों तक नीट पेपर तैयार करने वाले पैनल का हिस्सा भी रहा है।

अगले साल से ऑनलाइन होगी नीट -पेज-11 पर

सुप्रीम कोर्ट में दो दिन वीसी से होगी सुनवाई

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था सुप्रीम कोर्ट ने अपनी कार्यप्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव करते हुए इसे आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने का निर्णय लिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अब सभी मिसलेनियस डेज (विविध दिन) जैसे सोमवार और शुक्रवार को मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ही होगी। रजिस्ट्री को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि वीडियो लिंक और तकनीकी सहायता सुचारू रूप से उपलब्ध रहे। सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है कि वे आपस में 'कार-पूलिंग' व्यवस्था को बढ़ावा देंगे। इसके अलावा, रजिस्ट्री के प्रत्येक सेक्शन के 50 प्रतिशत कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) कर सकेंगे।

पेट्रोल-डीजल 3-3 रु. महंगे सीएनजी के भी दाम बढ़े

कंपनियों का दावा-अभी भी 25-30 रु. प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली, जेएनएन। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम शुक्रवार से लागू हो गए हैं। इससे पूर्व करीब 2 साल पहले अप्रैल 2022 में पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी की गई थी।

वहीं कंपनियों का दावा है कि अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 रुपए प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 रुपए प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए 79.09 रुपए खर्च करने होंगे।

ईंधन महंगा होने से ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।

मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी: राहुल

इस बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'गलती मोदी सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी।' उन्होंने आगे कहा कि 3 रुपए का झटका तो लग चुका है, बाकी की वसूली अभी किस्तों में की जाएगी। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार की गलतियों का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

भारत में महज 3.4 फीसदी तक ही बढ़ोतरी हुई: किरेन रिजिजू

पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद जब दुनिया भर में ईंधन कीमतें तेजी से बढ़ीं, तब भारत ने अपेक्षाकृत स्थिरता बनाए रखी। जहां कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20 फीसदी से लेकर लगभग 100 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी गई। वहीं भारत ने इस बढ़ोतरी को पेट्रोल के लिए सिर्फ 3.2 फीसदी और डीजल के लिए 3.4 फीसदी तक ही सीमित रखा।

भोपाल में पेट्रोल 109.70 व डीजल के दाम 95.04 रुपए

जागरण संवाददाता, भोपाल। इस बढ़ोतरी के कारण भोपाल के विभिन्न पेट्रोल पंपों में लंबी लाइनें देखी गईं। बता दें कि भोपाल में पेट्रोल की कीमत पहले 106.56 रुपए लीटर थी, जो शुक्रवार सुबह बढ़कर 109.70 रुपए हो गई। वहीं डीजल के दाम 91.93 रुपए लीटर थे, जो बढ़कर 95.04 रुपए हो गये। डीजल के दाम में 3.11 रुपए की बढ़ोत्तरी की गई है और पेट्रोल के दाम 3.14 रुपए बढ़ाए गए हैं। वहीं पॉवर पेट्रोल के दाम 120.10 रुपए और हाई स्पीड डीजल के दाम 98.57 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं।

विदेश यात्राओं पर टैक्स की खबरें गलत, पाबंदी का कोई प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच विदेश यात्रा पर नए टैक्स या सरचार्ज लगाए जाने की खबरों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट करते हुए लिखा, 'इन खबरों में जरा भी सच्चाई नहीं है। विदेशी यात्रा पर किसी तरह की रोक या अतिरिक्त बोझ डालने का कोई सवाल ही नहीं उठता।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार आम लोगों के लिए 'व्यापार करने में आसानी' और 'जीवन जीने में आसानी' (ईज ऑफ लिविंग) को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसी खबरें भ्रामक हैं।

सोशल मीडिया की अटकलों पर पीएम ने लगाया विराम

भारत-यूएई के बीच एलपीजी आपूर्ति सहित कई समझौते- पेज-11 पर

वे आतंकवादी नहीं, सिर्फ न्यूनतम मजदूरी मांग रहे हैं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को कड़े निर्देश देते हुए नोएडा श्रमिक विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए आदित्य आनंद और रूपेश रॉय को 18 मई को दोपहर 2 बजे अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट आदित्य आनंद के भाई केशव आनंद द्वारा दायर उस रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा कि आरोपी केवल मजदूरी बढ़ाने के लिए विरोध कर रहे थे और उन्हें 'आतंकवादी' की तरह मानने का कोई कारण नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने राज्य के वकील से कहा, 'वे आतंकवादी नहीं हैं, वे केवल न्यूनतम मजदूरी जैसे बुनियादी अधिकारों की मांग कर रहे हैं।' कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी विशेष 'वामपंथी विचारधारा' को मानना किसी व्यक्ति को अपराधी नहीं बनाता है।

नोएडा श्रमिक विरोध प्रदर्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

एजीआई — अमेरिका और चीन में आगे रहने की होड़, एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक के नए रिसर्च में दावा

2028 तक मिल सकता है इंसानी दिमाग जैसा एआई

नई दिल्ली, जेएनएन। एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने एक नया रिसर्च और पॉलिसी पेपर पब्लिश किया है, जिसमें दावा किया गया है कि 2028 तक दुनिया को एजीआई (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) मिल सकता है। कंपनी का कहना है कि यह एआई सिस्टम इंसान के स्तर जितना इंटेलिजेंट होगा और अमेरिका को किसी भी हाल में इस दौड़ में चीन से आगे रहना होगा। अपने नए पेपर '2028: टू सिनेरियोज़ फॉर ग्लोबल एआई लीडरशिप' में कंपनी ने कहा है कि वे जल्द ही विज्ञान, साइबर सुरक्षा और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों के बराबर पहुंच जाएंगे।

कंपनी ने आने वाले भविष्य को 'डेटा सेंटर में मौजूद जीनियसों का देश' कहा है। एंथ्रोपिक का मानना है कि ये सिस्टम न केवल सवालों के जवाब देंगे, बल्कि वैज्ञानिक खोजों और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की गति को भी कई गुना बढ़ा देंगे। रिपोर्ट के अनुसार, जो भी देश इन सिस्टम्स पर नियंत्रण रखेगा, वह वैश्विक अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति पर अपना वर्चस्व स्थापित कर सकेगा।

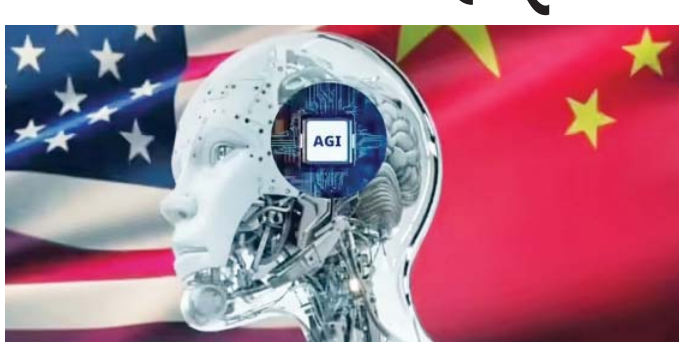

तानाशाही सरकारों से आगे रहना क्यों जरूरी?

पेपर में स्पष्ट किया गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों का चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) जैसी तानाशाही सरकारों से आगे रहना अनिवार्य है। एंथ्रोपिक के अनुसार, एआई इतना शक्तिशाली हो जाएगा कि इसका इस्तेमाल नागरिकों को दबाने और देशों के बीच शक्ति संतुलन (पावर बैलेंस) बदलने के लिए किया जा सकता है। जो देश इसमें अग्रणी होगा, वही इस तकनीक से जुड़े वैश्विक नियमों और आर्थिक शक्ति को आकार देगा।

एआई से जनरेट कोड पैदा कर रहा नई समस्याएं, इसकी समझ शून्य: वेम्बू

नई दिल्ली, जेएनएन। टेक दिग्गज और जोहो के संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने एआई के माध्यम से लिखे जा रहे कोड पर गंभीर चिंता जताई है। श्रीधर वेम्बू ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'सैकड़ों अरबों डॉलर का निवेश इस आधार पर किया जा रहा है कि सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग उत्पादकता 10 गुना या उससे अधिक बढ़ सकती है। लेकिन अब तक, उत्पादकता में बढ़त बहुत कम रही है।

इसे 'ज्ञान बहुत, पर समझ शून्य' की स्थिति कहा जा सकता है। आगे का समय काफी दिलचस्प होने वाला है। उन्होंने एनडीईए इंटेलिजेंस साइंस लैब के संस्थापक फ्रांस्वा चॉलेट के एक पोस्ट का समर्थन करते हुए लिखा कि दुनिया भर में सैकड़ों अरबों डॉलर का निवेश इस उम्मीद में किया जा रहा है कि सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की उत्पादकता (प्रोडक्टिविटी) 10 गुना बढ़ जाएगी, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है।

फ्रांस्वा चॉलेट ने अपनी पोस्ट में बताया कि डेवलपर्स अब एआई टूल्स की मदद से 10 गुना अधिक कोड तो लिख रहे हैं, लेकिन उनके द्वारा बनाई गई वास्तविक वैल्यू (रियल वैल्यू) में कोई खास इजाफा नहीं हुआ है।

जावेद जाफरी की पत्नी से 16 करोड़ की ठगी

मुंबई, जेएनएन। मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने बॉलीवुड एक्टर जावेद जाफरी की पत्नी हबीबा जाफरी से हुई 16.24 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हाई-प्रोफाइल केस में बीएमसी के असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। आरोपियों ने टैक्स सेटलमेंट और इन्वेस्टमेंट के नाम पर जाफरी परिवार को अपनी साजिश में फंसाया। ठगी की शुरुआत अप्रैल 2024 में हुई। हबीबा जाफरी को उनके अंधेरी स्थित बंगले का प्रॉपर्टी टैक्स भरने के लिए बीएमसी से एक नोटिस मिला। इसी दौरान मुलाकात बीएमसी जी-साउथ वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल से हुई। पाटिल ने टैक्स सेटलमेंट का भरोसा दिया और फिर उन्हें बांद्रा के 'न्यू कमलकुंज' कमर्शियल प्रोजेक्ट में निवेश करने का लालच दिया।

संक्षिप्त खबरें

आयुष चिकित्सा अफसरों की भर्ती पर अंतरिम रोक

जागरण, जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में संविदा अधिकारियों को 50 फीसदी आरक्षण का लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा एवं जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने भर्ती प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी। साथ ही आयुष विभाग के प्रमुख सचिव, मप्र लोक सेवा आयोग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जबलपुर निवासी डॉ सौरभ चौरसिया, सीहोर निवासी डॉ अजय अवस्थी सहित 78 संविदा आयुष अधिकारियों की ओर से याचिका दायर कर उन्हें भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने दलील दी कि 11 मार्च 2025 की अधिसूचना के तहत पांच वर्ष की निरंतर सेवा पूरी करने वाले सभी संविदा आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा अधिकारियों को नियमित भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। याचिकाकर्ताओं को केवल इस आधार पर वंचित किया जा रहा है कि वे समकक्ष पद पर नहीं हैं। उन्होंने बताया कि कई याचिकाकर्ता 10 वर्ष से भी अधिक समय से संविदा पर कार्यरत हैं। नियम में यह प्रावधान भी है कि प्रत्येक संविदा अधिकारी को हर वर्ष के 3 प्रतिशत (अधिकतम 15 प्रतिशत) और कार्य करने के वर्ष की आयु सीमा (अधिकतम 55 वर्ष) की छूट दी जाएगी। याचिकाकर्ता उक्त सभी पात्रता पूरी करते हैं, इसके बावजूद उन्हें भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जा रहा है।

मप्र लोक सेवा आयोग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को नोटिस

प्रदेश में उद्यानिकी फसलों का किया जाएगा विस्तार

विसं भोपाल। कृषि कल्याण वर्ष के दौरान राज्य सरकार प्रदेश में उद्यानिकी फसलों का विस्तार करेगी। इसके लिए विभाग ने प्रदेश में एक लाख 32 हजार 147 हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों का विस्तार करने का लक्ष्य तय किया है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना के अनुसार फल फसलों के क्षेत्र में 18 हजार हैक्टेयर, सब्जी उत्पादन में 54 हजार हैक्टेयर, मसाला फसलों में 56 हजार हैक्टेयर, पुष्प उत्पादन में 3 हजार 500 हैक्टेयर, औषधीय फसलों में 600 हैक्टेयर तथा संरक्षित खेती में 47 हैक्टेयर क्षेत्र वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार का मानना है कि बदलते कृषि परिदृश्य में उद्यानिकी फसलें किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश की भौगोलिक विविधता और अनुकूल जलवायु उद्यानिकी फसलों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड, महाकौशल और चंबल क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के फल, सब्जी और मसाला फसलों का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश में आम, संतरा, अमरूद, पपीता, टमाटर, प्याज, लहसुन, धनिया और मिर्च जैसी फसलों की खेती किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है।

1.32 लाख हैक्टेयर में होगी उद्यानिकी खेती

पीएम शहरी आवास योजना के क्रियान्वयन में मप्र अव्वल

भोपाल। मध्यप्रदेश ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में देशभर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में 10 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे आवास निर्माण एवं हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने में देश के अग्रणी राज्यों में मध्यप्रदेश ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत मध्यप्रदेश ने आवासों की ग्राउंडिंग में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में 98.04 प्रतिशत आवासों की ग्राउंडिंग पूर्ण हो चुकी है। यह प्रभावी क्रियान्वयन, सतत मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिणाम है। वहीं 9 लाख से अधिक आवासीं का निर्माण पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को सौंपा जा चुका है। योजना के माध्यम से हजारों परिवारों का अपने पक्के घर का सपना साकार हुआ है, जिससे उनके जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मान में सकारात्मक बदलाव आया है।

98.04 प्रतिशत आवासों की ग्राउंडिंग हुई पूरी

प्रो. आलोक शर्मा बने आरजीपीवी के कुलगुरु

विसं, भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने प्रो. आलोक शर्मा को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, भोपाल का कुलगुरु नियुक्त किया है। भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) ग्वालियर के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से 4 वर्ष की कालावधि के लिए कुलगुरु नियुक्त किया गया है।

पीएचई का शहरी अमला निकायों में होगा मर्ज, बनेगा ओंकारेश्वर विकास प्राधिकरण

अधिकारियों के साथ सीएम ने की हाईलेबल मीटिंग, बोले-समय पर लक्ष्य अधूरा, तो अफसरों पर एक्शन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में अधिकारियों के साथ लगभग तीन घंटे बैठक कर कई अहम निर्णय लिए। इनमें ओंकारेश्वर-ममलेश्वर विकास प्राधिकरण गठित करने एवं पीएचई के शहरी अमले को नगरीय निकायों में मर्ज करने जैसे अहम निर्णय शामिल हैं। सीएम ने अधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि विभागों के लक्ष्य समय पर पूरे होने चाहिए, ऐसा नहीं होने पर संबंधित अफसर पर एक्शन होगा। मंत्रियों के साथ 17 मई से होने वाली रिव्यू बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में अधिकारियों के साथ हाईलेबल बैठक की। इसमें अहम मुद्दा पेयजल, पर्यटन विकास के अलावा राज्य के तीन मेडिकल यूनिवर्सिटी को भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में विभाजित करने जैसे रहे। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने तेजी से काम किया जाए, विशेषकर राम वन पथ गमन के काम को समय में पूरा कराया जाए। धार्मिक पर्यटन को और कैसे बढ़ाया जाए,इस पर अधिकारी नवाचार के साथ योजनाएं तैयार कराएं। चित्रकूट और ओरछा के पर्यटन से जुड़े प्रस्तावों पर भी सीएम ने अधिकारियों से चर्चा की और उन्हें कैबिनेट में लाकर स्वीकृत कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में धार्मिक स्थलों में हो रहे विकास कार्यो में वन विभाग की आपत्ति को लेकर भी चर्चा की गई। इस पर मुख्यमंत्री ने बैठक में ही चित्रकूट,ओरछा सहित दूसरे धार्मिक नगरों पर पर्यटन संबंधी गतिविधियों में रुकावट बन रही वन विभाग की आपत्ति को दूर कराया। सीएम ने कहा कि अब इन स्थानों पर विकास के कामों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे इस बात पर विशेष ध्यान दें कि किसी भी निकाय या ग्राम पंचायत और मजरा टोले में पानी के लिए लोगों को परेशान नहीं होना चाहिए।

सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को न हो परेशानी

सिंहस्थ की तैयारियों की समीक्षा करते वक्त सीएम ने अधिकारियों से कहा कि उज्जैन केसाथ ओंकारेश्वर का भी विकास तेज गति से होना चाहिए। इसके लिए ओंकारेश्वर -ममलेश्वर विकास प्राधिकरण के गठन किया जाए, जिससे सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं होटल्स सहित दूसरी सुविधाएं मिल सकें और लोगों को सिंहस्थ के दौरान असुविधा से बचाया जा सके। बैठक में बताया गया कि ओंकारेश्वर -ममलेश्वर क्षेत्र में छोटे-बड़े झाड़ के जंगल हैं, जिसके लिए वन विभाग की अनुमति आवश्यक होती है। इस क्षेत्र में 250 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है, जहां पर विकास के कार्य कराए जाने हैं। पूर्व में यहां विकास कार्यों के लिए स्थानीय प्रशासन स्तर पर प्रयास किए गए, तो स्थानीय लोगों द्वारा विरोध भी किया गया, जिसका समाधान करना बहुत जरूरी हैं। इस पर सीएम ने जल्द ही इस दिशा में काम करने की बात कही।

कैबिनेट के निर्णयों पर हुआ रिव्यू

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल के ढाई साल 13 जून को पूरे होंगे। इससे पहले सीएम मंत्रियों के साथ बैठक कर अगले ढाई साल के रोडमैप पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय में शुक्रवार को हुई बैठक में सीएम ने अधिकारियों से पूछा कि बीते कार्यकाल के दौरान मंत्रिपरिषद की बैठकों में लिए गए निर्णयों पर कितना अमल किया गया है। ऐसे कौन से निर्णय है, जिन्हें विभागों द्वारा अमल में लाया गया है। सीएम ने इसके लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन से संबंधित विभागों से जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

मंत्रियों के नवाचारों की बनी सूची

बैठक में सरकार गठन से लेकर अब तक मंत्रियों द्वारा अपने-अपने विभागों को लेकर कौन-कौन नवाचार कराए गए,इसकी सूची तैयार की गई है। मंत्रियों द्वारा कब-कब अपने विभागों की समीक्षा की और बैठक के दौरान मंत्रियों का व्यवहार और विभाग के कार्यो में उनकी रुचि कैसी रही अधिकारियों द्वारा यह जानकारी भी सीएम के संज्ञान में लाई गई। शुक्रवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान जो नीतिगत निर्णय लिए गए है। उन्हें प्रस्ताव के तौर पर कैबिनेट की बैठक में लाया जाएगा। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देशित किया गया है।

मंडी शुल्क एक रु से घटाकर 55 पैसे करने के निर्देश

सीएम ने बताया कि खंडवा और बुरहानपुर की मंडियों में कपास उत्पादक किसानों से लिया जा रहा मंडी शुल्क एक रुपए से घटाकर 55 पैसे करने के निर्देश दिए हैं। कपास उत्पादक किसानों को उपज बेचने में कठिनाई न हो इसके लिए कपास का मंडी शुल्क पड़ोसी महाराष्ट्र राज्य के बराबर 55 पैसे किया जा रहा है। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग से अग्निवीर योजना के अंतर्गत अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मिले निर्देशों को लागू करने के निर्देश दिए। डॉ. यादव ने भोपाल में मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन में तैनात कर्मचारियों की बॉयोमैट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू किया जाए।

प्रदेश में कुटीर और ग्रामोद्योग को मिलेगा नया आयाम:सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार मध्यप्रदेश में कुटीर ग्रामोद्योग को नए आयाम देने की दिशा में काम कर रही है। इसमें सरकार की प्राथमिकता महिलाओं को रोजगार देने पर हैं। सीएम ने शुक्रवार को इस संबंध में अपने वक्तव्य में कहा है कि प्रदेश में महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए कुटीर और ग्रामोद्योग के जरिए उनके रोजगार दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र को रोजगार, नवाचार और बाजार से जोड़कर नया स्वरूप दिया जा रहा है। विशेषकर पारंपरिक शिल्प को आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ाने और ग्रामीण कारीगरों को बेहतर आय और पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रयास हो रहे हैं। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान महेश्वरी, चंदेरी, खादी और रेशम जैसे उत्पादों को सिर्फ संरक्षित ही नहीं, बल्कि विस्तारित और प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है। सरकार ने हथकरघा क्लस्टर का विस्तार करते हुए प्रदेश के अन्य जिलों में भी नए हथकरघा क्लस्टर चिन्हित कर उन्हें विकसित करने का निर्णय लिया है। इसी तरह पुराने कॉटन मिल क्षेत्रों और पारंपरिक बुनाई वाले इलाकों को जोड़कर खादी उत्पादन की नई योजना बनाई जाएगी ,जिसका उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना और स्थानीय रोजगार सृजित करना है। सीएम ने कहा कि लूम और चरखा प्रदाय योजना को महिला एवं बाल विकास तथा कृषि विभाग के साथ जोड़कर रोजगारपरक बनाया जाएगा।

साड़ी पहनावे को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार योजना भी शुरू होगी

सरकार रेशम उत्पादन को लखपति दीदियों से जोड़ने के लक्ष्य के साथ काम करेगी। इसी तरह मृगनयनी, कबीरा और विंध्यावैली जैसे ब्रांड के एम्पोरियम अब फ्रेंचाइजी मॉडल पर अन्य जिलों में खुलेंगे। पर्यटन निगम के साथ मिलकर प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आउटलेट स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थानों के लिए गुणवत्तापूर्ण पूजन सामग्री के उत्पादन और विक्रय को अनुदान और बैंक ऋण आधारित योजना से जोड़ा जाएगा। इंदौर की साड़ी वॉकथॉन की तर्ज पर उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर में आयोजन होंगे। साड़ी पहनावे को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार योजना भी शुरू होगी। ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन में प्राकृत रेशम शोरूम खुलेंगे।

प्रदेश का प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह से चरमराया : पटवारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतेन्द्र(जीतू) पटवारी ने कहा है कि भाजपा सरकार के शासन काल में राज्य का प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह से चरमरा गया है। सरकार को इस बात की भी जानकारी नहीं है,कि लाखों कर्मचारी किस विभाग केअंतर्गत आते हैं और उनकी पेंशन की जिम्मेदारी किसकी है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि यह बड़ी बिडम्बना है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगभग 3 लाख शिक्षकों को अपना कर्मचारी मानने से इंकार कर दिया। इस निर्णय से इन शिक्षकों की पुरानी पेंशन ,सेवा सुरक्षा और लगभग 20 वर्षो की वरिष्ठता पर प्रश्न चिन्ह लग गया। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं,बल्कि शिक्षकों के सम्मान और अधिकारों पर सीधा हमला है। पटवारी ने कहा कि एकओर राज्य के लाखों युवा सरकार से रोजगार की मांग कर रहे हैं,तो वहीं दूसरी ओर सरकार लगातार नौकरियां समाप्त कर रही है। मध्यप्रदेश रोजगार पोर्टल पर 25 लाख से अधिक युवक-युवतियों ने पंजीकरण कराया है,जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में बेरोजगारी भयावह स्तर पर पहुंच चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार द्वारा 1.2 लाख से अधिक पद समाप्त कर दिए और सरकार यह कहकर बच रही है कि उसके पास वेतन के लिए बजट नहीं है। ऐसा कहने वाली सरकार हजारों करोड़ रुपए लेकर इवेंटबाजी और प्रचार में पानी की तरह पैसा बहा रही है। रोजगार मेले केवल दिखावा और सरकार के प्रचार का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार तत्काल प्रभाव से शिक्षको ंसे जुड़े फैसले वापस नहीं लेती है,तो कांग्रेस शिक्षकों की लड़ाई सड़क पर दमदारी के साथ लड़ेगी।

बिजली समस्या हल करने 27 जोनों में शिविर शुरू

जागरण संवाददाता, भोपाल। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए बिजली कंपनी की ओर से शहर के 27 जोनों में विशेष शिविरों की शुरुआत की गई है। शुक्रवार को अभियान के दूसरे दिन नादरा बस स्टैंड, बैरागढ़ और इमामी गेट सहित कई प्रमुख स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में उपभोक्ता अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनका अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया।

नॉर्थ क्षेत्र के डीजीएम अंकित पालीवाल ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यह अभियान 14 मई से शुरू किया गया है। इस महीने सभी जोनों में 4-4 शिविर लगाए जाएंगे। अब तक 2,500 से अधिक उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण किया जा चुका है। शिविर में मंगलवारा आजाद मार्केट की मीना प्रजापति को नया कनेक्शन दिया गया, वहीं मोहम्मद शकील की बिजली लोड संबंधी शिकायत का तत्काल समाधान हुआ। शिविरों में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पूर्व में जिन स्मार्ट मीटरों का विरोध हो रहा था, अब उपभोक्ता जागरूकता के कारण स्वयं उन्हें लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं।

मौके पर ही किया जा रहा समस्याओं का समाधान

निगम-मंडल अध्यक्षों को सरकार दिलाएगी प्रशिक्षण, शिविर 18 को

सभी 63 नवनियुक्त पदाधिकारी रहेंगे मौजूद, मुख्यमंत्री भी देंगे टिप्स

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के निगम मंडल सहित दूसरी सरकारी संस्थाओं में पद पाने वाले अध्यक्ष-उपाध्यक्षों सहित 63 सदस्यों को सरकार प्रशिक्षण दिलाएगी। उन्हें बताया जाएगा कि वे किस तरह के अपने संस्थानों का संचालन करें।

इस दौरान उन्हें अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। ये प्रशिक्षण शिविर 18 मई को राजधानी के अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में दी जाएगी। जिसमें एक सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं निगम मंडल की कार्यशैली पर विस्तृत जानकारी देंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है,जिसमें बताया गया है कि एक दिन प्रशिक्षण शिविर में राज्य शासन के 18 विभागों के अपर मुख्य सचिव,प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके निगम मंडल के कामकाज,वित्तीय प्रबंधन,शासकीय प्रक्रियाओं,नीतियों तथा दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। इन पदाधिकारियों को यह भी बताया जाएगा कि उन्हें कैबिनेट या राज्यमंत्री का दर्जा मिलने के बाद उनकी जिम्मेदारियां क्या रहेगी और उनके अधिकार क्या रहेंगे। प्रशिक्षण के दौरान सामान्य प्रशासन और वित्त विभाग पदाधिकारियों को उनके निगम मंडलों से जुड़े वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों की जानकारी देंगे। इतना ही नहीं अधिकारियों द्वारा विभागों से संबंधित प्रजेंटेशन दिया जाएगा।

कुछ पदाधिकारियों ने कराई है किरकिरी

उल्लेखनीय है कि निगम मंडल से लेकर प्राधिकरण और आयोगों में नियुक्त किए गए कुछ पदाधिकारियों ने अपनी राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन कर भाजपा और सरकार की किरकिरी कराई है। इसकी जानकारी दिल्ली तक पहुंची है। जिसके बाद सीएम के निर्देश के बाद जहां पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह के अधिकारी छीन लिए गए हैं,तो दूसरे पदाधिकारियों को हिदायतें दी गई है। सूत्रों की माने तो ऐसी स्थिति से बचने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिलाने की पहल की है,जिससे वेअपने पदों की जिम्मेदारियों से पूरी तरह से अवगत हो सके और प्रभावी ढंग से अपने दायित्वों का निर्वाहन कर सके।

युवाओं को निखारने का काम कर रही हैं सरकारें: गौर

विशेष संवाददाता, भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार कौशल, संकल्प और प्रेरणा के जरिए युवाओं को निखारने का काम कर रही हैं, जो राष्ट्रसेवा की सशक्त राह पर आगे बढ़ाएगा। ऐसे युवा शक्ति किसी भी तरह के भ्रम में न आएं। मंत्री गौर शुक्रवार को समन्वय भवन में शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के शुभारंभ अवसर पर संबोधन दे रही थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नियत किए गए विकास के 4 स्तंभों में युवाओं को एक अहम स्तंभ बताया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में हमने यह प्रण लिया था कि पिछड़ा वर्ग के युवाओं का जीवन बेहतर बनाने के लिए हम कुछ ठोस करेंगे और यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा अभियान है। राज्यमंत्री गौर ने बताया कि 45 दिन तक चलने वाली यह विभाग की पहली ऐसी रोजगार परक प्रशिक्षण योजना है, जो ओबीसी अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, शौर्य, समर्पण और संकल्प का ज्ञान भी देगी। हमारी योजना का नाम ही शौर्य और संकल्पहै, जो अपने आप में एक प्रेरणा है। राज्यमंत्री गौर ने युवाओं का स्वागत करते हुए इसे अपने राजनीतिक जीवन का एक ऐतिहासिक क्षण बताया। ओबीसी हॉस्टल में मेस की सुविधा शुरू होने जा रही है, जहां विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्री गौर ने बताया कि पूरे देश में मध्यप्रदेश पहला राज्य और हमारा विभाग पहला विभाग है, जो सोशल इंपैक्ट बॉन्ड के माध्यम से युवाओं को ट्रेनिंग देकर विदेश भेजने की तैयारी कर रहा है। सरदार पटेल कोचिंग योजना के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी विद्यार्थियों को नीट, क्लैट और जेईई जैसी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प हमारी सरकार ने किया है।

कोलार नगर पालिका के कर्मचारियों को निगम में किया गया विनियमित

विसं भोपाल। कोलार नगर पालिका के कर्मचारियों का नगर निगम भोपाल में विनियमितकरण किया गया है। जिसका कर्मचारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से कर्मचारियों द्वारा यह मांग की जा रही थी। निर्णय के उपरांत कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें वक्ताओं ने कर्मचारियों की ओर से महापौर मालती राय,एमआईसी सदस्य रविन्द यति के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके प्रयासों और संवेदनशील पहल के कारण ही यह निर्णय संभव हो सका है। इससे कर्मचारियों को स्थायित्व और सुरक्षा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में किए गए कार्य हमेशा प्राथमिकता में रहे हैं और आगे भी उनके कल्याण के लिए प्रयास रहेंगे। उल्लेखीय है कि 2014 में कोलार नगर पालिका का नगर निगम में विलय हुआ था। उसके बाद लगातार कर्मचारी इस विनियमितकरण को लेकर आवाज उठा रहे थे,जो करीब 12 वर्षो बाद पूर्ण हुआ है।

परेशानी

प्रगणक परेशान, अटक रहा वेरिफिकेशन का काम, अब शासन ने की अपील

मकान गणना में साइबर फ्रॉड के डर से आईडी बताने में डर रहे लोग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में जनगणना के पहले चरण का काम जोर-शोर से चल रहा है लेकिन मकानों की गिनती के दौरान इस बार मैदानी स्तर पर काम कर रहे प्रगणकों (इन्यूमरेटर्स) और सुपरवाइजरों के सामने एक अजीब संकट खड़ा हो गया है। मकानों की गिनती के लिए ऑनलाइन डेटा भरने वाले कई नागरिक अपनी सेल्फ एन्यूमेरेशन आईडी साझा करने से कतरा रहे हैं। इसके पीछे लोगों के मन में साइबर ठगी और डेटा के गलत इस्तेमाल का डर बैठ गया है, जिससे जनगणना का काम कई जिलों में सुस्त पड़ गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना कानून की धारा आठ के तहत गलत जानकारी देना या उत्तर देने से मना करना अपराध की श्रेणी में आता है और इसके लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान भी है। प्रदेश में मकानों की गिनती और सूची बनाने का यह काम एक मई से शुरू हुआ है जो तीस मई तक चलेगा।

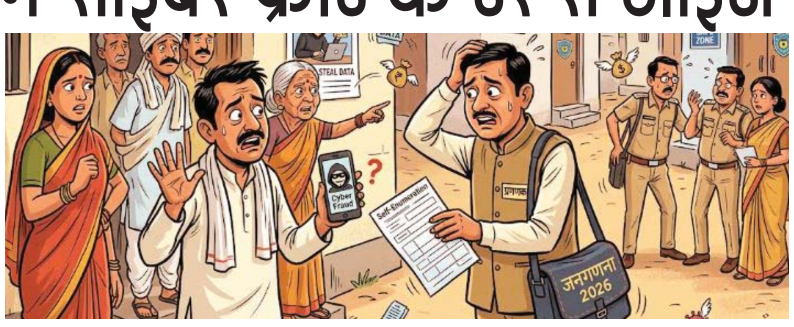

7.46 लाख परिवारों की ऑनलाइन जानकारी, ठगी के डर ने बढ़ाई मुश्किल

अप्रैल के महीने में सरकार ने आम जनता को जनगणना पोर्टल के जरिए ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा दी थी। उस समय प्रदेश के 7.46 लाख परिवारों ने उत्साह दिखाते हुए अपनी जानकारी ऑनलाइन अपलोड की और बदले में उन्हें एक सेल्फ एन्यूमेरेशन आईडी मिली थी। अब जब सरकारी कर्मचारी घर-घर जाकर इस आईडी की मांग कर रहे हैं, तो लोग इसे साझा करने में आनाकानी कर रहे हैं। मंदसौर, छिंदवाड़ा, नीमच और उज्जैन जैसे जिलों से लगातार ऐसी शिकायतें आ रही हैं। लोगों को लगता है कि यह कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो सकता है। इस कारण प्रगणकों को या तो दोबारा पूरी जानकारी भरनी पड़ रही है या फिर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और मेहनत दोनों बर्बाद हो रहे हैं। इस बारे में जनगणना निदेशालय ने पहले ही यह साफ कर दिया था कि उन्हें घर आने वाले प्रगणक को यह आईडी देनी होगी, जिससे उनके द्वारा भरे गए डेटा का वेरिफिकेशन हो सके।

शासन ने दी गोपनीयता की गारंटी

जनता के मन में बैठे इस डर को दूर करने के लिए शासन ने विशेष अपील जारी की है। सरकार ने साफ किया है कि जनगणना के दौरान ली गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय है। जनगणना कानून की धारा पंद्रह के तहत यह डेटा किसी के खिलाफ अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस डेटा का उपयोग किसी को मिल रहे सरकारी लाभों को बंद करने या कोई नया लाभ देने के लिए नहीं किया जाएगा। इसका मकसद केवल सांख्यिकीय आंकड़े जुटाना है। साथ ही, यह जानकारी सूचना के अधिकार यानी आरटीआई के तहत भी किसी को नहीं दी जा सकती। अब जिलों के कलेक्टरों ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए सलाह दी है कि जब भी कोई कर्मचारी आपके घर आए, तो उसका आइडेंटिटी कार्ड जरूर देखें। पहचान सुनिश्चित करने के बाद आईडी साझा करने से न केवल समय बचेगा, बल्कि जनगणना में सटीक जानकारी दर्ज हो सकेगी।

मंडल के स्टेशनों पर रेल डिस्प्ले व कोच गाइडेंस सिस्टम अपग्रेड

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेल मंडल द्वारा अपने कई स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में इजाफा किया गया है। जानकारी अनुसार डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में यह कार्य किया गया है। मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा संबंधी अनेक आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं, जिससे यात्रियों को अधिक सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त हो रहा है। भोपाल स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए पेड रिटायरिंग सेवा एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे यात्रियों को आरामदायक ठहराव एवं बेहतर प्रतीक्षालय सुविधा प्राप्त हो रही है। यात्रियों को ट्रेनों की सही स्थिति एवं कोच की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल के 16 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम स्थापित किए गए हैं। इनमें हरदा, इटारसी, नर्मदापुरम, भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर, निशातपुरा आदि शामिल हैं।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 43.4°c | न्यूनतम 23.8°c

राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

नगर में आज

सितारा आर्ट एक्जीबिशन
- स्थान: गौहर महल
- समय: दोपहर 12:00 बज से

व्यंग्य पाठ
- स्थान: हिन्दी भवन
- समय: शाम 4:00 बज से

'माह का प्रादर्श'
- स्थान: मानव संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

73 शलाका चित्र प्रर्दशनी
- स्थान: लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

एक हफ्ते में आगजनी की तीन घटनाएं, एक में भी समय पर नहीं पहुंचीं निगम की दमकलें

एक तिहाई अमला ही शहर में कर रहा ड्यूटी, समय पर नहीं बुझ पा रही आग

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में यदि कहीं भी आग लगती है, तो आम लोगों की जान फिलहाल भगवान भरोसे है, क्योंकि आगजनी के दौरान नगर निगम की दमकलें देरी से पहुंच रही हैं। पिछले एक हफ्ते में हुई तीन घटनाओं के दौरान लोगों द्वारा समय पर जानकारी देने के बाद भी दमकलें समय पर नहीं पहुंची। नतीजतन करोंद क्षेत्र की दो घटनाओं में भारी नुकसान हुआ। जबकि आनंद नगर 11 मील बायपास पर हुई एक घटना के दौरान प्रत्यक्षदर्शी दो घंटे तक मौके पर मौजूद रहे, लेकिन दमकल नहीं पहुंच सकी। नतीजतन ग्रीन बेल्ट में खड़ा एक हरा भरा पेड़ पूरी तरह जल गया। जबकि करोंद वाले दोनों घटना स्थलों के पास दो फायर स्टेशन मौजूद हैं। ऐसे में दमकलों के पहुंचने में हो रही लेटलतीफी का कारण जानने के लिए दैनिक जागरण ने जब फायर ब्रिगेड भोपाल की समीक्षा की, तो कई कमियां निकलकर सामने आईं। जिसमें सबसे पहला कारण शहर में आबादी के अनुपात में फायर स्टेशन का मौजूद नहीं होना है। दूसरा दमकल पर तैनात फायर मैन की ट्रेनिंग न होने और उनकी संख्या कम होने के कारण भी आग बुझाने का काम प्रभावित हो रहा है। तीसरा आदमपुर खंती में आग लगने की घटनाएं रोकने के लिए फायर कर्मियों को वहां तैनात किया गया है, जिसके चलते शहर में फायर कर्मियों की संख्या भी कम हो गई है। इन तीनों कारणों के कारण शहर में आगजनी के दौरान दमकलें देरी से पहुंच रही हैं। ऐसे में यदि आने वाले समय में भी यही स्थिति बनी रही, तो आगजनी की किसी भी बड़ी दुर्घटना में जान माल के भारी नुकसान की आशंका बनी रहेगी।

> दमकलों की फायर कर्मियों की संख्या की कमी तो है। इसके लिए नगरीय प्रशासन विभाग से 5 दमकलें मांगी गई हैं। फायर कर्मियों की संख्या बढ़ाने और ट्रेनिंग को लेकर भी लगे हुए हैं।
> ● **सौरभ पटेल**, फायर ऑफिसर भोपाल

जरूरत के मुताबिक दमकलें नहीं

मामले में सबसे भयावह पहलू शहर में जरूरत के हिसाब से फायर स्टेशन और दमकलों का न होना है, इसके कारण फायर कर्मियों की संख्या भी सीमित है। इसके अलावा ज्यादातर फायर कर्मियों को केवल भारी वाहनों के लाइसेंस के आधार पर ही नौकरी दे दी गई है। जबकि इनकी प्रोफेशनल ट्रेनिंग और नियमित नौकरी भी जरूरी है। ज्यादातर 25 दिवसीय कर्मचारी ही फायर कर्मी की नौकरी कर रहे हैं। शहर में तीन वर्ग किमी के दायरे में एक फायर स्टेशन की जरूरत है। साथ ही 50 हजार लोगों पर एक दमकल होना भी जरूरी है। एक दमकल पर ड्राइवर सहित 6 कर्मचारी होना जरूरी है। शहर में फायर स्टेशनों की संख्या जरूरत के हिसाब से बेहद कम है। बता दें कि भोपाल जिले की आबादी 28 लाख है। शहर में 60 दमकलों की जरूरत है, लेकिन नगर निगम के पास 35 दमकलें और वाटर टैंकर हैं। इनमें से भी कई 4 से 5 दशक पुराने कंडम वाहन हैं, जो आगजनी के दौरान समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। दूसरी ओर फायर ब्रिगेड अमला ट्रेंड कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। वर्तमान में यहां 314 फायरकर्मी सेवाएं दे रहे हैं। जिनमें से 280 बिना फायर सेफ्टी कोर्स के आग बुझाने का काम कर रहे हैं, जबकि अमले को जरूरत करीब 700 ट्रेंड कर्मचारियों की हैं।

फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर सवाल

10 मई 2026 आनंद नगर 11 मील बायपास पर खजूरी सड़क झागरिया पर ग्रीन बेल्ट एरिया में असामाजिक तत्वों ने कचरे में आग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने फायर ब्रिगेड को फोन किया, लेकिन दो घंटे बाद भी दमकल नहीं पहुंची, जिसके कारण एक पेड़ जल गया। यदि जंगल में सूखे पत्ते या घास होती। तो आग पूरे ग्रीन बेल्ट में फैल सकती थी।

12 मई 2026 पीपुल्स मॉल के पास चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लगने के बाद भी दमकलें नहीं पहुंच सकीं, जबकि लोगों ने समय पर फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी थी। नतीजतन पीपुल्स यूनिवर्सिटी की दमकलों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान लाखों रुपए का सामान जल गया। यदि पीपुल्स की दकमलें समय पर नहीं पहुंचती और ज्यादा नुकसान के साथ जनहानि की भी आशंका थी।

13 मई 2026 छोला स्थित कोरल कासा अपार्टमेंट में देर रात एक फ्लैट की बहुमंजिला इमारत में आग लग गई। सातवीं मंजिल पर बने फ्लैट में जैन परिवार रहता था, जिन्होंने कुछ ही दिन पहले मकान के पूरे इंटीरियर डिजाइनिंग का काम कराया था। यहां अपार्टमेंट का फायर सेफ्टी सिस्टम बंद पड़ा था। घटना के दौरान दमकल बिल्डिंग तक नहीं पहुंच सकी। नतीजतन बाल्टियों और पाइप के जरिए आग बुझाई गई, जिसके कारण फर्नीचर और अन्य सामान खाक हो गया। यदि फ्लैट में जैन परिवार होता तो उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता।

संक्षिप्त खबरें

भोपाल से होकर गुजरेगी उधना-निजामुद्दीन विशेष ट्रेन

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 09121/09122 उधना-निजामुद्दीन-उधना के मध्य 1-1 ट्रिप स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। स्पेशल ट्रेन का भोपाल मंडल के इटारसी एवं भोपाल स्टेशनों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 09121 उधना-निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन 22 मई को उधना से शाम 6 बजे प्रस्थान कर निर्धारित मार्ग से होते हुए अगले दिन इटारसी 7:20 बजे एवं भोपाल 9:15 बजे आगमन कर और तीसरे दिन मध्यरात्रि 12:15 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09122 निजामुद्दीन-उधना स्पेशल ट्रेन 24 मई को निजामुद्दीन से रात 9:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन भोपाल 11:30 बजे एवं इटारसी 1:35 बजे आगमन कर और मंगलवार को गंतव्य स्टेशन उधना मध्यरात्रि 12:45 बजे पहुंचेगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में नवापुर, चिंचपाडा, नंदुरबार, भुसावल जंक्शन, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और आगरा कैंट स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 02 सामान्य श्रेणी, 18 शयनयान श्रेणी सहित कुल 22 कोच होंगे।

पुरानी रंजिश में युवक पर छुरी से जानलेवा हमला

जागरण, भोपाल। गौतम नगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते बदमाशों ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना बुधवार देर रात 12 बजे की है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय अरबाज आरिफ नगर स्थित रेलवे पटरी किनारे रहता है। वह स्कूल बैग सिलाई का काम करता है। तीन महीने पहले उसका मोहल्ले में रहने वाले जुबेर उर्फ जुमेर से विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते जुबेर अपने साथी नवेद के साथ बुधवार रात उसके घर के पास पहुंचा। जहां उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। जिसका विरोध करने पर उन्होंने अरबाज पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसके पीठ पर गंभीर चोटे आई है। घटना के बाद आरोपी उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से भाग निकले। राहगीरों उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही युवती ने दी जान

जागरण, भोपाल। कजलीखेड़ा इलाके में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही 25 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका ने सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है,जिससे आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रियंका उर्फ तनु दोहरे पिता घनश्याम मूल रूप से रातीबड़ की रहने वाली थी। उसने एमएससी की पढ़ाई पूरी कर ली थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। प्रियंका चार बहनों में सबसे बड़ी थी। कुछ महीने पहले उसके पिता की तबीयत खराब होने के बाद पूरा परिवार कजलीखेड़ा स्थित उसकी बुआ के घर पर रहने लगा था। गुरुवार रात वह एक कमरे में सो रही थी, जबकि दादी और अन्य बहनें दूसरे कमरे में थीं। शुक्रवार तड़के करीब चार बजे उसकी बहन की नींद खुली तो प्रियंका फंदे पर लटका देखा।

एआई से बना फोटो वायरल करने की धमकी, छात्रा ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। ऐशबाग इलाके में 10वीं कक्षा की 17 वर्षीय छात्रा ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले में परिजनों ने दो युवकों पर छात्रा को लगातार प्रताड़ित करने और एआई के जरिए अश्लील फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को परिजनों ने शव लेकर ऐशबाग थाने का घेराव किया। मृतका के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार चंचल जैन पिता मनीष(17) पुष्पनगर में परिवार के साथ रहती थी। वह 10वीं छात्रा थी। उसके पिता बिट्टन मार्केट में कपड़ों की दुकान संचालित करते हैं। दो बहनों में चंचल बड़ी बेटी थी। जहां इलाके का रहने वाला एक युवक और उसका साथी लंबे समय से छात्रा को परेशान कर रहे थे। आरोपियों ने सोशल मीडिया से छात्रा की तस्वीरें लेकर एआई की मदद से कथित अश्लील फोटो तैयार किए थे। आरोप है कि इन तस्वीरों को वायरल करने और बदनाम करने की धमकी देकर छात्रा पर दबाव बनाया जा रहा था। गुरुवार रात 10 बजे छात्रा ने छोटी बहन को सामान लेने के लिए बाहर भेजा था। इस दौरान उसने दरवाजा बंद कर कमरे में साड़ी से फांसी का फंदा बनाकर जान दे दी। बाद में जब उसकी बहन वापस लौटी तो गेट नहीं खोलने पर खिड़की से झांककर देखने पर वह फंदे पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजन उसे नीचे उतारकर हमीदिया अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने चंचल को मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार दोपहर पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना से गुस्साएं परिजन शव लेकर ऐशबाग थाने पहुंचे। जहां आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि पुलिस को आरोपियों के नाम और ब्लैकमेलिंग की जानकारी देने के बावजूद तुरंत कार्रवाई नहीं की गई।

परिजनों ने थाने का किया घेराव, दो युवकों पर कार्रवाई की मांग

स्कूल छात्रा का पीछा कर धमकाते थे युवक

परिजनों का आरोप है कि दोनों युवक छात्रा का स्कूल आते-जाते पीछा करते थे और उससे मिलने का दबाव बनाते थे और वे छात्रा की सोशल मीडिया से तस्वीरें लेकर अश्लील फोटो एडिट कर ब्लैकमेल कर रहे थे। मामले में पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल परिजनों के बयान के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

बहू की आत्महत्या के तीन दिन बाद रिटायर्ड जज सास और वकील पति के खिलाफ एफआईआर

आरोपी गिरिबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत, समर्थ की याचिका पर सोमवार को सुनवाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी के हाई-प्रोफाइल ट्विशा शर्मा खुदकुशी मामले में आखिरकार पुलिस ने सख्त कानूनी कदम उठा लिया है। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद, मृतका की सास और पति के खिलाफ दहेज हत्या और प्रताड़ना की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों के खिलाफ कटारा हिल्स थाने में बीएनएस की धारा 80(2), 85, 3(5). एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3. एवं 4. के तहत एफआईआर की गई है। इस मामले में आरोपी ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह रिटायर्ड जिला जज हैं, जबकि उनके पति समर्थ सिंह पेशे से वकील हैं। नोएडा की रहने वाली 31. वर्षीय ट्विशा की शादी पिछले साल दिसंबर में समर्थ के साथ हुई थी। .12.मई की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाने के कारण उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में देर रात एफआईआर होने के बाद आरोपियों ने सुबह अदालत में जमानत आवेदन पेश किए थे और शाम को गिरिबाला सिह को अग्रिम जमानत मिल गई। कटारा हिल्स थाने के टीआई सुनील दुबे के अनुसार इस मामले में फरार आरोपी समर्थ की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

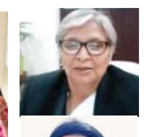

सुनवाई के दौरान सेना के अफसर भी पहुंचे

इस मामले में गिरिबाला सिंह की तरफ से भोपाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत का आवेदन लगाया गया था। मामले को पहले सुनवाई के लिए एडीजे सुलेखा मिश्रा की कोर्ट में पेश किया गया था। उनके सुनवाई से इनकार के बाद इस याचिका को एडीजे पल्लवी द्विवेदी की कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया। जहां अदालत ने अग्रिम जमानत मंजूर कर ली। इस मामले में गिरिबाला सिह के बेटे और वकील समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत पर सोमवार को सुनवाई होगी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था और देर शाम इसका खुलासा किया गया। इधर देर शाम तक ट्विशा के परिजनों ने उसकी बॉडी एम्स से नहीं ली थी। पहले ट्विशा के परिजन यह मांग कर रहे थे कि एफआईआर हुए बगैर वे शव नहीं लेंगे। एफआईआर के बाद कटारा हिल्स थाने के स्टाफ ने जब परिजनों से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि इस मामले में अब पति और सास ने अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है और आरोपियों की जमानत खारिज होने तक वे शव नहीं लेंगे। इस मामले में अग्रिम जमानत का आवेदन लगने की जानकारी लगते ही सेना के आला अफसर और बड़ी तादाद में सेना के जवान भी जिला अदालत पहुंचे थे, जिससे काफी देर तक गहमा-गहमी का माहौल बना रहा।

> गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिल गई है, जबकि समर्थ सिह की याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। कोर्ट में मृतका के इलाज और तमाम मेडिकल रिपोर्ट के साथ अन्य दस्तावेज पेश किए गए थे। इसके बाद अदालत ने जमानत मंजूर की।
> ■ **इनोस जॉर्ज कार्लो**, याचिकाकर्ता के वकील

कटारा हिल्स थाने में दर्ज एफआईआर में ये गंभीर आरोप

- पीएम रिपोर्ट में मौत गले में फंदा लगने (फांसी) के कारण हुई है। इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटों के कई निशान पाए गए, जो किसी कुंद चीज या बल प्रयोग जैसे मारपीट, लात-घूंसे, फर्श पर गिरने या पटकने या डंडे के कारण लगने की संभावना जताई गई है।
- ट्विशा की मां रेखारानी शर्मा, भाई हर्षित और भाभी राशि अब्रोल के पुलिस को दिए बयान, जिसमें मृतका के चरित्र पर उसके पति समर्थ और सास गिरिबाला द्वारा लांछन लगाने, दहेज की मांग करने, गर्भपात कराने और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए।
- मृतका के परिजनों ने कई व्हाट्सएप चैट और अन्य सबूत भी पुलिस को सौंपे, जिनमें सुसाइड से पहले ट्विशा ने अपने ऊपर हो रहे अत्याचार की जानकारी दी थी।

मुस्लिम युवक से मारपीट का मामला: शहर काजी की अपील पर नहीं निकाला मार्च

शांति से पढ़ी गई जुमे की नमाज, फोर्स रही तैनात

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में शुक्रवार को जुमा की नमाज हर बार की तरह अमन व शांति के साथ पढ़ी गई। लेकिन इस बार नमाज से पहले सड़कों पर अतिरिक्त पुलिस बल और स्पेशल फोर्सेस की तैनाती खास रही। यह तैनाती किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए थी। क्योंकि सोशल मीडिया पर बीते दो दिन से भोपाल चलो अभियान ट्रेंड कर रहा था। जिससे आशंका थी कि शहर का लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ सकता है। इसलिए पुलिस कमिश्नर भोपाल ने इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के आधार पर जुमा की नमाज के दौरान पुराने शहर में अतिरिक्त पुलिस की तैनाती के निर्देश दिए थे।

एमआईएम ने मांगी थी अनुमति

एमआईएम मप्र के अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने जुमा के दिन विशेष विरोध प्रदर्शन की मांग की थी। उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय को पत्र भी लिखा था। हालांकि बाद में मोहसिन ने इस पत्र को वापस ले लिया। मोहसिन ने बताया कि शहर काजी की बात मानने के लिए बाध्य हैं। वह हमारे बड़े हैं, उन्होंने जैसा कहा हमने वैसा ही किया।

अब तक पांच गिरफ्तार

मामले में भोपाल पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इन पर धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई पर भोपाल शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने संतोष जताया। उन्होंने अपील की कि जुमा के दिन कोई भी संगठन या जमात जुलूस, प्रदर्शन नहीं करेगी।

अल्लाह पर टिप्पणी से उपजा था विवाद

भोपाल में 10 मई को एक मुस्लिम युवक गोविंदपुरा क्षेत्र में किसी हिंदू युवती के साथ होटल में पकड़ाया था। इस मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम युवक के साथ मारपीट की थी। इस मारपीट के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अल्लाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद से मुस्लिम समाज में आक्रोश फैल गया था। मंगलवार की रात भोपाल में अचानक हजारों की संख्या मुस्लिम युवक ताजुल मसाजिद के पास इकटठा हो गए और नारेबाजी शुरू कर दी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग तेज हो गई। इसके बाद पुलिस ने आश्वासन दिया, तब जाकर रात में मामला शांत हुआ।

ई-ऑफिस की दौड़ में जीएमसी सबसे आगे, बाकी कॉलेज पिछड़े

अक्टूबर 2025 में शुरू की गई थी व्यवस्था

नगर संवाददाता, भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल ने डिजिटल प्रशासन की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों में अपनी अलग पहचान बनाई है। 1 जनवरी से 14 मई 2026 तक की ई-ऑफिस उपयोग रिपोर्ट में जीएमसी भोपाल ने मध्यप्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में कॉलेज को 143वां स्थान मिला है। अक्टूबर 2025 में ई-ऑफिस पोर्टल पर लाइव होने के बाद से कॉलेज में प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल और तेज बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। कॉलेज में ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने के बाद फाइलों के निस्तारण की गति बढ़ी है और विभागों के बीच समन्वय पहले से बेहतर हुआ है। अब किसी भी फाइल की स्थिति, लंबित अवधि और संबंधित अधिकारी की जानकारी ऑनलाइन आसानी से देखी जा सकती है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है।

कागज की बचत से लेकर एडमिनिस्ट्रेशन तक बदलाव

ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से गांधी मेडिकल कॉलेज में कागज, प्रिंटिंग और रिकॉर्ड भंडारण पर होने वाला खर्च कम होने लगा है। डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहने से पुराने दस्तावेज भी जरूरत पड़ने पर तुरंत उपलब्ध हो जाते हैं। अवकाश स्वीकृति, खरीद प्रक्रिया, टेंडर, वेतन, सेवा पुस्तिका और विभागीय पत्राचार जैसे काम अब अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से हो रहे हैं। अस्पताल प्रशासन को उम्मीद है कि इससे मरीजों से जुड़े प्रशासनिक कार्यों में भी तेजी आएगी। साथ ही एनएमसी निरीक्षण और ऑडिट के दौरान जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी पहले से आसान और व्यवस्थित हुई है।

> जीएमसी तेजी से डिजिटल और पूर्णतः पेपरलेस कार्यप्रणाली की ओर बढ़ रहा है। यह उपलब्धि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, तकनीकी सुधार और कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है। हमारा लक्ष्य जल्द पूरे संस्थान को पूर्णतः पेपरलेस बनाना है। ■ **डॉ. कविता एन सिंह, डीन**, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल

मौसम का असर

फंगल इंफेक्शन की समस्या लेकर अस्पताल पहुंच रहे मरीज

25 फीसदी बढ़े स्किन डिसीज के मरीज, पसीना और धूप कारण

नगर संवाददाता, भोपाल। मौसम में बार बार बदलाव के चलते स्किन डिसीज की समस्या बढ़ने लगी है। बीते एक सप्ताह में ऐसे मरीजों की संख्या में 25 फीसदी का उछाल आया है। इस बीच मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल ने स्किन केयर एडवाइस जारी की है। सीएमएचओ कार्यालय के अनुसार अत्यधिक गर्मी, पसीना और लंबे समय तक सूर्य के संपर्क में रहने से कई त्वचा समस्याएं हो सकती हैं। ऐसा मुख्य रूप से तब होता है जब त्वचा की देखभाल की अनदेखी की जाती है। उन्होंने कहा कि बादल वाले दिनों में सनस्क्रीन न लगाना, त्वचा को बार-बार या कठोरता से रगड़ना और भारी क्रीमों का उपयोग करना त्वचा की समस्याओं को बढ़ा सकती है।

> लोगों को सलाह दी गई है कि वह गर्मी के सीजन में सेहत का ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर नजदीकी हेल्थ सेंटर पर जाएं।
> ● डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ भोपाल

इन दिनों होने वाली प्रमुख स्किन डिसीज और उनके कारण

1. **फंगल इन्फेक्शन:** उमस भरे मौसम में त्वचा पर पसीना और नमी बनी रहती है, खासकर त्वचा की परतों (जैसे जांघों के बीच, बगल, स्तनों के नीचे, पैरों की उंगलियों के बीच) में। फंगस नमी और गर्मी में तेजी से पनपता है। बारिश के बाद कपड़े सूखने में समय लगने से भी नमी बनी रह सकती है।
लक्षण: लाल, खुजली दार चकत्ते जो अक्सर गोल आकार के होते हैं, पपड़ी जमना और कभी कभी त्वचा का फटना
2. **बैक्टीरियल इन्फेक्शन:** पसीने और गंदगी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं। नम वातावरण बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा पर छोटे-मोटे कट या खरोंच के माध्यम से संक्रमण आसानी से फैल सकता है। गीले कपड़े लंबे समय तक पहनने से भी जोखिम बढ़ता है।
लक्षण: लाल, दर्दनाक गांठें, मवाद से भरे छाले या त्वचा पर पीले भूरे रंग की पपड़ी वाले घाव,
3. **घमौरियां:** बारिश के बाद उमस बढ़ने से पसीना अधिक आता है, और पसीने की ग्रंथियां बंद हो जाती हैं। इससे पसीना त्वचा की सतह पर नहीं आ पाता और अंदर ही जमा हो जाता है, जिससे छोटे लाल दाने या खुजली वाले छाले हो जाते हैं।
लक्षण: छोटे, लाल, खुजली दार दाने, विशेष रूप से गर्दन, छाती, पीठ और जांघों पर

एलर्जी: उमस भरे मौसम में त्वचा अधिक संवेदनशील हो सकती है। नमी के कारण धूल के कण और पराग जैसे एलर्जेन त्वचा पर चिपक सकते हैं, जिससे एलर्जी संबंधी प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। गीले कपड़ों या प्रदूषित पानी के संपर्क में आने से भी त्वचा में जलन हो सकती है।
लक्षण: लालिमा, खुजली, सूजन और छोटे छाले

बचने के उपाय: ढीले, सूती कपड़े पहनें। अत्यधिक पसीना आने या बारिश में भीगने के बाद स्नान करें। भारी और तेलीय सौंदर्य प्रोड्क्टस से बचें। पर्याप्त मात्रा में पीना जरूरी हैं। व्यक्तिगत वस्तुएं जैसे तौलिए किसी के साथ भी साझा न करें।

RAJEEV GANDHI COLLEGE, BHOPAL
Run By Chouhan Education Society, Bhopal
(M.P. Govt. Recognised & Affiliated to Board of Secondary Education, Bhopal)
E-8-Trilanga- Colony, Shahpura, Bhopal-462039 (M.P.)
Phone No.: 0755-2561353 Website : www.rgcbhopal.org

APPOINTMENTS

Post	No.	Qualification
Principal in D.El.Ed.	01	As per NCTE/Govt. Norms
Lecturer in D.El.Ed.	06	As per NCTE/Govt. Norms

Application on plain paper are invited along with C.V. Resume, Testimonials and experience certificate to reach in the office of "Principal, Rajeev Gandhi College, Bhopal" within 7 days from the date of publication of advertisement.
Secretary

गर्मी में ऐसे बेहतर बन रहेंगे एसी और फ्रिज

गर्मी के मौसम में एसी और फ्रिज का सही उपयोग और देखभाल जरूरी है। नियमित सफाई, सही तापमान सेटिंग और सर्विसिंग जैसे छोटे-छोटे कदम से बेहतर कूलिंग, कम बिजली खर्च के साथ मशीन को लंबी लाइफ की मिलती है। जानें कैसे गर्मी में एसी-फ्रिज देखभाल कर सकते हैं...

गर्मी का मौसम आते ही घरों में एसी और फ्रिज की जरूरत होती है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के चलते इन दोनों उपकरण की अहमियत बढ़ जाती है। एसी ठंडक और आराम देता है, वहीं फ्रिज भोजन को खराब होने से बचाता है, लेकिन लगातार उपयोग और सही देखभाल नहीं होने से परफार्मेंस प्रभावित होती है। अगर सफाई और मेंटिनेंस न किया जाए तो न केवल कूलिंग कम होती है, बल्कि बिजली का बिल भी बढ़ जाता है और मशीन भी जल्दी खराब हो सकती है।

गर्मी से पहले एसी को कैसे तैयार करें: एयर फिल्टर साफ होना बेहद जरूरी है। फिल्टर धूल जमने से एयरफ्लो कम हो जाता है, जिससे कूलिंग कम होती है और कंप्रेसर पर दबाव पड़ता है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर साफ करना जरूरी है। इवैपोरेटर और कंडेंसर काइल्स की सफाई भी जरूरी है, क्योंकि यही हीट एक्सचेंज का काम करते हैं। एसी के फैन मोटर और काइल्स की नियमित जांच बहुत जरूरी है। मोटर में अगर धूल जमा हो जाए या लुब्रिकेशन की कमी हो तो यह आवाज करने लगती है या ठीक से काम नहीं करती है। हल्के मशीन आयल से मोटर के मूविंग पार्ट्स को लुब्रिकेट करने से लाइफ बढ़ती है। वहीं रेफ्रिजरेंट गैस का सही लेवल भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर गैस कम हो जाए तो एसी सही से कूलिंग नहीं करेगा और कंप्रेसर पर असर पड़ेगा। इसलिए समय- समय पर सर्विसिंग करवाना भी जरूरी है।

तापमान सेटिंग भी सही होनी चाहिए। आमतौर पर 24 से 26 डिग्री सेल्सियस सबसे आदर्श माना जाता है, क्योंकि इससे भी होती है। आराम भी मिलता है और बिजली की बचत इंडोर यूनिट और वेंट्स की सफाई आउटडोर और इंडोर दोनों ही यूनिट की सफाई महत्वपूर्ण है। समय के साथ इसमें धूल जमा हो जाती है, जिससे एयरफ्लो कम हो जाता है। कपड़े से इसे साफ करें और वेंट्स में जमी धूल को वैक्यूम की मदद से हटाएं। साथ ही, ध्यान रखें कि फर्नीचर या पर्दे वेंट्स के सामने न हों, क्योंकि इससे ठंडी हवा का प्रवाह बाधित होता है।

एसी की सेटिंग्स और स्मार्ट कंट्रोल: सीजन शुरू करने से पहले थर्मोस्टेट की सेटिंग्स जरूर चेक करें।

तापमान 24 - 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखें और फैन मोड को आटो पर सेट करें। इससे कूलिंग भी संतुलित रहती है और बिजली की बचत भी होती है। अगर संभव हो, तो स्मार्ट थर्मोस्टेट का उपयोग करें, जिससे आप मोबाइल से भी एसी को कंट्रोल कर सकते हैं और कूलिंग शेड्यूल सेट कर सकते हैं।

नियमित मेंटिनेंस और प्रोफेशनल सर्विस : हालांकि आप घर पर बेसिक मेंटिनेंस कर सकते हैं, लेकिन साल में कम से कम एक बार प्रोफेशनल सर्विस जरूर करवाएं। तकनीशियन गैस लेवल, वोल्टेज, कंप्रेसर और अन्य पार्ट्स की गहराई से जांच करते हैं, जिससे संभावित खराबी पहले ही पकड़ में आ जाती है। यह एक छोटा निवेश है, जो आपको बड़े खर्च और परेशानी से बचा सकता है। सुरक्षा और हीट प्रोटेक्शन गर्मी में हीट स्टोक और समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में एसी का सही उपयोग और घर की तैयारी जरूरी है। खिड़कियों और दरवाजों को अच्छी तरह सील करें, ताकि ठंडी हवा बाहर न जाए।

टेक सिक्योरिटी

क्या आपको भी है फोन पर शक !

जब आप गहरी नींद में होते हैं तो भी स्मार्टफोन डाटा को सेंड और रिसीव करने, सिक्योरिटी पैचेज जांचने और सिस्टम सेटिंग को सिंक करने जैसे कार्यों में जुटा होता है। ऐसे में अगर आपकी बातचीत को सुनकर यह एड भी दिखाने लगे, तो चिंता स्वाभाविक है। इसमें कितनी है सच्चाई, अपने डाटा को कैसे कर सकते हैं सुरक्षित, बता रहे हैं ब्रह्मानंद मिश्र...

अक्सर आपने गौर किया होगा कि किसी सामान या गैजेट के बारे में आप किसी से चर्चा करते हैं तो कुछ ही देर बाद उससे संबंधित ढेर सारे विज्ञापन आपको दिखने लगते हैं। इससे यह शक होता है कि फोन कहीं हमारी बातों को सुन तो नहीं रहा है। हालांकि, पक्के तौर पर इस बात के सबूत नहीं हैं और न इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इसे स्वीकार करते हैं। फिर भी यह सवाल तो है कि विज्ञापन इतने सटीक क्यों दिखते हैं? दरअसल, आपको विज्ञापन दिखाने के लिए फोन के माइक्रोफोन की जरूरत नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक आपकी निजी जानकारियां प्लेटफार्म के पास पहले से ही मौजूद होती हैं। यहां तक कि आपकी जरूरतें क्या हैं और आपको किन चीजों की तलाश हो सकती है। हालांकि, कई सारे एप्स को दी गई अनावश्यक परमिशन और कुछ फेक एप्स द्वारा डाटा में सेंध ऐसे जोखिम को बढ़ा भी सकते हैं। बीते दो दशकों के स्मार्टफोन के इस दौर में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी हर छोटे-बड़े कार्य के लिए फोन पर निर्भर हो चुकी है। अब तो प्रांप्ट और अलर्ट्स के जरिये फोन के साथ हमारा रिश्ता चौबीसो घंटे बना रहता है। इंटरनेट मीडिया पोस्टिंग से लेकर अमेजन पर खरीदारी, गूगल सर्च से लेकर चैटजीपीटी की क्वेरी तक, तकनीक हमें बहुत करीब से जान चुकी है। ऐसे में विज्ञापन दिखना कोई असहज करने वाली बात नहीं है। फिर भी, जब लगता है कि फोन हमें सुन रहा है, तो असहजता होती है कि तकनीक ने अब सीमाएं लांघ दी हैं। एडवर्टाइजर कैसे हमारी दिलचस्पी का सटीक अंदाजा लगाते हैं, इसमें कोई जादू नहीं, सांख्यिकी का कमाल है। वे हमारे हर बर्ताव पर नजर रखते हैं, इसके लिए उन्हें माइक्रोफोन पर कान लगाने की जरूरत नहीं है।

कैसे दिखने लगते हैं संदिग्ध एड

एड टारगेटिंग अलग-अलग सोर्स से जुटाए गए व्यापक डाटा सेट पर निर्भर होती है। इसमें लोकेशन हिस्ट्री से लेकर ब्राउजिंग आदतों, एप्स के प्रयोग, खरीदारी आदतें कांटैक्ट लिस्ट और इंटरनेट मीडिया बर्ताव आदि शामिल होता है। इन डाटा को बिहैवियर प्रोफाइल के अंतर्गत एकत्र किया जाता है, जिससे आपके इंटरेस्ट का सटीक अनुमान लगता है। कई बार यह आपकी हालिया बातचीत से मेल खा जाता है। ज्यादातर मामलों में एडवर्टाइजर यह चिह्नित कर लेते हैं कि आप ऐसे व्यक्ति के आसपास हैं, जिसने किसी खास प्रोडक्ट को सर्च किया है। इससे क्रास डिवाइस एड ट्रिगर हो जाते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप दोस्त के घर गए, किसी पुस्तक के बारे में चर्चा की और आपको इसका एड दिखने लगा। इसका कारण यह भी हो सकता है कि आपके दोस्त ने उस पुस्तक को सर्च किया हो या आनलाइन कहीं इसका जिक्र किया हो।

अगर आपने किसी एप को थर्ड पार्टी के साथ डाटा शेयरिंग की अनुमति दी है, तो हो सकता है कि उनमें एड नेटवर्क भी शामिल हों।

कैसे काम करती है यह प्रक्रिया

इस पूरी प्रक्रिया में चार बड़े प्लेयर होते हैं- प्लेटफार्म, एडवर्टाइजर, आइडेंटिटी प्रोवाइडर और डाटा ब्रोकर इसमें प्लेटफार्म (इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक आदि) एप के अंदर आपकी एक्टिविटी जैसे आप किसे फालो करते हैं, क्या देखते हैं, क्या सेव, सर्च या टैप करते हैं, इस पर नजर रखते हैं। इन्हें आपकी लोकेशन, डिवाइस के माडल, लैंग्वेज, दिन में आपकी सक्रियता के समय की भी जानकारी होती है। इसी आधार पर आपकी रुचि का अनुमान लगाकर एड दिखाते हैं। दूसरा, एडवर्टाइजर इमेज, वीडियो, टेक्स्ट के जरिये प्रोडक्ट को प्रमोट करते हैं। ये प्लेटफार्म के साथ मिलकर सटीक यूजर तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

तीसरा, आइडेंटिटी प्रोवाइडर्स ऐसी कंपनियां होती हैं, जो आपके ईमेल, फोन नंबर, कनेक्टेड टीवी, लैपटाप, होम वाइ-फाइ के माध्यम से एडवर्टाइजर की मदद करती हैं। अंत में डाटा ब्रोकर्स इस तरह डाटा को खरीदते और पैकेज करते हैं। ये एप्स, वेबसाइट, स्टोर आदि के जरिये डाटा को जुटाते हैं। डाटा ब्रोकर्स एक बड़ी इंडस्ट्री का रूप ले चुके हैं।

एआइ का प्रिडिक्टिव पावर

अनुमान के आधार पर रिजल्ट देने की एआइ की खासियत के चलते विज्ञापन ऐसे लगने लगते हैं मानो आपके विचारों के साथ उनका तालमेल बन गया है। एआइ एल्गोरिदम आनलाइन विज्ञापन को बदल रहा है। इससे आपकी खरीदारी और जरूरतों का अंदाजा लगाना आसान हो गया है। इससे लाखों-करोड़ों यूजर्स के बीच से ऐसे पैटर्न को ढूंढ़ निकालते हैं जिनके शौक और आदतें आपसे मिलती-जुलती हैं। मान लें, कोई यूजर आपकी तरह खरीदारी करता है, तो संभव है कि उसके द्वारा हाल में खरीदे गए प्रोडक्ट आपको भी दिखने लगें, भले ही आपने उसे कभी सर्च न किया हो। इससे भी लगता है कि मानो हर पल फोन आपकी बातों को सुन रहे हैं।

इन तरीकों से कर सकते हैं प्राइवेसी बेहतर

केवल वेरिफाइड एप्स का प्रयोग : अनाधिकारिक सोर्स वाले एप्स फोन के रेगुलर सिक्योरिटी प्रोटोकाल को बाइपास कर सकते हैं, इनमें छिपे हुए मालवेयर फोन के कैमरे या माइक्रोफोन का एक्सेस ले सकते हैं। इसलिए, थर्ड पार्टी एप स्टोर या साइडलोडिंग से बचना चाहिए। एप्स के रिव्यूज के बारे में अवश्य जानना चाहिए।

अनावश्यक परमिशन न दें : कई सारे एप्स जरूरत नहीं होने पर भी माइक्रोफोन, कैमरा, लोकेशन आदि की परमिशन मांगते हैं। किसी भी एप को परमिशन देने से पहले उसकी जरूरतें जाननी चाहिए। एंड्रायड और आइओएस दोनों में ही प्राइवेसी सेटिंग में जाकर परमिशन मैनेज करने का विकल्प होता है।

साफ्टवेयर और एप्स रखें अपडेट : आउटडेटेड साफ्टवेयर में सेंध की आशंका अधिक होती है। एप के अपडेट होने से सुरक्षा सुनिश्चित होती है और कैमरा या माइक्रोफोन के अनधिकृत एक्सेस की आशंका कम रहती है। आटोमेटिक अपडेट को एनेबल करना चाहिए, जिससे नए पैचेज की सुरक्षा मिलती रहेगी।

वाइस असिस्टेंट रिकार्ड को डिलीट करें: ट्रेनिंग या रिव्यू के लिए वाइस असिस्टेंट पर पुरानी रिकार्डिंग का प्रयोग किया जा सकता है। इसे अकाउंट सेटिंग में जाकर मैनुअली डिलीट किया जा सकता है। इससे निजी डाटा के कंपनी के क्लाउड में बने रहने की आशंका नहीं रहेगी। हालांकि, मेटा जैसी कुछ कंपनियां डाटा की कापी सुरक्षित रखती हैं।

जरूरत नहीं होने पर माइक्रोफोन बंद कर दें : अगर वाइस फीचर का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। तो सिस्टम सेटिंग या एप स्पेसिफिक कंट्रोल से माइक्रोफोन एक्सेस को डिसेबल कर देना चाहिए।

ऐसे खाली करें मोबाइल

टेक टिप्स

लैपटाप में स्टोरेज मोबाइल और लैपटाप में स्टोरेज खाली करने के लिए आप कुछ आसान कमांड और ट्रिक्स उपयोग कर सकते हैं। विंडोज लैपटाप में रन(Win + R) खोलकर 'temp' और prefetch टाइप करके टेंपरेरी फाइल्स डिलीट कर सकते हैं। साथ ही, cleanmgr कमांड से डिस्क क्लीनअप चलाकर कैशे और जंक फाइल्स डिलीट कर सकते हैं। वहीं आप स्टोरेज सेंस आन करते हैं तो फिर सिस्टम अपने आप भी क्लीनिंग करता रहता है। एंड्रायड की बात करें तो मोबाइल में सेटिंग्स में जाकर एप्स का कैशे क्लियर कर सकते हैं, वहीं जरूरत न होने वाले एप्स को अनइंस्टाल कर भी स्टोरेज बचा सकते हैं। इसके अलावा, आप फाइल्स बाय गूगल से जंक और डुप्लीकेट फाइल्स साफ कर सकते हैं। इसके अलावा, डाउनलोड्स, स्क्रीन रिकार्डिंग और पुराने फोटो-वीडियो डिलीट करके आप जल्दी स्टोरेज खाली कर सकते हैं।

वाट्सएप में न्वाइज कैंसिलेशन

वाट्सएप पर कालिंग के दौरान बैकग्राउंड में होने वाले शोर की समस्या से मुक्ति मिलने जा रही है। दरअसल, वाट्सएप ने चुनिंदा बीटा यूजर्स के लिए वाइस और वीडियो काल के दौरान न्वाइज के कैंसिलेशन फीचर की शुरुआत की है। जल्द ही अन्य यूजर्स के लिए इसे उपलब्ध कराया जाएगा। यह फीचर रियल टाइम में ट्रैफिक, हवा या बैकग्राउंडमें होने वाले शोरगुल को चिह्नित कर उसे फिल्टर कर देगा। इससे दूसरी ओर बात करने वाले व्यक्ति को स्पष्ट आवाज सुनाई देगी। एनेबल होने पर फीचर स्वतः ही एक्टिव हो जाएगा, कालिंग के दौरान अतिरिक्त सेटअप करने की जरूरत नहीं होगी। फीचर उपलब्ध होने के बाद यूजर काल सेटिंग मीनू में जाकर इसे एनेबल या डिसेबल कर सकेंगे।

राजधानी

40 लाख डॉलर का झांसा देकर ऐंठे 6.53 लाख

जागरण, भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से साढ़े 6 लाख की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने 40 लाख डॉलर देने का लालच देकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 64 वर्षीय सुनीता गुप्ता पति सुरेश करोंद स्थित न्यू चौकसे नगर में रहती है। वह गृहणी हैं और उनके पति सरकारी विभाग से रिटायर्ड हैं। 21 दिसंबर 25 को अननोन नंबर पर महिला को कॉल आता है। इस दौरान आरोपियों ने महिला को डॉलर और रकम दोगुनी करने का लालच दिया। आरोपियों ने महिला से कहा कि अगर वह 20 हजार रुपए ट्रांसफर करेंगी, तो वह बदले में 40 हजार रुपए देंगे। इसके बाद वे उन्हें 40 लाख डॉलर दिलाने का झांसा भी दिया गया। आरोपियों की बातों में आकर महिला अलग-अलग खातों में लगातार रकम ट्रांसफर करती रही। पैसे और डॉलर नहीं मिलने पर महिला को ठगी होने का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत की। घटना स्थल निशातपुरा थाना का होने के चलते पुलिस ई-जीरो पर एफआईआर दर्ज की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर रिटायर्ड बैंक कर्मी के खाते से उड़ाए 5.44 लाख

जागरण, भोपाल। मिसरोद इलाके में एसबीआई पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर रिटायर्ड बैंक कर्मी से साढ़े 5 लाख की ठगी हो गई। आरोपियों ने लिंक भेजकर मोबाइल हैक कर उनके खाते से रकम निकाल ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 67 वर्षीय विश्वनाथ सिंह तोमर इंडस टाउन में रहते है। वह भारतीय स्टेट बैंक से रिटायर्ड हैं। उनका एसबीआई पेंशन कार्ड नहीं बना था। इसी संबंध में उन्होंने बुधवार शाम को फेसबुक पर जानकारी सर्च की थी। इस दौरान उन्हें एक मैसेज मिला, जिसमें पेंशन कार्ड बनवाने की बात कही गई थी। कुछ देर बाद ठगों ने उन्हें फोन कर कहा कि आपका पेंशन कार्ड बन जाएगा। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर जरूरी दस्तावेज मांगे। दस्तावेज भेजने के कुछ देर बाद उनका मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके बाद उन्हें मोबाइल पर खाते से रकम कटने के मैसेज मिला। ठगों ने उनके खाते से कुल 5,44,912 रुपए निकाल लिए। बाद पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई।

बातों में उलझाकर बुजुर्ग महिला से उतरवाए गहने

जागरण, भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र में बदमाशों ने बुजुर्ग महिला को बातों में उलझाकर ठगी करने का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार 5.10 से 5.20 के बीच की है। आरोपियों ने महिला का विश्वास जीतकर कान के टॉप्स और मंगलसूत्र उतरवा लिया और फरार हो गए। पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 62 वर्षीय कोकिला चौहान पंचशील नगर में रहती है। वह गृहणी है। गुरुवार शाम 5 बजे वह 10 नंबर मार्केट कपड़े सिलाई के लिए देने जा रही थी। इसी दौरान ई-3 स्थित अग्रवाल अस्पताल जाने वाली रोड पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें रास्ते में रोककर बातचीत शुरू कर दी। आरोपियों ने महिला से कहा कि उनके रिश्तेदार भी उसी इलाके में रहते हैं। इसके बाद उन्होंने महिला को धार्मिक बातों में उलझाया और राम-नाम का जाप करने की बात कही। आरोपियों ने महिला से आंखें बंद कर पांच कदम चलने को कहा। आरोपियों की बातों में आकर वह आंखें बंद कर चलने लगी। इसी दौरान दोनों आरोपियों ने महिला के कान के टॉप्स और मंगलसूत्र उतरवा लिए। कुछ देर बाद में जब बुजुर्ग महिला ने आंख खोली तो दोनों आरोपी मौके से गायब थे। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही हैं।

उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाएं 23 मई तक दुरुस्त रखें, शिकायत मिली तो नाप दूंगा

टीएल बैठक में नाराज हुए संभाग आयुक्त, अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल संभाग के गेहूं उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं। कई जगहों से लगातार शिकायतों आ रही हैं। 23 मई तक उपार्जन केंद्रों पर गेहूं की खरीदी की जानी है, ऐसे में सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त की जाएं। मेरे बार बार कहने के बाद भी व्यवस्थाओं में कमी छोड़ी जा रही है। यदि व्यवस्थाएं ठीक नहीं हुईं, तो लापरवाही करने वाले अधिकारी-कर्मचारी नाप दिए जाएंगे। यह बात शुक्रवार को संभाग आयुक्त कार्यालय में आयोजित टीएल बैठक के दौरान संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने कही। संभाग आयुक्त सिंह उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं में बरती जा रही ढिलाई से नाराज थे। जिसके चलते उन्होंने अधिकारियों चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों के काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल संभागायुक्त ने इस बात पर नाराजगी जताई कि भीषण गर्मी के बावजूद कई उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए पर्याप्त पानी, शौचालय और बैठने की बुनियादी व्यवस्थाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा किसानों को स्लॉट बुकिंग में आ रही दिक्कतों को भी उन्होंने गंभीरता से लिया।

व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के सख्त निर्देश

बैठक में संभागायुक्त सिंह ने भोपाल के खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चन्द्रभान सिंह जादौन को निर्देश देते हुए कहा कि गेहूं उपार्जन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आखिर अब तक सभी केंद्रों पर किसानों के लिए जरूरी सुविधाएं क्यों सुनिश्चित नहीं की जा सकी हैं? बैठक में उन्होंने निर्देश जारी करते हुए कहा कि स्लॉट बुकिंग व परिवहन के दौरान किसानों को आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर किया जाए और अनाज के परिवहन की सुचारू व्यवस्था हो।

आंगनबाड़ियों का डेटा पोषण ट्रैकर पोर्टल पर हो दर्ज

इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। संभाग आयुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के पंजीकरण की 100 फीसदी जानकारी पोषण ट्रैकर पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने को कहा। इसके साथ ही भोपाल जिले के शहरी क्षेत्रों में स्वीकृत नवीन आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए इन्हें जल्द से जल्द शुरू करने को कहा। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर 70 या उससे अधिक उम्र के सीनियर सिटीजन को आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाकर देने को कहा। इस काम के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकायों को मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए ताकि कोई भी पात्र बुजुर्ग इस योजना से वंचित न रहे।

एमएलबी स्कूल के समर कैंप का समापन

समर कैंप में रोबोटिक्स, आर्ट व फायरलेस कुकिंग जैसी गतिविधियों की दी प्रस्तुति

जागरण, भोपाल। पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरखेड़ा भेल में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह में छात्राओं ने कैंप के दौरान सीखी गई गतिविधियों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य स्मिता मेश्राम, पीएम श्री प्रभारी डॉ. जितेंद्र पाल सिंह चौहान और पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा हुई। डॉ. जितेंद्र पाल सिंह चौहान ने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य छात्राओं की छिपी प्रतिभाओं को मंच देना है। कार्यक्रम में डी.सी. मोडक, राकेश राजोरिया, यशवंत भुआर्या, स्वाति वर्मा सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहे। कैंप में छात्राओं को छात्राओं को आर्ट एंड क्राफ्ट, पेंटिंग, पारंपरिक खेल, लोकनृत्य, कंप्यूटर प्रशिक्षण, रोबोटिक्स और रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। जिसके बाद छात्राओं ने नृत्य, नाट्य मंचन और रोबोटिक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा दिखाई। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं और शिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

पारंपरिक हस्तकला, साडियां, गृह सज्जा और फूड वैरायटी बने आकर्षण का केंद्र

सितारा प्रदर्शनी: पारंपरिक कला और आधुनिक लाइफस्टाइल का संगम बनी 'सितारा प्रदर्शनी'

जागरण, भोपाल। राजधानी के ऐतिहासिक गौहर महल में शुक्रवार से पांच दिवसीय 'सितारा प्रदर्शनी' का शुभारंभ हुआ। 19 मई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में देशभर से आए 75 शिल्पी और कारीगर अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। महल परिसर रंग-बिरंगी कलात्मक वस्तुओं, पारंपरिक परिधानों और लोक शिल्प से सजा नजर आ रहा है। प्रदर्शनी में सिल्क बनारसी साड़ियां, बाग प्रिंट, चंदेरी, कोटा डोरिया, भागलपुरी सिल्क शॉल, असम की पारंपरिक कला, कारपेट, क्रोकरी, फर्नीचर और गृह सच्जा से जुड़े कई आकर्षक उत्पाद लोगों को पसंद आ रहे हैं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिला शिल्पकारों और गृह आधारित उद्यमियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने हुनर का प्रदर्शन कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। प्रदर्शनी संयोजक संजना राजपूत ने बताया कि दीवान-ए-आम में 35, दीवान-ए-खास में 25 और बहिरंग परिसर में 15 शिल्पी अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। हस्तशिल्प के साथ विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजन भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। परिवारों, युवाओं और कला प्रेमियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी से गौहर महल का वातावरण उत्सवमय बना हुआ है।

मंडी बोर्ड में अब सभी बैठकें होंगी आनलाइन

जागरण, भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने पेट्रोल-डीजल और संसाधनों की बचत को देखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक ने अब बोर्ड में होने वाली सभी बैठकों को ऑनलाइन मोड पर आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही यह प्रदेश का पहला सरकारी विभाग बन गया है जिसने बैठकों और विभागीय कार्यवाही को पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित करने का फैसला लिया है। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने सभी मंडियों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि भोपाल स्थित मंडी बोर्ड कार्यालय में आयोजित होने वाली सभी बैठकें अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होंगी। वैश्विक स्तर पर पेट्रोल और डीजल संकट के चलते फिजिकल बैठकों को फिलहाल स्थगित किया गया है। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल मीटिंग और सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग की अपील तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अपने काफिले के वाहन कम किए जाने के बाद लिया गया है। मंडी बोर्ड प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि विभागीय जांच, शिकायत प्रकरण और अन्य मामलों में पेशी के लिए अब अधिकारियों और कर्मचारियों को भोपाल नहीं बुलाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मेंटेनेंस कार्य के चलते शहर के कई इलाकों में आज गुल रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में आज लाइन मेंटेनेंस, लाइन शिफ्टिंग और नए डीटीआर (ट्रांसफार्मर) लगाने का काम किया जाएगा। इस वजह से शहर के दर्जनों इलाकों में दो से लेकर छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज सबसे पहले जीएडी चौराहा, मेयो हॉस्पिटल, झिरनो का मंदिर, ताजुल मसाजिद, जीपीओ और एलबीएस हॉस्पिटल के आस-पास सुबह 7 से 9 बजे तक और मालीखेड़ी, शबरी नगर, पिपलिया बाज खां, विजय नगर, पटेल नगर, शुक्ला फार्म हाउस, विजय मार्केट व बिहारी बस्ती समेत आसपास सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक, 11 मील स्थित आईपीएस स्कूल, शीतल हाइट, साईं पार्क, कौशल नगर, निर्मल एस्टेट, एक्सेल एस्टेट, फॉर्च्यून, सौम्या हेरिटेज, झरनेश्वर, मधुवन विहार, 11 मील, दीप मोहिनी और ड्रीम लैंड कॉलोनी व आसपास सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक, वहीं पुतलीघर, इंद्रा नगर, न्यू राजीव नगर, वसुंधरा कॉलोनी, टीला जमालपुरा, पीएंडटी कॉलोनी और हाउसिंग बोर्ड टीला में सुबह 10 से 2 बजे तक, बैरागढ़ स्थित आरा मशीन रोड, मछली बाजार, गिडवानी पार्क, चंचल चौराहा, मिनी मार्केट और इलाहाबाद बैंक के आस-पास सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक, वायरलेस कॉलोनी, रीजनल कॉलेज, अंसल भवन और नादिर कॉलोनी में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तकऔर बागसेवनिया, जाटखेड़ी, बागमुगालिया नई बस्ती, प्रतीक गार्डन, बावड़िया कलां, विष्णु हाईटेक सिटी, सौमित्र विहार, वरुण सोसायटी, हिमालय सोसायटी, बसंत कुंज कॉलोनी, लक्ष्मण नगर, भारत नगर और लव डेल स्कूल के आस-पास सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी।

पत्रकार कॉलोनी में 11.50 लाख की चोरी का अब तक नहीं हुआ खुलासा

जागरण, भोपाल। टीटी नगर स्थित पत्रकार कॉलोनी में हुई लाखों की चोरी का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। घटना के करीब तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। पीड़ित परिवार लगातार पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहा है। जानकारी के अनुसार 22 अप्रैल को न्यू मार्केट में चप्पल और आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान संचालित करने वाले व्यापारी अजय सिंह परिहार के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया था। चोर घर से सोने की चेन, अंगूठी, छत्र समेत घर खरीदने के लिए रखे गए करीब 9 लाख रुपए नकद और सोने के जेवरात चोरी कर फरार हो गए थे। चोरी गई कुल संपत्ति की कीमत करीब 11.50 लाख रुपए बताई गई थी। घटना वाले दिन अजय दोपहर 12 बजे घर पर ताला लगाकर दुकान चले गए थे। रात करीब 11.30 बजे जब वह वापस लौटे तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला। चोर घर के पीछे के रास्ते से अंदर घुसे थे। घटना के बाद टीटी नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले, लेकिन अब तक आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है।

गांव में ही रोजगार देने कालापानी में नीलाम की गईं 20 शासकीय दुकानें

जागरण संवाददाता, भोपाल। फंदा जनपद की ग्राम पंचायत कालापानी में शुक्रवार को 20 शासकीय दुकानों की खुली नीलामी आयोजित की गई। जनपद पंचायत फंदा की सीईओ शिवानी मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई नीलामी में लॉटरी और आरक्षण नियमों का पालन करते हुए प्रक्रिया पूरी की गई। दरअसल ग्रामीण क्षेत्र में परिवारों व युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही स्थाई रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दुकानों का निर्माण शासकीय भूमि पर कराया जा रहा है। जिसके चलते नीलामी आयोजित करवाकर दुकानों का आवंटन करवा दिया गया। नीलाम की गई दुकानों में 6 दुकानें अनारक्षित वर्ग के लिए, 6 दुकानें अनुसूचित जनजाति के लिए, 3 दुकानें पिछड़ा वर्ग के लिए, 2 दुकानें अनुसूचित जाति के लिए, 2 दुकानें विधवा या तलाकशुदा महिला के लिए और 1 दुकान शिक्षित बेरोजगार के लिए आरक्षित की गई है। वहीं आरक्षण के आधार पर ही सभी दुकानों की नीलामी करवा दी गई। नीलामी के दौरान भूतल की 16 दुकानों के लिए सरकारी बेस प्राइज 10 लाख रुपए और प्रथम तल की 4 दुकानों के लिए 7.50 लाख रुपए बेस निर्धारित किया गया था। बोली के दौरान कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित दुकान नंबर-3 को संदीप पाल ने सबसे ऊंची 15 लाख 62 हजार रुपए की बोली लगाकर अपने नाम किया।

मानसरोवर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई 12वीं में लहराया परचम

भोपाल। कोलार रोड स्थित मानसरोवर पब्लिक स्कूल ने वर्ष 2026 की कक्षा 12वीं की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। विद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष के परिणामों में सिद्धि आनंद चौरसिया (ह्यूमैनिटीज) ने 94.8 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। विपुल स्वर्णकार (मैथ्स) ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया। आर्जव जैन (मैथ्स) ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। आदित्य धुसिया (बायोलॉजी) ने 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने संकाय में अग्रणी रहे। शुभांगी तिवारी (कॉमर्स) ने 86 प्रतिशत अंकों के साथ कॉमर्स संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मानसरोवर पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सोजन जोसफ ने इस उपलब्धि हेतु सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

युवक ने खाया जहर, मौत

जागरण, भोपाल। बैरागढ़ जहर खाने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। 26 वर्षीय योगेश मेवाड़ा मूल रूप से काला पीपल का रहने वाला था। वर्तमान में वह फाटक रोड बैरागढ़ इलाके में किराए से रहता था। और एक कपड़े की दुकान पर काम करता था। दो दिन पहले उसे बेहोशी की हालत में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में मौत का कारण जहरीला पदार्थ खाना बताया है।

एलएचबी कोच के साथ चलेगी श्रीधाम, आरामदायक होगा सफर

30 व 31 मई से लागू होगी सुविधा

नगर संवाददाता, भोपाल। भारतीय रेलवे ने श्रीधाम एक्सप्रेस को एलएचबी कोच के साथ चलाने का निर्णय लिया है। अब तक जबलपुर-निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस पुराने आइसीएफ कोच के साथ चल रही थी। लेकिन अब 30 मई से ट्रेन आधुनिक एलएचबी रैक के साथ संचालित होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार एलएचबी कोच लगने के बाद ट्रेन की रनिंग स्पीड और स्थिरता बेहतर होगी, जिससे भोपाल से दिल्ली का सफर आरामदायक होने वाला है। नई एलएचबी रैक में कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। इनमें एक एसी फर्स्ट क्लास, दो एसी सेकंड क्लास, पांच एसी थर्ड क्लास, एक एसी थर्ड इकोनॉमी, सात स्लीपर कोच, चार जनरल कोच, एक एसएलआरडी और एक जनरेटर कार शामिल रहेगी। इन कोचों में कुल 1128 आरक्षित बर्थ उपलब्ध होंगी। इससे भोपाल से दिल्ली जाने वाले ज्यादा यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी। त्योहार, गर्मी की छुट्टियों और वीकेंड के दौरान लंबी वेटिंग की समस्या भी कम हो सकती है।

कोच के फायदे: एलएचबी कोच जर्मन तकनीक पर आधारित आधुनिक रेल कोच होते हैं। ये पुराने आईसीएफ कोच की तुलना में हल्के, ज्यादा सुरक्षित और हाई स्पीड के लिए डिजाइन किए गए हैं। इन कोचों में झटके कम लगते हैं, आवाज कम आती है और तेज गति पर भी ट्रेन ज्यादा स्थिर रहती है। अधिकारियों के अनुसार एलएचबी कोच में आधुनिक डिस्क ब्रेक सिस्टम होता है, जिससे ट्रेन तेजी से गति पकड़ती है और बेहतर तरीके से रुकती भी है। यही कारण है कि ट्रेनों की औसत गति बढ़ने से यात्रा समय में कमी आती है।

एलएचबी कोच में परिवर्तित

- गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस में 30 मई
- गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस में 31 मई से।

विशाखापट्टनम व निजामुद्दीन के बीच समर स्पेशल ट्रेन

नगर संवाददाता, भोपाल। समर हॉलीडे के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ एवं अतिरिक्त यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में रानी कमलापति होकर ट्रेन संख्या 08513/08514 विशाखापट्टनम-हजरतनिजामुद्दीन-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन तथा 08515/08516 विशाखापट्टनम-फरीदाबाद-विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। ये विशेष ट्रेनें पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के रानी कमलापति स्टेशन से होकर संचालित होंगी, जिससे भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी। इन विशेष ट्रेनों के संचालन से मध्य भारत एवं उत्तर भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्राप्त होगी तथा ग्रीष्मकालीन अवधि में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी।

आरकेएमपी पर रात 10:20 बजे पहुंचेगी

- ट्रेन संख्या 08513 विशाखापट्टनम से हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन 21 मई को विशाखापट्टनम से प्रस्थान कर 23 मई को हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति स्टेशन पर रात 10:20 बजे पहुंचेगी तथा 10:25 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 08514 हजरत निजामुद्दीन से विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन 24 मई को हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान कर 26 मई को विशाखापट्टनम पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर दोपहर 2:10 बजे पहुंचेगी तथा 2:15 बजे प्रस्थान करेगी।

ठहराव स्टेशन: दुव्वाडा, अन्नकापल्ले, तुनी, राजमुंदरी, बल्लारशाह, नागपुर, रानी कमलापति, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, आगरा कैंट।

- ट्रेन संख्या 08515 विशाखापट्टनम से फरीदाबाद विशेष ट्रेन 21 मई को विशाखापट्टनम से प्रस्थान कर 23 मई को फरीदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर दोपहर 3:45 बजे पहुंचेगी तथा 3:50 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 08516 फरीदाबाद से विशाखापट्टनम विशेष ट्रेन 25 मई को फरीदाबाद से प्रस्थान कर 27 मई को विशाखापट्टनम पहुंचेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर दोपहर 3:5 बजे पहुंचेगी तथा 3:10 बजे प्रस्थान करेगी।

ठहराव स्टेशन: आर्कू, कोरापुट, रायपुर, दुर्ग, नागपुर, रानी कमलापति, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, आगरा कैंट।

सरपंच के विरोध से कान्हासैया में नहीं हो सकी अर्जुन नगर वासियों की शिफ्टिंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। अयोध्या बायपास चौड़ीकरण के लिए हटाई गई अर्जुन नगर बस्ती के 38 परिवारों की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इन सभी परिवारों का कहना है कि प्रशासन द्वारा बिना बुनियादी सुविधाओं के बिना ही इन्हें 25 किमी दूर लालपुरा गांव शिफ्ट कर दिया गया है। जिसके कारण यह सभी परिवार कड़कड़ाती धूप और भीषण गर्मी के बीच खुले आसमान के नीचे सड़क किनारे रहने को मजबूर हैं। बता दें कि रविवार को प्रशासन ने अयोध्या बायपास चौड़ीकरण की राह में आ रही अर्जुन नगर बस्ती को जमींदोज कर दिया था। अर्जुन नगर वासियों के अनुसार लालपुरा में न पीने का पानी है और न ही सिर छुपाने की जगह। शिफ्टिंग के विरोध में इन परिवारों ने कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से गुहार भी लगाई थी। कलेक्टर से गुहार लगाने के बाद पीड़ित परिवार क्षेत्रीय विधायक और मंत्री कृष्णा गौर से भी मुलाकात कर चुके हैं। मंत्री गौर के निर्देश के बाद सभी को कान्हासैया में शिफ्ट किया जा रहा था। वार्ड-67 के पार्षद मनोज विश्वकर्मा अर्जुन नगर वासियों के साथ खाली जमीन पर झुग्गी बना रहे थे, लेकिन शुक्रवार को कान्हासैया के सरपंच अंतर लोधी और स्थानीय ग्रामीणों ने शिफ्टिंग का विरोध कर बांस-बल्लियां हटा दीं और लोगों को खदेड़ दिया। जिसके बाद सभी परिवार एक बार फिर लालपुरा पहुंच गए हैं। विस्थापितों का कहना है कि अचानक दूर भेजे जाने से उनका रोजगार पूरी तरह छिन गया है। इस भीषण गर्मी में वे सड़क किनारे खुले में खाना पकाने और रहने को मजबूर हैं।

चेतक ब्रिज के पास बेशकीमती जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गईं 14 झुग्गियों को प्रशासन ने हटाया

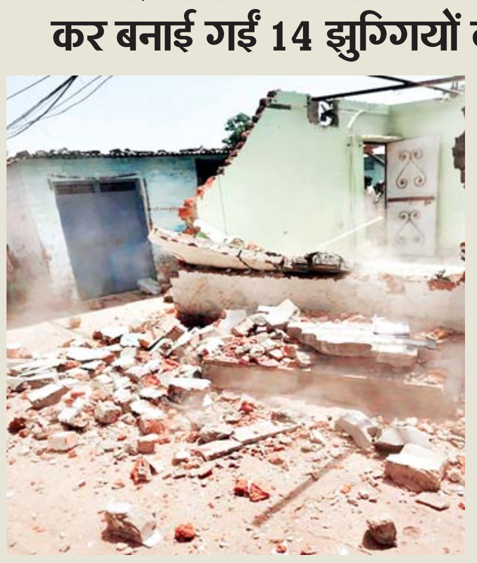

चेतक ब्रिज के पास बेशकीमती जमीन पर लंबे समय से कब्जा कर रहे लोगों को भी प्रशासन ने विस्थापित करने का काम किया है। शुक्रवार को जिला प्रशासन के अमले ने नगर निगम के अतिक्रमण अमले के साथ मिलकर इन सभी 14 झुग्गियों को हटाया। यह सभी झुग्गियां चेतक ब्रिज के पास गौतम नगर क्षेत्र में बसाई गई थीं। इन झुग्गियों में रहने वाले असामाजिक तत्व रात के समय यहां से गुजरने वाले लोगों से मारपीट भी करते थे, जिसके बाद इन्हें हटाने का काम किया गया। इन सभी 14 झुग्गी वासियों ने ईंट और सीमेंट से पक्के निर्माण कर टीन की चादरें डाल रखी थीं और प्रशासन द्वारा पूर्व में इन्हें हटाने के नोटिस भी जारी किए गए थे, जिसके बाद शुक्रवार को बुलडोजर कार्रवाई कर इन्हें हटा दिया गया।

दो हफ्ते में खोजे 2.26 करोड़ के 1021 चोरी गए मोबाइल

असली मालिकों को सौंपे, आधा दर्जन आरोपी गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी को लेकर एक बड़ा अभियान चलाया है। साइबर एनालिसिस, लोकेशन ट्रेसिंग और केंद्रीय सीईआईआर (ष्टश्वढ्डक्र) पोर्टल की मदद से पुलिस ने दो सप्ताह के भीतर ही रिकॉर्ड 1021 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी कीमत लगभग 2 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक है। बरामद किए गए सभी फोन कागजी कार्रवाई के बाद उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए हैं। इस मामले में सबसे आगे ग्वालियर पुलिस रही। वहां च्तेरा तुझको अर्पणच अभियान के जरिए साइबर सेल टीम ने 571 गुमशुदा मोबाइल फोन विभिन्न राच्यों और शहरों से रिकवर किए हैं। इनकी कीमत करीब 1 करोड़ 41 लाख रुपये है। इस दौरान कुछ फोन ऐसे भी थे, जिन्हें जागरूक नागरिकों ने खुद थाने और साइबर सेल में जमा कराया था। ऐसे नागरिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान टीम ने कई मोबाइल फोन यूपी, हरियाणा, बिहार, झारखंड और राजस्थान में जाकर खोज निकाले।

सतना और आगर मालवा में ऑपरेशन रिंगटोन: सतना पुलिस ने इस अवधि में च्ऑपरेशन रिंगटोनच के जरिए तकनीकी मदद से 29 लाख 31 हजार रुपये कीमत के 155 गुमशुदा मोबाइल फोन ट्रेस कर जब्त किए। वहीं, आगर मालवा पुलिस ने भी 15 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 81 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए।

अभियान के दौरान जबलपुर जिले की साइबर सेल टीम ने 18 लाख रुपये मूल्य के 106 गुमशुदा मोबाइल फोन जब्त किए, वहीं गुना पुलिस ने बारह लाख रुपये कीमत के 64 मोबाइल फोन ढूंढ निकाले। अभियान के दौरान बुरहानपुर की लालबाग थाना पुलिस ने एक मोबाइल शॉप में हुई चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर 3 मोबाइल, 2 टैबलेट, 1 आईपॉड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए, जबकि विदिशा में कोतवाली थाना पुलिस ने एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के 6 मोबाइल बरामद किए। इसके अलावा जीआरपी कटनी ने शातिर मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर 3 लाख 20 हजार रुपये के 10 मोबाइल, जीआरपी उच्जैन ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर 1 लाख 88 हजार रुपये के 18 मोबाइल और जीआरपी जबलपुर ने एक आरोपी से 67 हजार रुपये कीमत के 4 मोबाइल बरामद किए हैं।

एमसीयू के विद्यार्थियों ने मंचित किया व्यंग्य और हास्य से भरपूर 'अनोखा वरदान'

लोककथा के जरिए लालच, अमीरी-गरीबी और मानवीय संवेदनाओं को किया जीवंत

जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सिनेमा अध्ययन तथा विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रमीय अभ्यास के तहत मुक्ताकाश मंच पर नाटक 'अनोखा वरदान' की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। निर्वाण नाट्य समूह द्वारा मंचित इस नाटक में हास्य और चुटीले संवादों के माध्यम से समाज में व्याप्त अमीरी-गरीबी और लालच की प्रवृत्ति को रोचक अंदाज में दर्शाया गया। कहानी में भगवान श्रीगणेश एक लालची सेठ को सबक सिखाने के लिए उसका कान मंदिर से चिपका देते हैं और उसे गरीब भिखारिन की मदद करने को कहते हैं। नाटक के संवादों और अभिनय ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। भारत भवन के प्रशासनिक अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ला ने विद्यार्थियों के अभिनय, संगीत और प्रकाश संयोजन की सराहना की। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि ऐसे रचनात्मक अभ्यास विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अरेरा कॉलोनी स्थित दत्त मंदिर हॉल में अल्फांसो मैंगो फेस्टिवल शुरू

महाराष्ट्र के कोंकण के 10 किसान लाए 1500 पेटी हापुस आम, कीमत 2000 रुपये दर्जन तक

जागरण, भोपाल। अरेरा कॉलोनी स्थित दत्त मंदिर हॉल में शुक्रवार से अलफांसो (हापुस) मैंगो फेस्टिवल की शुरुआत हुई, जहां पहले ही दिन आम प्रेमियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। प्रदर्शनी में केवल प्रीमियम अलफांसो आम ही बिक्री के लिए रखे गए हैं, जिन्हें आमों का राजा माना जाता है। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में उगने वाला यह आम जीआई टैग प्राप्त है और अपनी खुशबू व स्वाद के कारण देश-विदेश में खास पहचान रखता है। आयोजक भरत साठे और च्योति साठे के अनुसार, पिछले तीन वर्षों से यह प्रदर्शनी भोपाल में लगाई जा रही है। इस वर्ष करीब 1500 पेटी हापुस आम 10 किसान परिवारों

द्वारा लाए गए हैं, जो पीढ़ियों से ऑर्गेनिक खेती कर रहे हैं। प्रदर्शनी अगले दो दिनों तक सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक जारी रहेगी। कीमत ग्रेड के अनुसार 500 से 2000 रुपये प्रति दर्जन तक तय की गई है।हापुस आम बिना केमिकल के धान की पुआल में प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है और इसका बड़ा हिस्सा विदेशों में निर्यात होता है।

डॉ. अशोक व्यास की दो पुस्तकों का लोकार्पण

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक व्यास की दो पुस्तकों-कहानी संग्रह 'उम्र की सीमा होती है' और निबंध संग्रह 'स्वप्न भंग का अनवरत सिलसिला' का लोकार्पण दुष्यंत संग्रहालय, शिवाजी नगर में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकारों, पाठकों और लेखकों की उपस्थिति रही। डॉ. अशोक व्यास ने अपनी पुस्तकों के बारे में कहा कि वे मूलतः व्यंग्यकार हैं, लेकिन हर बात व्यंग्य के माध्यम से नहीं कही जा सकती। कुछ विषयों को सीधे तौर पर अभिव्यक्त करने के लिए उन्होंने कहानी और निबंध विधा को चुना। इस दौरान उन्होंने अपनी दोनों पुस्तकों से एक-एक रचना का पाठ भी किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कथाकार मुकेश वर्मा ने कहा कि लेखक ने समकालीन विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश के निदेशक डॉ. विकास दवे ने भी पुस्तकों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र गट्टानी ने की।

भोपाल में दो दिन मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

म्यूजियम डे: संस्कृति, विज्ञान व विरासत से सजेगा शहर

जागरण, भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (18 मई) के अवसर पर राजधानी के संग्रहालय, विज्ञान केंद्र और सांस्कृतिक संस्थान दो दिनों तक विशेष आयोजनों से जीवंत नजर आएंगे। इस वर्ष की थीम 'म्यूजियम यूनाइटिंग ए डिवाइडेड वर्ल्ड' के तहत शहर में इतिहास, साहित्य, विज्ञान और विरासत को एक साथ जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बच्चों, युवाओं और परिवारों के लिए तैयार इन आयोजनों में ट्रेजर हंट, दुर्लभ प्रदर्शनी, खगोलीय गतिविधियां, इंटरएक्टिव साइंस जोन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं मुख्य आकर्षण रहेंगी।

ट्रेजर हंट, एस्ट्रो नाइट, दुर्लभ प्रदर्शनी और साहित्यिक क्विज

ट्रेजर हंट और एस्ट्रो नाइट

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 17 मई को 'खजाने की खोज' प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतिभागियों को संग्रहालय और शामला हिल्स क्षेत्र से जुड़े संकेतों के आधार पर खोज अभियान पूरा करना होगा। विजेताओं को पांच हजार रुपए तक के पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी दिन संग्रहालय की ओर से निःशुल्क एसी बसों के जरिए शहर के अन्य प्रमुख संग्रहालयों का भ्रमण भी कराया जाएगा। 18 मई की शाम संग्रहालय की पहाड़ी पर 'एस्ट्रो नाइट' कार्यक्रम होगा, जिसमें दूरबीनों के माध्यम से तारा दर्शन कराया जाएगा। इसके साथ 'अमेजिंग फिजिक्स एक्सपेरिमेंट्स', 'ट्राय योरसेल्फ जोन' और 'माय म्यूजियम एक्सपीरियंस' जैसी गतिविधियां भी होंगी।

विज्ञान और विरासत का संगम

आंचलिक विज्ञान केंद्र में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा 'खनिजों एवं शैलों की पहचान' विषय पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यहां वैज्ञानिक डिमॉन्स्ट्रेशन किट के जरिए खनिजों की पहचान और उनकी विशेषताओं की जानकारी दी जाएगी। वहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भोपाल मंडल की ओर से प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक खोजों और संरक्षण कार्यों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मुरैना के बटेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य को खास तौर पर प्रदर्शित किया जाएगा। 18 मई की शाम प्रतिभागी टेलिस्कोप से चंद्रमा, शुक्र और बृहस्पति ग्रह का अवलोकन कर सकेंगे।

साहित्य और धरोहरों की झलक

दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में 17 मई को दुर्लभ पांडुलिपियों और पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास सहित कई शौकिया संग्रहकर्ता अपनी संग्रहित धरोहरें प्रदर्शित करेंगे। 18 मई को संग्रहालय और साहित्य विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें शहर के विभिन्न संग्रहालयों की टीमें हिस्सा लेंगी। विजेता टीमों को नकद पुरस्कार और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

पटाखा फैक्ट्रियों पर सख्ती करना जरूरी

प्रदेश के देवास जिले में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। हादसे में पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यहां लंबे समय से सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए विस्फोटक सामग्री का भंडारण किया जा रहा था। कई बार शिकायतों के बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यह भी बताया जा रहा है कि छह माह पहले ही यह फैक्ट्री शुरू की गई थी। इसका निर्माण कार्य भी अभी तक पूरा नहीं हुआ था। मात्र 15 किलो विस्फोटक के लाइसेंस की आड़ मे यहाँ टनों विस्फोटक रखा गया था। जो यह साबित करता है कि फैक्ट्री प्रबंधन को नियमों को तोड़ने में कोई डर नहीं था।

दरअसल,पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाकों ने एक बार फिर सुरक्षा में बरती जा रही लापरवाही को उजागर किया है। ये घटनाएं बताती हैं कि पटाखा बनाने वाली जगहों पर सुरक्षा के नियमों का पालन ठीक से नहीं हो रहा है। ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार हो रही हैं, जो चिंता का विषय है। यह दिखाता है कि इन फैक्ट्रियों में काम करने वालों की जान को खतरा है। सुरक्षा के इंतजामों में कमी के कारण ही ये हादसे होते हैं। पटाखा फैक्ट्रियों में सुरक्षा की घोर लापरवाही के कारण लगातार धमाके हो रहे हैं। इन हादसों में कई लोगों की जान जा चुकी है। खराब सुरक्षा इंतजाम और अप्रशिक्षित मजदूरों का इस्तेमाल इन त्रासदियों का मुख्य कारण है। स्थानीय पटाखों की भारी मांग के चलते छोटी-बड़ी फैक्ट्रियां बढ़ रही हैं।

पटाखों की फैक्ट्रियों में लगातार हो रहे हादसों से यह साफ है कि पिछली त्रासदियों से कोई सबक नहीं लिया गया है। ये फैक्ट्रियां, चाहे कानूनी हों या गैर-कानूनी, हर साल खुलती रहती हैं और अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं की वजह बनती हैं। ज्यादातर मामलों में, खराब सुरक्षा इंतजाम और बिना ट्रेनिंग वाले मजदूरों का इस्तेमाल ही इन हादसों का कारण बनता है।

यहां उल्लेखनीय है कि इसी साल प्रदेश के ही हरदा और देवास की पटाखा फैक्ट्रियों के साथ ही देश की कई अन्य फैक्ट्रियों में हादसे हुए। इन हादसों में कई मजदूरों की जाने जा चुकी हैं। आंध्रप्रदेश के अनाकापल्ली जिले में स्थित विजयलक्ष्मी गणेश फायरवर्क्स में 10 लोगों की जान चली गई। हाल ही में, 8 अक्टूबर को, डॉ बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के वी सवरम में श्री गणपति ग्रैंड फायरवर्क्स में हुए धमाके में आठ लोगों की मौत हो गई। पिछले सात सालों में, कानूनी और गैर-कानूनी फैक्ट्रियों में ऐसे 28 से ज्यादा धमाके हुए हैं, जिनमें 70 से ज्यादा लोगों की जान गई है। फायर सर्विस और पुलिस विभाग के अधिकारी बताते हैं कि इन हादसों की मुख्य वजह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होना और बिना हुनर वाले मजदूरों का काम करना है। अक्सर, ढीले तारों से शॉर्ट सर्किट होने या लापरवाही की वजह से आग लग जाती है। इसके बाद, गर्मी लगने या गलत तरीके से संभालने पर रखे हुए पटाखे फट जाते हैं।

दरअसल, स्थानीय पटाखे, जो शिवकाशी के पटाखों से ज्यादा तेज आवाज और चमकदार होते हैं, उनकी भारी मांग है। खासकर देवी-देवताओं के त्योहारों, शादियों और राजनीतिक रैलियों के लिए लोग इन्हें खूब खरीदते हैं। इसी मांग के चलते छोटी-बड़ी फैक्ट्रियां लगातार बढ़ रही हैं। बार-बार छापेमारी के बावजूद, गैर-कानूनी फैक्ट्रियां बंद नहीं हो रही हैं। अधिकारी बताते हैं कि कई फैक्ट्रियों के मालिक, चाहे उनके पास लाइसेंस हो या न हो, खर्चा कम करने के लिए बिना ट्रेनिंग वाले मजदूरों को काम पर रखते हैं। वे इस बात पर जोर देते हैं कि नए मजदूरों को सही ट्रेनिंग और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना बहुत जरूरी है। लेकिन इस तरफ लगातार अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण बार-बार ऐसी दुखद घटनाएं हो रही हैं। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। लोगों को सुरक्षित रखने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। फैक्ट्री मालिकों को सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करवाना चाहिए। सरकार को भी इन फैक्ट्रियों की जांच करनी चाहिए। ताकि ऐसी दुखद घटनाएं दोबारा न हों।

प्रसंगवश

गंभीरता से लें सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण को

सर्वाइकल कैंसर, यानि गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर, महिलाओं में होने वाले सबसे खतरनाक कैंसरों में से एक है। यह कैंसर मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) के कारण होता है, जो यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है। इस वायरस के कुछ प्रकार कैंसर का कारण बन सकते हैं, जो अगर समय रहते पता न चले और इलाज न किया जाए, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। इसी वजह से सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन महिलाओं के लिए बेहद जरूरी हो जाती है। यह वैक्सीन HPV वायरस के संक्रमण को रोकने में मदद करती है और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खतरे को कम करती है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए चल रहा टीकाकरण अभियान भारत को उन मुट्ठी भर देशों में रखता है जो अपने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों में एचपीवी वैक्सीन को शामिल करते हैं। लक्षित आउटरीच भारत में सर्वाइकल कैंसर के मामलों को कम कर सकती है

द लांसेट में एक मॉडलिंग अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि अगर भारत एचपीवी टीकाकरण पर डब्ल्यूएचओ के लक्ष्यों को प्राप्त कर लेता है तो अगली सदी में 10 मिलियन से अधिक सर्वाइकल कैंसर के मामलों को रोका जा सकता है – 90 प्रतिशत लड़कियों को 15 साल की उम्र तक टीका लगाया जाना चाहिए; 70 प्रतिशत महिलाओं की जांच 30 वर्ष और उससे अधिक उम्र में की जानी है; और 90 प्रतिशत रोगियों को उपचार प्राप्त होगा।

उस संभावना का पैमाना असाधारण है। लेकिन चुनौती का पैमाना भी ऐसा ही है। भारत दुनिया में सर्वाइकल-कैंसर के सबसे बड़े प्रभावितों में से एक है, जहां हर साल इसके 1.2 लाख से अधिक नए मामले और लगभग 80,000 मौतें होती हैं। इसके बावजूद देश की कई महिलाओं के लिए – विशेष रूप से ग्रामीण जिलों, गरीब परिवारों और सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों में – प्रारंभिक जांच, विश्वसनीय निदान, उपचार और निवारक टीकाकरण तक पहुंच एक दूर की वास्तविकता बनी हुई है। ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन पहली बार 2008 में भारत में पेश की गई थी, लेकिन सुरक्षा चिंताओं, अनियमित सूचना प्रसार, तार्किक अंतराल और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण इसका उपयोग सीमित रहा।

लगभग दो दशक बाद, इस साल फरवरी में, किशोर लड़कियों के लिए एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया गया था, लेकिन भागीदारी असमान रही है। स्क्रीनिंग दरें भी चिंताजनक रूप से कम बनी हुई हैं: केवल लगभग 2 प्रतिशत पात्र महिलाएं ही नियमित परीक्षण कराती हैं। तमिलनाडु ने स्क्रीनिंग दर 10 प्रतिशत से अधिक हासिल की है, जबकि असम और पश्चिम बंगाल में यह आंकड़ा 0.2 प्रतिशत से भी कम दर्ज किया गया है।

दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों में से 25 प्रतिशत मौते भारत में होती हैं। दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित प्रत्येक पाँच में से एक महिला भारत की होती है। सर्वाइकल कैंसर से संबंधित बीमारियों के मामले में भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। चल रहा टीकाकरण अभियान भारत को उन मुट्ठी भर देशों में रखता है जो अपने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों में एचपीवी वैक्सीन को शामिल करते हैं।भारत अपने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में एचपीवी टीके को शामिल करने वाले 160 से अधिक देशों की कतार में शामिल हो गया है। 90 से अधिक देश एकल-खुराक एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम लागू कर रहे हैं, जिससे कवरेज, किफायती दर और कार्यक्रम की दक्षता में सुधार हो रहा है। मॉडल आधारित अनुमान के अनुसार, इस लक्ष्य को प्राप्त करने से दुनिया भर में 2120 तक सर्वाइकल कैंसर के 74 मिलियन नए मामलों को रोका जा सकता है और 62 मिलियन मौतों को टाला जा सकता है।

गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर विशेषज्ञों ने शहरी केंद्रों से परे स्क्रीनिंग की पहुंच और सटीकता का विस्तार करने के लिए एचपीवी न्यूक्लिक एसिड परीक्षण को राष्ट्रीय आवश्यक निदान सूची में एकीकृत करने का भी प्रस्ताव दिया है। लक्षित आउटरीच के साथ, ये असमानता को कम कर सकते हैं, जिससे भारत को अपने सबसे रोकथाम योग्य कैंसर के प्रकारों में से एक को कम करने का एक दुर्लभ अवसर मिल सकता है।

ब्रह्मांड गणना

अधिक मास मानव कृत व्यवस्था नहीं बल्कि इसके पीछे ब्रह्मांड की प्राकृतिक योजना

ज्योतिष शास्त्र ने बनाई तेरहवें महीने की प्राकृतिक योजना

शास्त्री कोसलेन्द्रदास

इस 17 मई से अधिक मास शुरू हो रहा है, जो 15 जून तक चलेगा। अधिक मास के आते ही यह जिज्ञासा होने लगती है कि बारह महीनों के एक संवत्सर के भीतर तेरहवां मास कैसे आ गया? इसकी गणना कैसे होती है? इसकी शुरुआत कहां से हुई? इसे मल मास या पुरुषोत्तम मास क्यों कहा जाता है? महाभारत में पांडवों के बारह वर्षों के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास की गणना पर दुर्योधन द्वारा उठाए गए विवाद में अधिक मास का उल्लेख है। आचार्य द्रोण, कृपाचार्य और भीष्म और महात्मा विदुर ने दुर्योधन को समझाया कि प्रत्येक ढाई वर्ष की अवधि के बाद आने से पांडवों के वनवास में पांच बार अधिक मास आए हैं, जिससे युधिष्ठिर आदि पांडवों ने द्रौपदी के साथ पांच माह अधिक वनवास काटा है।

डॉ. पांडुरंग वामन काणे की पुस्तक धर्मशास्त्र का इतिहास के अनुसार अधिक मास का इतिहास पुरातन है। यह मास मानव कृत सुविधा की व्यवस्था नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्राकृतिक योजना है, जिसे ज्योतिष शास्त्र ने व्यवस्थित किया है। ऋग्वेद में बारह के अलावा एक और अतिरिक्त मास का उल्लेख है। वेदांग ज्योतिष ने प्रत्येक पांच वर्षों में दो मास यानी ढाई—ढाई साल के अंतराल में एक—एक अधिक मास जोड़ दिया है।

प्राचीन काल में मासों की गणना चंद्र और सूर्य से होती थी। चंद्र वर्ष में 354 दिन ही होते हैं, जो सौर वर्ष के 365 दिनों की तुलना में 11 दिन कम पड़ते हैं। ऐसे में केवल चंद्र वर्ष की ही अभियोजना होने

पर ऋतुओं को पीछे हटाना पड़ जाएगा। इससे ही कई देशों में अधिक मास की अभियोजना निश्चित हुई। कालगणना में ग्रेगेरियन कैलेंडर भी फरवरी को 28 और 29 करता है और हर महीना 30 का नहीं होता। सभी देशों में काल की मौलिक अवधियां प्रायः एक-सी हैं। वैज्ञानिक तथ्य है कि धुरी पर पृथ्वी के घूमने से दिन बनते हैं, जिसमें सूर्य के साथ पृथ्वी के जिस भाग का जुड़ाव होता है, वहां दिन होता है। सूर्य व चंद्र काल के मापक हैं। मास प्रमुखतः चंद्र अवस्थिति है और वर्ष सूर्य की प्रत्यक्ष गति है, पर वास्तव में यह सूर्य के चतुर्दिक पृथ्वी का भ्रमण है। काल गणना के इस क्रम को व्यवस्थित करने का वैज्ञानिक साधन अधिक मास है, जो प्रायः तीसरे साल आता है।

इस्लाम ने सूर्य अयनवृत्तीय वर्ष के विस्तार पर ध्यान न देकर चंद्रमा को ही काल का मापक मानकर समाधान कर लिया। उनका वर्ष विशुद्ध चांद् वर्ष है। इसका परिणाम यह हुआ कि मुसलमानी वर्ष केवल 354 दिन का हो गया और लगभग 33 वर्षों में सारे इस्लामी त्योहार वर्ष के सभी मासों में घूम जाते हैं। दूसरी ओर प्राचीन मिस्र वालों ने चंद्र को काल के मापक के रूप में नहीं माना और उनके वर्ष में 365 दिन थे। मिस्रियों ने 30 दिनों के बारह मास में पांच अतिरिक्त दिन और स्वीकार किए हैं। उनके पुरोहित 3000 वर्षों तक यही विधि मानते रहे। इस कारण उनके यहां अतिरिक्त वर्ष या मलमास नहीं होता। भारत में प्रचलित सभी संवतों में अधिक मास परिकल्पित है। 'श्राद्धविवेक' की टीका में श्रीकृष्ण तर्कालंकार का कथन है कि जिस मास में सूर्य की संक्रांति नहीं होती, ऐसा चांद्रमास मल मास कहलाता है। उत्तर भारत में मास में कृष्णपक्ष पहले और शुक्ल पक्ष बाद में आता है। मास का अंत पूर्णिमा से होता है। पर अधिक मास में इसके विपरीत होता है। इसमें शुक्ल पक्ष पहले और कृष्ण पक्ष बाद में आता है और मास का अंत अमावस्या से होता है।

अधिक मास कई नामों से विख्यात है-अधिमास, मल मास, मलिम्लुच, संसर्प, अंहस्पति या अंहसस्पति, पुरुषोत्तम मास। यह द्रष्टव्य है कि प्राचीन काल से ही अधिक मास निन्द्य ठहराए गए हैं। इसे मल मास इसलिए कहा गया, मानो यह काल का मल है। कुछ पुराणों ने भगवान विष्णु के नाम से जोड़कर इसे पुरुषोत्तम मास के रूप में मान्यता दी है। परंतु अग्निपुराण (175/29-30) में आया है- वैदिक अग्नियों को प्रज्वलित करना, मूर्ति-प्रतिष्ठा, यज्ञ, दान, व्रत, संकल्प के साथ वेद-पाठ, वृषोत्सर्ग, चूड़ाकरण, उपनयन, नामकरण और अभिषेक अधिमास में नहीं करने चाहिए। वैदिक साहित्य में तेरहवें मास के साथ जो पुरातन भावना थी, वही पुरुषोत्तम मास के साथ जुड़ी रही है। 'गृह्यपरिशिष्ट' ने लगभग हर तीन संवत्सर बाद पड़ने वाले तेरहवें मास के विषय में एक सामान्य नियम दिया है कि मलिम्लुच मास सभी कार्यों के लिए गर्हित (वर्जित) है। धर्मशास्त्र के ग्रंथों ने अधिक मास के धार्मिक कृत्यों का वर्णन किया है। परंपरानुसार अधिक मास में न तो किसी नए व्रत का आरंभ होता है और न ही उद्यापन पर नित्य और नैमित्तिक कृत्य, जैसे तीर्थ स्नान और मृतक के लिए प्रेतश्राद्ध अधिक मास में किए जाते हैं।

आपका पैसा

बच्चों के नाम पर खुल सकता है पीपीएफ अकाउंट

> माता-पिता अपने बच्चों के नाम पर पीपीएफ अकाउंट खुलवा सकते हैं, जिसे बच्चे के 18 साल के होने तक वे संचालित करते हैं। इसमें सालाना 100 रुपये से 1.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। यह सुरक्षित सरकारी योजना बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के खर्चों के लिए बेहतर निवेश विकल्प मानी जाती है।

बच्चों के भविष्य के लिए वित्तीय योजना बहुत महत्वपूर्ण होती है। उम्र बढ़ने के साथ बच्चों की जरूरतें और खर्च भी बढ़ते जाते हैं, और जीवन के कई बड़े लक्ष्य पूरे करने के लिए अच्छी-खासी रकम की जरूरत पड़ती है। इसलिए माता-पिता के लिए बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा तैयार करना जरूरी हो जाता है। सही निवेश बच्चों की उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य खर्च, स्किल डेवलपमेंट कोर्स या शादी जैसे भविष्य के खर्चों की तैयारी में मदद कर सकता है।माता-पिता अक्सर निवेश के कई विकल्पों पर विचार करते हैं, जैसे पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना (बेटियों के लिए), म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट या चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान। इनमें पीपीएफ एक लोकप्रिय विकल्प माना जाता है क्योंकि इसमें सरकार द्वारा सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न मिलता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या माता-पिता अपने बच्चों के नाम पर पीपीएफ खाता खोल सकते हैं? इसका जवाब है हां। भारत में माता-पिता या कानूनी अभिभावक बच्चों के नाम पर पीपीएफ खाता खुलवा सकते हैं। हालांकि, बच्चे के वयस्क होने तक इस खाते का संचालन माता-पिता या अभिभावक द्वारा किया जाता है।

पीपीएफ अकाउंट क्या है?

पीपीएफ को सबसे सुरक्षित लंबी अवधि के निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है। नियमों के अनुसार, किसी नाबालिग बच्चे के नाम पर केवल एक पीपीएफ खाता खोला जा सकता है। पीपीएफ खाते में सालाना कम से कम 100 रुपये से 500 रुपये जमा करना जरूरी होता है, जबकि एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक जमा किए जा सकते हैं।ध्यान देने वाली बात यह है कि माता-पिता के अपने पीपीएफ खाते और बच्चे के पीपीएफ खाते में कुल मिलाकर निवेश की राशि 1.5 लाख रुपये सालाना से ज्यादा नहीं हो सकती। पीपीएफ खाते की लॉक-इन अवधि 15 साल होती है। हालांकि, कुछ नियमों और शर्तों के तहत आंशिक निकासी की सुविधा भी मिलती है।

बच्चों के लिए पीपीएफ अकाउंट कैसे खोलें?

माता-पिता या कानूनी अभिभावक भारत के अधिकृत बैंक या पोस्ट ऑफिस के जरिए बच्चे के नाम पर पीपीएफ खाता खुलवा सकते हैं। बच्चे की उम्र 18 साल से कम होनी चाहिए। एक बच्चे के नाम पर केवल एक पीपीएफ खाता खोला जा सकता है। बच्चे के वयस्क होने तक खाते का संचालन माता-पिता या कानूनी अभिभावक करेंगे।

खाता खोलने की प्रक्रिया

किसी बैंक या पोस्ट ऑफिस जाएं जहां पीपीएफ की सुविधा उपलब्ध हो। बच्चों के लिए पीपीएफ खाता खोलने का फॉर्म भरें। जरूरी दस्तावेज जमा करें। न्यूनतम राशि जमा करें। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद खाता सक्रिय हो जाएगा। आजकल कई बैंक नेट बैंकिंग के जरिए ऑनलाइन पीपीएफ खाता खोलने की सुविधा भी देते हैं, बशर्ते माता-पिता का उसी बैंक में पहले से खाता हो।

ऑटो अपडेट

हाइब्रिड कारें, बार-बार चार्जिंग का टेंशन होगा खत्म

> अगर आप ऐसी कार चाहते हैं जो शानदार माइलेज दे, पेट्रोल खर्च कम करे और बार-बार चार्जिंग की झंझट भी न हो, तो हाइब्रिड कार आपके लिए बेहतरीन विकल्प बन सकती हैं। खास बात यह है कि ट्रैफिक में जहां सामान्य पेट्रोल कारें ज्यादा फ्यूल खर्च करती हैं, वहीं हाइब्रिड कार्स इलेक्ट्रिक मोटर और रिजनरेटिव ब्रेकिंग की मदद से बेहतर माइलेज देती हैं। अगर आप नई कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो जानिए जल्द आने वाली इन शानदार गाड़ियों के बारे में...

भारत में हाइब्रिड कारों का बाजार तेजी से बढ़ने वाला है। मारुति सुजुकी, किआ, ह्यूंदै और महिंद्रा जैसी कंपनियां नई हाइब्रिड कारें लॉन्च करने की तैयारी में हैं। इनमें शानदार माइलेज, कम उत्सर्जन और ईवी जैसी रेंज टेंशन से राहत मिलेगी। जानिए आने वाली फ्रोंक्स हाइब्रिड, सेल्टोस हाइब्रिड और क्रेटा हाइब्रिड जैसी कारों की कीमत, फीचर्स और संभावित लॉन्च डिटेल्स के बारे में...

क्यों बढ़ रही है मांग

दरअसल, हाइब्रिड कार उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प मानी जा रही है, जो पेट्रोल कार से बेहतर माइलेज चाहते हैं, लेकिन रोज-रोज ईवी चार्ज करने से भी बचना चाहते हैं। इससे खासकर शहर के ट्रैफिक में फ्यूल की बचत काफी बढ़ जाती हे। मजबूत हाइब्रिड सिस्टम छोटी दूरी तक कार को सिर्फ इलेक्ट्रिक मोड पर भी चला सकता है।

किफायती विकल्प

मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय फ्रोंक्स एसयूवी का हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि इसमें कंपनी का नया इन-हाउस सिरीज हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा। इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन केवल बैटरी चार्ज करने का काम करेगा, जबकि इलेक्ट्रिक मोटर कार को ड्राइव करेगी। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह एसयूवी 30 द्मद्व/द्य या उससे ज्यादा माइलेज दे सकती है। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत करीब दस से 11 लाख के बीच हो सकती है। किफायती कीमत में हाइब्रिड टेक्नोलॉजी चाहने वालों के लिए यह बड़ा विकल्प बन सकती है।

फ्यूल एफिशिएंट

ह्यूंदै भी अपनी बेस्टसेलिंग क्रेटा एसयूवी का हाइब्रिड मॉडल लाने जा रहा है। इस नई जनरेशन क्रेटा को के3 प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा और इसमें 1.5 नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ दो इलेक्ट्रिक मोटर्स मिल सकती हैं। कंपनी का फोकस बेहतर माइलेज और लो इमिशन पर हो सकता है। अनुमान है कि यह एसयूवी करीब 25 किमी तक का माइलेज दे सकती है। कीमत की बात करें तो यह करीब 16 लाख रुपये तक हो सकती है।

प्रीमियम सेगमेंट की तैयारी

किआ भी भारतीय बाजार में सेल्टोस हाइब्रिड लॉन्च करने की योजना बना रही है। यह एसयूवी1.5ली पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के कॉम्बिनेशन के साथ आ सकती है। माना जा रहा है कि इसमें बेहतर माइलेज के साथ प्रीमियम डिजाइन और एडवांस फीचर्स देखने को मिलेंगे। इसकी संभावित कीमत 13 लाख से 25 लाख रुपये के बीच हो सकती है। यह गाड़ी उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है जो ज्यादा प्रीमियम और बड़े विकल्प की तलाश में हैं।

युवाओं के लिए आकर्षण

इसके अलावा किया अपनी सोनेट का भी हाइब्रिड वर्जन ला सकती है। इसमें नया 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और हाइब्रिड सिस्टम मिलने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह 22-25 किमी तक का माइलेज दे सकती है। फीचर-लोडेड केबिन और शहरों में आसान ड्राइविंग इसकी बड़ी खासियत हो सकती है। खासतौर पर युवा और शहरी ग्राहकों के लिए यह एक आकर्षक हाइब्रिड एसयूवी साबित हो सकती है।

बॉलीवुड चर्चा

ऐसा नहीं है कि पहले एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बनी फिल्मों को पसंद नहीं किया गया। पहले ऐसी फिल्मों में दिखाई गई चीटिंग को एक गलती बताकर अंत में माफ कर दिया जाता था। लेकिन अब यह कहना सही रहेगा कि दर्शक पहले की तुलना में अधकि समझदार हो गए है।

अब नहीं पसंद आ रही एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की फिल्में

● 'कंटेंट इज़ द किंग' ●

अब सिनेमा जगत में इस बात पर जोर दिया जाता है लेकिन वहीं कुछ फिल्मों में एक ही तरह के प्लॉट को बार बार बदल कर अलग तरह से दिखाने की कोशिश की जाती है। बिना इस बात को ध्यान में रखे कि अब दर्शकों का नजरिया इस मामले में बदल चुका है।

लेकिन कब तक कंटेंट के नाम पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को नॉर्मलाइज़ किया जाएगा। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर आधारित फिल्मों में अब दम नहीं रहा। उनमें दिखाई गई कॉमेडी अब क्रिंज और फूहड़ दिखाई पड़ती है। जिसकी वजह से लोग ऐसी फिल्मों को नापसंद कर देते है।

पति पत्नी और वो 2 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। जिसके बाद एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बहस फिर से शुरू हो गई है। हालांकि फिल्म के एक्टर आयुष्मान खुराना ने अपने किरदार को ग्रीन फ्लैग बताया था लेकिन लोगों के रिस्पॉन्स मिले जुले है। पहले जहां असल जिंदगी में भी शायद चीटिंग को माफ कर दिया जाता हो या ज्यादा बड़ा न माना जाता हो लेकिन अब वो बर्दाश्त नहीं किया जाता। यही वजह कि ऐसे कंटेंट पर भी सवाल उठाए जाते है।

असल जिंदगी में बढ़ती चीटिंग

आजकल की जेनेरेशन में चीटिंग बहुत आम हो गई है। किसी को छोड़ देना या किसी के साथ रहते भी कहीं और एक रिश्ता बनाना अब कोई बड़ी बात नहीं रह गया है। हमारे देश में जहां आज भी प्यार करने के तरीके को फिल्मों से सीखा जाता है तो वहां कोई एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बनी फिल्म से इंस्पायर नहीं होगा ये कैसे माना जाए।

चीटिंग पर उठे सवाल

बदलते नजरिए और कंटेंट की पसंद व नापसंद की वजह से अब ऐसी फिल्में चर्चा का विषय बन जाती है। फीमेल सेंट्रिक फिल्मों को पसंद करने वाले दर्शक ऐसे कंटेंट पर ऐतराज़ उठाते है। फीमेल सेंट्रिक फिल्मों की बढ़ती डिमांड चीटिंग पर आधारित फिल्मों को दबा देती है। अब के समय में बनी कई फिल्में है जैसे- 2015 में कपिल शर्मा की पहली फिल्म इसी विषय पर आधारित थी। फिल्म में कपिल तीन लड़कियों संग रोमांस करते नजर आए थे। लेकिन सस्ती कॉमेडी,कमजोर स्टोरी प्लॉट और वही घिसी पिटी कहानी की वजह से फिल्म को खास रिस्पान्स नहीं मिला। इस फिल्म का दूसरा भाग 2025 में आया और इस बार उन्होंने तीन नहीं चार लड़कियों के साथ रोमांस किया था। फिल्म में इसे मजबूरी का नाम दिया गया था। 2021 में तापसी पन्नू और विक्रांत मेसी की ये फिल्म भी इसी पर आधारित थी। इसमें चीटिंग के कान्सेप्ट को जेंडर से बदल दिया गया था। यानी कि इसमें चीटिंग लड़के के साथ हुई थी। लेकिन एक सस्पेंस थ्रिलर होने की वजह से फिल्म को ठीक ठाक रिस्पांस मिला था पर लोगों का कहना था कि चीटिंग हर हाल में गलत है चाहे लड़के के साथ हो या लड़की।

पुरानी फिल्मों में चीटिंग

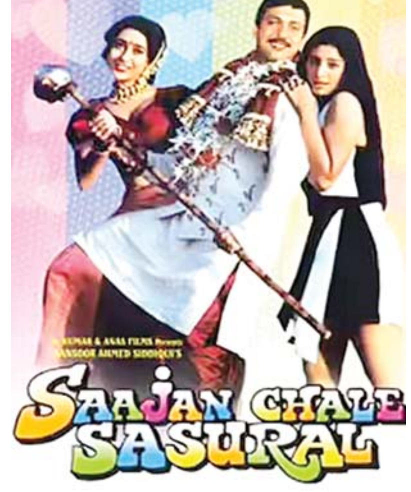

90'ह्य के दौर में बनी फिल्मों में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को दिखाया जाता था तो कॉमिक टाइमिंग, प्यार, कहानी का प्लॉट, बाकी सब भी एड किया जाता था और कहानी के अंत में उस अफेयर को एक गलती या मजबूरी का नाम दे दिया जाता था। हालांकि चीटिंग तो चीटिंग है लेकिन तब की ऑडियंस इसे कुबूल कर लेती थी। इस लिस्ट में कई फिल्में है। 2004 में आई मस्ती फिल्म भी इसी पर आधारित थी। जिसमें रितेश देशमुख, विवेक ऑबेरॉय, आफताब शिवदासानी शादीशुदा होने के बावजूद एक अफेयर रखते है और बाद में उनकी पत्नियां उन्हें माफ भी कर देती है। 1994 की गोविंदा की ये फिल्म भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को दिखाती है। फिल्म की अच्छी कॉमेडी ने इसे पॉपुलर तो बनाया लेकिन अंत कुछ ऐसा ही रहा। 2001 में गोविंदा की इस फिल्म में चीटिंग को अमीर लोगों का शौक बताया था। रंभा ने इस फिल्म में अफेयर पार्टनर के किरदार को निभाया था। बाद में फिल्म में गोविंदा की पत्नी बनी सुष्मिता सेन ने उन्हें माफ कर दिया था। यानी कि कहानी वही, प्लॉट वही, कॉमेडी भी वही लेकिन बस उसे दिखाने का तरीका बदलकर इन फिल्मों ने खूब वाह वाही बटोरी। कमाल बात है कि तब इन मुद्दों पर इतनी बहस नहीं होती थी और दर्शक इसे महज़ एक फिल्म की तरह देखकर इंजॉय करते थे।

पूर्व की घोषणाओं पर अमल नहीं और नित नए हो रहे सिंधी सम्मेलन

सरकार से 31 मार्च 2023 की घोषणाओं के कार्यान्वयन की मांग

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। देश और विदेश के आम सिंधियों की यह मांग है कि जब 500 साल बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हो सकता है, आजादी के 75 साल बाद जम्मू एवं काश्मीर से धारा 377 हट सकती है, तो आजादी के 79 साल बाद गुजरात के कच्छ, गांधीधाम और राजस्थान के जेसलमेर सहित दोनों राज्यों के 5 जिलों को मिलाकर भारत में ही पृथक सिंधु प्रदेश क्यों नहीं बन सकता, लेकिन इसे सिंधी हिंदुओं का दुर्भाग्य ही माना जाएगा कि जिस सनातनी धर्म की खातिर उसने अपनी जन्म स्थली छोड़ी, अनेक कष्ट सहे, कठिन परिस्थितियों में खुद को स्थापित किया, लेकिन अपेक्षा के अनुरूप वे हमेशा ही सरकारी सुविधाओं से वंचित रहे हैं। जिन मुसीबतों को सिंधी परिवारों ने झेला, उसके बाद तो 1950 में बने भारतीय संविधान में समाज को सरकारी नौकरियों और राजनीति में अनुसूचित जाति, जनजाति, महिलाओं आदि की तरह 10 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए था, लेकिन तत्कालीन कांग्रेसी नेताओं ने कभी इस पर विचार नही किया।

यही कारण है कि आजादी के तुरंत बाद सिंधियों का कांग्रेस से मोहभंग हो गया और उसने आरएसएस, जनसंघ व भाजपा का रूख किया और आज भी चाहे भारत का कोई भी प्रदेश हो, वहां पर 90 फीसदी सिंधियों की गिनती भाजपा समर्थकों में की जाती है बावजूद मध्यप्रदेश जैसे भाजपा शासित प्रदेश जहां भाजपा की सरकार के रहते हुए 22 सालों से सिंधी समाज उपेक्षा का शिकार है। महाराष्ट्र में पिछले रविवार को ही वहां के मुख्यमंत्री ने आजादी के 79 साल बाद सिंधी परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक प्रदान किया, लेकिन मध्यप्रदेश के 15 लाख सिंधी इस हक से आज भी वंचित हैं।

2023 सम्मेलन की घोषणाएं

भाजपा एवं आरएसएस विचारधारा वाली समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था भारतीय सिंधु सभा ने भोपाल के भेल मैदान में 31 मार्च 2023 जिसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत मुख्य अतिथि थे, जबकि सिंधियों के एकमात्र महामंडलेश्वर स्वामी महंस हंसराम महाराज के अलावा मध्यप्रदेश के उस समय के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हिस्सा लिया। इसमें महामंडलेश्वर स्वामी हिंसराम महाराज ने बड़े ही बेबाक तरीके से केंद्र सरकार से हिंदुस्तान में चूंकि पृथक प्रांत नहीं है इसलिए सिंधियों की पहचान कायम करने के लिए गंगा अथवा नर्मदा किनारे 8 हजार एकड़ जमीन एवं 21 हजार करोड़ की राशि की मांग की, जिस पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि एक अलग पहचान का स्थान होना चाहिए। इसी सम्मेलन में शिवराज सिंह चौहान ने मप्र सिंधी साहित्य अकादमी का बजट बढ़ाकर 5 करोड़ करने, पाकिस्तान की जीवन रेखा मानी जाने वाली सिंधु नदी के उदगम स्थल लेह लद्दाख की हर साल जून माह में यात्रा करने वालों को तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत 25 हजार प्रत्येक व्यक्ति को दिए जाने के अलावा मप्र के स्कूली पाठ्यक्रम में सिंधी महापुरुषों की जीवनी पढ़ाए जाने के साथ ही भोपाल, जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर में शहीद हेमू कालानी की प्रतिमाएं स्थापित करने की घोषणा की, लेकिन इन में से एक भी मांग पिछले तीन साल में पूरी नहीं हो सकी है।

बेनतीजा सिंधी सम्मेलन

चाहे अभा सिंधी समाज हो या विश्व सिंधी सेवा संगम अथवा बुधवार 13 मई को मुंबई में शुरू हुआ सिंधी हिंदु फाउंडेशन आफ एसोसिएशन कभी भी केंद्र व प्रदेश सरकारों से समाज के हकों की पुरूजोर मांग नहीं की गई। हालांकि इस सम्मेलन में देश के जानी मानी हस्तियां सांसद शंकर लालवानी, कुछ राज्यों के विधायकों के अतिरिक्त इंटरनेशनल समाज सेवी राजू मनवानी, गुरमुख जगवानी, पीताम्बर दलवानी पीटर, हीरालाल लोकचंदानी, ईश्वरदास झामनानी, श्रीकांत भाटिया, विजय पाहूजा, राजा राम आदि शामिल हुए फिर भी नतीजा शून्य रहा। जबकि आज भी भारत देश में केवल 40 फीसदी ही सिंधी संपन्न हैं, 30 प्रतिशत मध्यम वर्ग एवं 30 प्रतिशत गरीब जिन्हें सरकारी योजनाओं में मदद की जरूरत है, लेकिन चूंकि सिंधियों के सभी बड़े संगठनों पर अमीरों को कब्जा है, इस कारण 60 फीसदी मध्यम एवं गरीब सिंधी परिवारों की आवाज आज तक सरकार तक पहुंच नहीं पाई है। जहां तक लोकसभा एवं विधान सभा में निर्वाचित सिंधी भाषी प्रतिनिधियों का सवाल है, उन्होंने भी कभी सिंधियों की समस्याओं को लोकसभा या विधान सभाओं के पटल पर पुरजोर ढंग से रखने का प्रयास नहीं किया है। इसी तरह सिंधी भाषा को रोजगार से जोड़ने की भी जरूरत है।

85वें सालाना उर्स का शुभारंभ सड़कों पर घुमाई गई पवित्र चादर

दूधिया रोशनी से नहाई बाबा जलालउद्दीन की मजार

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। चार दिवसीय सालाना उर्स का आकर्षक शुभारंभ हुआ। संत हिरदाराम नगर की छोटी पहाड़ी जो वन ट्री हिल्स के नाम से प्रसिद्ध है, और किसी जमाने में पूरी तरह से जंगल

के बीच हुआ करती थी, वहां पर एक पहुंचे हुए फकीर बाबा जलालउद्दीन आकर बस गए थे, और कुछ सालों बाद वहीं समाधि ली थी, उसी मजार पर हर साल उर्स का आयोजन किया जाता है। इसकी शुरूआत 85 साल पूर्व हुई थी और यह 86वां सालाना उर्स है। आयोजन समिति से जुड़े ताज उद्दीन ने बताया कि बाबा जलाल उद्दीन गुरूनानक देव जी के उपासक थे और जानकार बताते हैं कि उनके साथ गुरूनानक टेकरी पर भी उन्होंने कुछ दिन बिताए थे। बाद में वे वन ट्री हिल्स पर आ गए। किसी जमाने में यहां छोटी पहाड़ी पर केवल एक ही पेड़ हुआ करता था, इसलिए इसका नाम वन ट्री हिल्स पड़ा, लेकिन अब तो आस पास अनेक पेड़ बड़े हो चुके हैं, पर नाम वहीं चल रहा है।

पवित्र चादर से शुरुआत : ताज उद्दीन ने बताया कि सालाना उर्स का शुभारंभ मजार पर बिछी पवित्र चादर से हुआ। इस चादर को आरोग्य केंद्र से प्रारंभ कर वन ट्री हिल्स रोड, एफ वार्ड रोड, उपनगर के विभिन्न मार्गों के बाद चंचल रोड से ले जाकर रात 8 बजे वापस बाबा जलाल उद्दीन की मजार पर रखा गया। इससे पूर्व नमाज जोर कुरान खानी हुई, जबकि 16 मई को रात 10 बजे से सूफियाना कव्वाली होगी। जबकि 17 मई को रात 10 बजे कव्वालों द्वारा सूफियाना कव्वाली प्रस्तुत की जाएगी। जबकि 18 मई को सुबह 5 बजे रंग की महफिल के साथ सालाना उर्स समाप्ति होगा।

दिल्ली पब्लिक स्कूल के राज को 12वीं में मिले 97.4 फीसदी अंक

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। अब संत हिरदाराम नगर की गिनती कारोबारी इलाके के रूप में की जाती है, जहां कक्षा 12वीं या स्नातक के बाद बच्चों को दुकान पर बैठा दिया जाता था परंतु आज के दौर में यह सोच पूरी तरह से बदल रही है और कारोबारियों के बच्चे भी अब पढ़ाई को पहली प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बार कक्षा 12वीं केंद्रीय बोर्ड के तहत हुई परीक्षा में अनेक सिंधी परिवारों के बच्चों ने बाजी मारी है। प्रमुख बर्तन कारोबारी वासुदेव मूलचंदानी के पोते राज एम मूलचंदानी जो कि दिल्ली पब्लिक स्कूल का नियमित विद्यार्थी रहा है, ने इस बार 97.4 प्रतिशत अंक हासिल कर संत हिरदाराम नगर में टाप किया है। वे बर्तन कारोबारी महेश मूलचंदानी के सुपुत्र हैं।

इतने अच्छे नंबर लाने के पीछे वे इसका श्रेय स्कूल की बेहतर व्यवस्था, माता-पिता एवं अपने दादा के प्रोत्साहन को देते हैं। इस उपलब्धि के बाद वासुदेव मूलचंदानी के परिवार में खुशी का माहौल है। इस प्रतिनिधि से चर्चा में राज एम मूलचंदानी ने बताया कि वह अब चार्टर्ड एकाउंटेंट की तैयारी करेंगे, क्योंकि आने वाले समय में चाहे बढ़ता कारोबार हो या बड़ी कंपनियों के आडिट का मामला उसमें सीए की सख्त जरूरत है, और दिन प्रतिदिन सीए की मांग बढ़ रही है।

भाजपा जिला ग्रामीण का दो दिनी प्रशिक्षण वर्ग आज से

जागरण, कलारा। भाजपा जिला भोपाल ग्रामीण द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत दो दिवसीय जिला

प्रशिक्षण वर्ग 16 मई शनिवार सुबह 9 बजे प्रारंभ होकर रविवार को संपन्न होगा। प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा भोपाल ग्रामीण के विभिन्न मंडलों से करीब 100 चयनित कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं जनसंपर्क अभियानों के प्रति प्रशिक्षित करना है। जिला अध्यक्ष तीरथ सिंह मीना ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के जरिए कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती और आगामी अभियानों के लिए तैयार किया जाएगा।

शनि जयंती पर आज अभिषेक, महाआरती व भंडारे होंगे

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर में शनि जयंती की जोरदार तैयारियां की गई हैं। शुक्रवार शाम से जहां-जहां भगवान शनिदेव की प्रतिमाएं स्थापित हैं, विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। संजय कॉलोनी स्थित शनि मंदिर में पिछले 42 सालों से उत्सव मनाया जाता रहा है और यह 43वां साल है। मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष वासुदेव रामचंदानी ने बताया कि शनि जयंती 16 मई के उपलक्ष्य मं शुक्रवार 15 मई को रात 8 बजे से श्री सियाराम चरित मानस मंडल की और से संगीतमय सुंदरकांड की प्रस्तुति के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

शनिवार सुबह 6 बजे शनि तिलाभिषेक, 8 बजे श्री शनि महा आरती, 10 बजे श्री शनि महायज्ञ के बाद दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया है। इसके अलावा शाम 7 बजे पुनः महा आरती होगी। परवलिया सड़क स्थित शनि शिंगापुर में भी सुबह से लेकर दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। प्रेम रामचंदानी मार्ग स्थित काली मंदिर में शनि देव भगवान की 16 मई को विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। यहां भी सुंदर कांड का पाठ, हवन यज्ञ के अलावा शनि महा आरती का आयोजन किया गया है। पंडित संतोष शर्मा ने बताया कि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही प्रसादी वितरण का कार्यक्रम भी होगा। भोपाल इंदौर राजमार्ग स्थित शिव मंदिर परिसर में स्थापित शनि प्रतिमा पर भी 15 मई को रात्रि एवं 16 मई को सुबह सुंदरकांड का पाठ, श्री रामचरित मानस एवं शनि देव की महा आरती की जाएगी। यहां उस दिन प्रतिदिन चलने वाले हवन यज्ञ में विशेष आहुतियां डाली जाएंगी और सुख शांति व मानव कल्याण के लिए विशेष प्रार्थना होगी। मंदिर संचालन समिति के राम मोरंदानी एवं व्यवस्था परमानंद जी ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सभी आयोजनों में शामिल होने की अपील की है।

SUDOKU 37

2			4					
6	9				8	4	2	
.	4			6	2		8	
3					7		1	
	1		3			5		
7	5		1				3	
	3				1	2		4
4		2						3
		1	2		3		9	

SOLUTIONS 36

2	1	4	9	8	6	3	5	7
3	6	9	1	7	5	8	2	4
5	7	8	3	2	4	6	9	1
8	2	1	6	5	7	4	3	9
7	5	3	4	1	9	2	8	6
9	4	6	8	3	2	1	7	5
6	9	5	2	4	3	7	1	8
1	3	7	5	6	8	9	4	2
4	8	2	7	9	1	5	6	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए खास उपलब्धियों का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम आखिरकार पूरा हो सकता है। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी।

वृषभ : आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई नए अवसर लेकर आ सकता है। नई नौकरी का ऑफर आकर्षित करेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी।

मिथुन : आज लेन-देन के मामलों में सतर्कता बरतना बेहद जरूरी रहेगा। पुराने मित्र से मुलाकात बीती यादों को ताज़ा कर सकती है।

कर्क : आज का दिन सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति संभल जाएगी।

सिंह : आज भागदौड़ ज्यादा रहेगी, लेकिन मेहनत का फल भी मिलेगा। बिजनेस में नई पार्टनरशिप भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। उधार लेने से बचें।

कन्या : आज जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करना आपकी सफलता की कुंजी बनेगा। नया पद या सम्मान मिलने के संकेत भी दिख रहे हैं।

तुला : आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी रहेगा। आय और खर्च के बीच तालमेल ही आपकी शांति बनाए रखेगा। व्यापार में आर्थिक उन्नति मिल सकती है।

वृश्चिक : आज का दिन खुशियों और नए बदलावों से भरा रह सकता है। किसी प्रियजन से मुलाकात मन को सुकून देगी। घर की सजावट या रिनोवेशन पर खर्च बढ़ सकता है।

धनु : आज तरक्की के नए रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजना सफल हो सकती है।

मकर : आज उन्नति की रफ्तार तेज रहने वाली है। सरकारी कामों में सफलता मिलने की संभावना है। दूसरों पर निर्भर रहने से बचें।

कुंभ : आज का दिन बाकी दिनों से ज्यादा खुशनुमा और सुकून भरा रहेगा। घर-परिवार में खुशी और एकता का माहौल बना रहेगा।

मीन : आज थोड़ी सावधानी और समझदारी की जरूरत रहेगी। छोटी लापरवाही बड़ी परेशानी खड़ी कर सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी से बहस होने की संभावना है, वाणी संयम रखें।

आज का पंचांग: 16 मई शनिवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्यौहार :** वट सावित्री व्रत, अमावस्या, शनि जयंती। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या 25 घंटे 31 मिनट तक, तत्पश्चात प्रतिपदा भरणी नक्षत्र 17 घंटे 31 मिनट तक तत्पश्चात कृतिका नक्षत्र सौभाग्य योग 10 घंटे 26 मिनट तक, तत्पश्चात शोभन योग मेष में चंद्रमा 22 घंटे 47 मिनट तक तत्पश्चात वृष में।

गांवों में विशेष शिविर लगाकर 242 में से 216 समस्याएं निपटाईं

जागरण, औबेदुल्लागंज। संभाग मे संपर्क अभियान के तहत गांवों के विशेष शिविर लगाकर उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज की। इनमें से 90 प्रतिशत शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविरों में विभाग के आला अफसर सुबह 10 से शाम 6 बजे तक मौजूद रहे। औबेदुल्लागंज वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पिपलानी खुर्द

में लगे विशेष शिविर में क्लस्टर 1 के सभी ग्राम भनपुरा, कुमडी, पिपलानी खुर्द, बरखेड़ा पठार, बरखेड़ा, ताजपुरा, आंकलपुर, बांसगहन, के उपभोक्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी-अपनी विभिन्न समस्याएं बताईं। शिविर में कुल 53 में से 48 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया। पांच शिकायतों को निराकरण के लिए अग्रेषित किया। ग्राम बागासपुर में 81 शिकायतों में 76 का निराकरण किया। पांच शिकायतों को निराकरण के लिए अग्रेषित किया। इसी प्रकार पोलहा में 65 में से 49 का निराकरण और 16 शिकायतों के जल्द निराकरण के लिए अग्रेषित किया। चिकलोद कलां में 43 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया। संभाग के विभिन्न वितरण केंद्रों द्वारा कुल 242 में 216 शिकायतें निपटाईं। लंबित 26 शिकायतों का भी जल्द निराकरण होगा।

भोजपुर जैन मंदिर में भगवान शांतिनाथ का त्रय कल्याणक महोत्सव उत्साह से मनाया

जागरण, मंडीदीप। औद्योगिक नगरी के समीप स्थित अतिशय क्षेत्र भोजपुर जैन मंदिर में भगवान शांतिनाथ का त्रय कल्याणक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। जैन समाज के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के जन्म, वैराग्य और मोक्ष कल्याणक पर मंदिर परिसर धर्ममय वातावरण से गूंजायमान रहा। इस दौरान महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा, विशेष पूजन और निर्वाण लाडू समर्पण जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई।

गणाचार्य विराग सागर एवं आचार्य विशुद्ध सागर के शिष्य उपाध्याय विश्रुत सागर और मुनि साध्यसागर ससंघ की उपस्थिति में संगीतमय शांतिविधान ने श्रद्धालुओं को

आध्यात्मिक अनुभूति कराई। आयोजन समिति के अध्यक्ष विमल जैन राजदीप और महामंत्री अमिताभ मानया ने बताया कि विभिन्न जैन परिवारों को महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा और श्रीजी विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोक्ष कल्याणक पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान को निर्वाण लाडू अर्पित किए गए।

विद्या भारती व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम : गुप्ता

जागरण, बैरसिया। विद्या भारती द्वारा आयोजित प्रांतीय आचार्य दक्षता वर्ग के चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना-प्रार्थना के साथ हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में विमल गुप्ता (प्रांत प्रचारक, आरएसएस, मध्य भारत प्रांत) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री, अध्यक्ष अर्जुन शिक्षा समिति राजीव शर्मा, व्यवस्थापक अर्जुन शिक्षा समिति दीपक दुबे, वर्ग संयोजक रामकुमार व्यास एवं प्राचार्य सुनील कुमार नागर सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे। मुख्य वक्ता विमल गुप्ता ने पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विद्या भारती केवल शिक्षा देने वाली संस्था नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को संस्कारवान, सक्षम और राष्ट्रनिष्ठ बनाना है। श्री गुप्ता ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन की यह सतत यात्रा अनुशासन, देशभक्ति और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने कहा कि यदि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है तो पंच परिवर्तन—सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वबोध और नागरिक कर्तव्य—को जीवन में उतारना होगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 0402B70120, आवेदन क्रमांक-11996, आवेदन दिनांक-05/05/2026
क्रमांक 2021/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 13/05/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भूखण्ड/भवन क्रमांक-120, सेक्टर-9 ए श्री नियाज अहमद आत्मज स्व. श्री इकराम उद्दीन के नाम पर आवंटित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांक 07/02/1991 एवं आवंटी की पत्नी श्रीमती मरियाम बेगम स्वर्गवास दिनांक 16/06/2025 को हो जाने के कारण उनके वारिसगण पुत्री श्रीमती नजमा खान, पुत्र श्री इकबाल अहमद, पुत्री श्रीमती रेहाना खान एवं श्रीमती नसीम खान समस्त पुत्र/पुत्री स्व. श्री नियाज अहमद द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/भवन अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

जाहिर सूचना

अविकसित अव्यपवर्तित कृषि भूमि खसरा क्रमांक 5/3/1 (S) एवं 74/1/2 ग्राम दोलतपुरा, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल (म. प्र.)

मेरे पक्षकार श्री गौरांग ठाकुर आत्मज श्री बलवंत सिंह ठाकुर, निवासी ई एम एक्स 16, इंडस टाउन, रतनपुर सड़क होशंगाबाद रोड, हुजूर मिसरोद भोपाल म.प्र. के निर्देशानुसार इस जाहिर सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि उन्होंने श्री राजमोहन साहू आत्मज श्री भौंव सिंह साहू, श्री लखन सिंह साहू आत्मज श्री भौंव सिंह साहू, श्री भैयालाल साहू आत्मज श्री भौंव सिंह साहू निवासीगण वार्ड क्र. 18 पंडित दीनदयाल कॉलोनी बैरसिया भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं अधिपत्य की एक किता कृषि भूमि, खसरा क्रमांक 5/3/1(S) कुल रकबा 0.4620 हेक्टेयर एवं 74/1/2 कुल रकबा 0.162 हेक्टेयर हैं दोनों खसरो का कुल रकबा 0.624 हेक्टेयर में से लगभग 0.4047 हेक्टेयर, अर्थात 1 एकड़ ग्राम दोलतपुरा, पटवारी हल्का दोलतपुरा, राजस्व निरीक्षक मंडल 3, विकास खंड फंदा, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है एवं उन्हीं के नाम से शासकीय अभिलेखों में भी दर्ज है, को क्रय करने का अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है।

इस जाहिर सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है की यदि उपरोक्त वर्णित उक्त भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, मेड़, पड़ोसी, को आपत्ति हो, बैंक लोन, गिरवी, बंधक, दान, वसीयत, जमानत, हस्तांतरण, किसी व्यक्ति से अनुबंधित हो, विक्रय लेख, किसी भी न्यायालय में किसी तरह का प्रकरण लंबित हो, इत्यादि या किसी भी अन्य तरह का व्यवहार हुआ हो तो उक्त सम्बन्ध में इस सूचना प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिवस के अन्दर स्वत्व सम्बंधित मय दस्तावेज सहीत कार्यालयीन समय में मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। उक्त नियत अवधि पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा अंतिम रूप से क्रय कर अपने पक्ष में विक्रय अनुबंध लेख का निष्पादन तथा पंजीयन कराने के लिए एवं नामांतरण अपने पक्ष में करवाने को स्वतंत्र होगा। निर्धारित अवधि पश्चात कोई भी और किसी की भी प्रकार की प्राप्त आपत्ति मेरे पक्षकार पर मान्य, बंधनकारी एवं लागू नहीं होगी।

पवन कुमार सिंह अधिवक्ता
पता - 52, गुलाब विला, नियर होटल श्रीवाटिका, जोन-1, एम. पी. नगर भोपाल म.प्र.
मोबाइल नं. - 9303327448

RUMS REWA ULTRA MEGA SOLAR LIMITED
Urja Bhawan, Shivaji Nagar, Link Road No. 2
Bhopal-462016, Phone No. : 91-(0755) 3510945
Website : www.rumsl.mp.gov.in,E-mail : rumsinfo@mpnred.in
CIN : U40102MP2015PLC034450
No. F/RUM/2020/REP/01-009/141 Bhopal, Dated :16.05.2026

EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

RUMSL invites applications from eligible professionals for engagement of an Environment Expert (01) on a fixed tenure contract basis for solar park projects in Madhya Pradesh. Eligible candidates may submit a CV along with supporting documents through email at **environment.rumsl@gmail.com** and a hard copy at RUMSL office. Detailed Terms of Reference, eligibility criteria, and other details are available on **www.rumsl.mp.gov.in.**
Last Date & Time : Up to 17:00 Hrs. on 15.06.2026.
M.P. Madhyam/125786/2026 CHAIRPERSON, RUMSL

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M.P. Undertaking)
OFFICE OF THE DY. GENERAL MANAGER (O&M) DIVISION, BETUL (SOUTH)
Phone No. 07577-222222, E-mail : dgmbetulsouth@gmail.com
No:/DGM/PUR/882-83 Betul Dated : 15.05.2026

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations.

Name of Unit/ Office	Particulars	EMD (In Rs.)	Due Date of Submission of offer	Opening Date & Time
Manager Betul Town Zone-02 under (O&M) Division Betul (South)	F5 : Mini Pick up-Double cabin with ladder/Any Low-End SUV half open from backside for carriage of man, materials, ladder, etc. or equivalent For Three Shift. (As per Vehicle Policy-2025)	3000/-	22.05.2026 Up to 3.00 P.M.	22.05.2026 at 04.00 P.M.

Other details, terms and conditions are available on Company website **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/125798/2026 DGM (O&M)

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal
Ph.No.0755-2701669

NOTICE INVITING e-TENDER

Online tenders are being invited for the following works. The bidder can obtained detailed information and tender documents on website http://mptenders.gov.in.
Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website http://mptenders.gov.in

S. No.	NIT No.	Tender ID.	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	03/EE/NWSP/ W.W.D./2026-27 First call	2026_UAD_ 507351_1	Supply of Bearings for Pumps and Motors at Hirani, Khatpura and Ahmedpur pumping station under NWSP Bhopal	20,68,159.00	15,511.00	12.06.2026
2.	04/EE/NWSP/ W.W.D./2026-27 First call	2026_UAD_ 507361_1	Fabrication and supply of Pump shaft for SCT 30082 Pump at Khatpura Pump House under NWSP Bhopal.	3,90,000.00	3,900.00	28.05.2026

T.N. 179/026/027
Executive Engineer (WWD)
Municipal Corporation, Bhopal

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

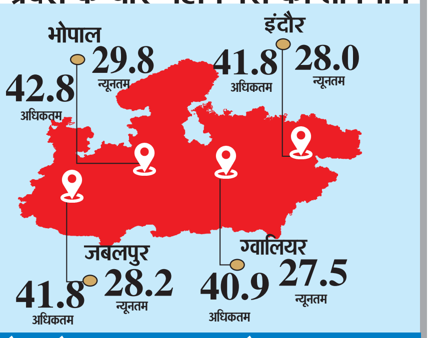

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	39.8	26.2
मुंबई	34.2	28.0
चेन्नई	38.4	22.6
कोलकाता	35.7	27.9

सूर्यास्त 6:55 PM
सूर्योदय 5:39 AM
चन्द्रोदय 4.02 PM
चन्द्रास्त 5:27 AM

सरस्वती मंदिर 13वीं शताब्दी आते-आते बन गया मकबरा

1893 में भोजशाला, अंग्रेज अफसर के सर्वे में सामने आया मंदिर और मूर्तियां

जागरण, धार/भोपाल। परमार वंश के राजा भोज ने वर्ष 1034 तक शासन किया। 32 तरह की आयुध विद्या के ज्ञाता रहे राजाभोज द्वारा 1305 से 1409 के बीच सरस्वती सदन निर्माण कराया। ज्ञान कला व अध्ययन केंद्र बनाए गए इस सदन में मां सरस्वती का मंदिर और शिक्षा केंद्र स्थापित किया गया। मगर 12 और 13वीं शताब्दी में मालवा पर धावा कर मौला कमाल ने इस सरस्वती सदन के ढांचे में भी बदलाव कर दिया। परिणाम स्वरूप यह विद्या केंद्र भी मकबरा और मस्जिद में तब्दील हो गया। रॉयल एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित माइकल विलिस के रिसर्च पेपर 'धार, भोज और सरस्वती' के अनुसार भोजशाला शब्द का इस्तेमाल पहली बार जर्मन भारतविद एलॉइस एंटोन फ्यूहरर ने 1893 में किया था। बाद में ब्रिटिश अधिकारी के.के. लेले ने भी इस स्थल का उल्लेख किया और यहां मिले संस्कृत शिलालेखों की व्याख्या शुरू करवाई। लेले के अध्ययन में ही यह बात सामने आई कि मंदिर के अवशेषों से ही वर्तमान ढांचा तैयार किया गया है।

अयोध्या के राम मंदिर के बाद धार की भोजशाला का विवाद भी हल हो गया। हाईकोर्ट ने इसे भी मंदिर बताया है। अदालत ने शुक्रवार को दिए अपने फैसले में इस 700 साल पुराने विवाद का पटाक्षेप करते हुए माना है कि भोजशाला परिसर मूलतः वाग्देवी का मंदिर है। यहां विराजी मां वाग्देवी, जिन्हें ज्ञान की देवी सरस्वती माना जाता है, की प्रतिमा इंग्लैंड के संग्रहालय में रखी है। यह मूर्ति अंग्रेज अफसर भोजशाला की खुदाई के बाद ही इंग्लैंड ले गए थे। यह विवाद समय-समय पर सिर उठाता रहा है। विशेषकर वसंत पंचमी के अवसर पर यहां दोनों धर्मावलंबियों के बीच गर्मागर्मी एक परंपरा सी बन गई है। मगर इतिहास और ऐतिहासिक धार्मिक तथ्यों, ग्रंथों व सरकारी दस्तावेजों और एएसआई के सर्वे ने पूरी सच्चाई उजागर कर दी। बावजूद इसके इस यह विवाद लंबे समय से चर्चा में बना रहा । वैसे तो विवाद की शुरूआत 1935 में ही हो गई थी। मगर भोजशाला विवाद का नया कानूनी अध्याय साल 2022 में शुरू हुआ। उस समय रंजना अग्निहोत्री, आशीष गोयल और उनके सहयोगियों ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने और हिंदू समाज को वहां पूर्ण पूजा अधिकार देने की मांग की गई थी। इसके बाद 11 मार्च 2024 को हाईकोर्ट ने एएसआई को पूरे परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। एएसआई ने 22 मार्च 2024 से 98 दिनों तक परिसर का सर्वे किया और 15 जुलाई 2024 को 2000 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट अदालत में पेश की। 6 अप्रैल से नियमित चली सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष ने दावा किया कि परिसर में मिले स्तंभ, देवी सरस्वती से जुड़े प्रतीक, संस्कृत और प्राचीन नागरी लिपि के शिलालेख मंदिर स्वरूप की ओर संकेत करते हैं। ब्रिटिशकालीन गजेटियर और इतिहासकारों के दस्तावेजों में भी भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर और शिक्षा केंद्र बताया गया है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि यहां लंबे समय से वसंत पंचमी सहित अन्य अवसरों पर पूजा-अर्चना की परंपरा रही है। परिसर में मौजूद अधिकांश संरचनात्मक तथ्य इस्लामी स्थापत्य से पहले के हैं।

चुनावी मुद्दा भी बनी भोजशाला

वर्षों से जल रही ज्वाला 2003 में बसंत पंचमी के दिन भड़क उठी। जब टकराव बढ़ने पर पुलिस लाठीचार्ज के बाद हिंदू पक्ष भड़क गया। यहां की आगजनी की लपटें लोकसभा तक पहुंच गईं। यहां प्रशासन और राज्य सरकार पर हिंदुओं को दबाने के आरोप लगे। इसके बाद 2003 में भोजशाला मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया। 2022 में दायर की गई याचिका पर एएसआई को मिले सर्वे के आदेश के खिलाफ मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अप्रैल 2024 को निर्देश दिया कि सर्वे के दौरान परिसर के स्वरूप में कोई बदलाव नहीं किया जाए और खुदाई सीमित दायरे में रहे। इसी बीच हिंदू संगठनों ने एएसआई रिपोर्ट के आधार पर परिसर में मां वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित करने और मस्जिद को बंद करने की मांग तेज कर दी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने भोजशाला की पहचान को लेकर अपने-अपने दावे किए। इस बीच जैन समाज ने इसे गुरुकुल और जैन देवी अंबिका का मंदिर बताया तो कुछ तीन इंटरवीनर भी अपना पक्ष लेकर पहुंचे। सभी पक्षों ने खुलकर अपने तथ्य रखे। मुस्लिम पक्ष की ओर से सीनियर एडवोकेट की टीम पैरवी करने पहुंची। टीम ने एएसआई की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए इसे मान्य न किए जाने की मांग की। वहीं सुनवाई के अंत तक मुस्लिम पक्ष कहता रहा कि अभी भी साबित नहीं हुआ है कि भोजशाला मंदिर है या मस्जिद।

इन अवशेषों ने बताई असली पहचान

हिंदू पक्ष के दावे को एएसआई की सर्वे रिपोर्ट ने मजबूती दी। रिपोर्ट के साथ पेश किए गए वीडियो व फोटोज ने इस विवाद को हल करने में आईने की भूमिका निभाई। इनमें स्पष्ट था कि लाल पत्थरों के नक्काशीदार स्तंभ, सभा कक्ष, यज्ञ कुंड, संस्कृत और प्राकृत भाषा के शिलालेख मिले परिसर में हैं। इनमें परमार वंश के राजा नरवर्मन का भी उल्लेख है। खंभों और दीवारों पर बनी मानव और पशु आकृतियों को जानबूझकर क्षति पहुंचाई गई है। शिलालेखों में संस्कृत वर्णमाला, व्याकरण के नियम और 'कर्पूरमंजरी' नामक नाटक के अंश भी इतिहास की झलक साफ दिखा रहे थे।

पहले वसंत पंचमी फिर उर्स ने गर्माया माहौल

वैसे तो भोजशाला को लेकर विवाद की शुरुआत आजादी के पहले ही हो गई थी। मगर आजादी के बाद पहली बार विवाद तब शुरू हुआ जब 1951 में भोजशाला को संरक्षित स्मारक घोषित किया गया। अगले ही साल 1952 में हिंदुओं ने यहां भोज दिवस मनाना शुरू किया, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। जवाब में 1953 में मुस्लिम समुदाय ने यहां उर्स मनाने उतर आया। विवाद गहराने पर लंबे समय तक पूजा और नमाज दोनों की व्यवस्था कर दोनों धर्मावलंबियों को शांत रखा गया। इस बीच 1961 में इतिहासकार डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर लंदन गए। वहां उन्होंने वाग्देवी की प्रतिमा के भारतीय मूल के होने के साक्ष्य प्रस्तुत कर प्रतिमा भारत को लौटाने के प्रयास किए। वाकणकर तो सफल नहीं हुए, लेकिन अयोध्या विवाद के बाद भोजशाला को हवा मिल गई। यहां हिंदू पूजा के पूर्ण अधिकार की मांग उठ गई। 1994 में विश्व हिंदू परिषद द्वारा स्मारक पर झंडा फहराने के संकल्प से कर्फ्यू के हालात बन गए। 1997 में फिर सक्रिय हुए विहिप के कारण भोजशाला परिसर आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया।

बेटे को बचाने दौड़ी मां को हाईवा ने कुचला, मौत

जागरण, मऊगंज। जिले के जमुहरा गांव में सड़क हादसे में महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने महिला को कुचल दिया, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और हाईवा ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश देकर यातायात बहाल कराने का प्रयास किया। मृतका की पहचान जमुहरा निवासी आरती कोल 28 वर्ष के रूप में हुई है। शुक्रवार सुबह 9 बजे आरती का छोटा बेटा खेलते हुए अचानक सड़क की ओर चला गया। बच्चे को बचाने महिला दौड़कर सड़क पर पहुंची, तभी सीतापुर की ओर से गिट्टी लोड कर पन्नी जा रहे एक तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

तरबूज खाने के बाद पिता की मौत, बेटे की हालत गंभीर

जागरण, श्योपुर। जिले में शुक्रवार सुबह तरबूज खाने के बाद तबीयत बिगड़ने से एक शख्स की मौत हो गई, जबकि बेटे की हालत गंभीर है, उसे आईसीयू में एडमिट कराया गया है। दरअसल सीने में जलन की शिकायत के बाद पिता-पुत्र ने तरबूज खाया था। इस मामले में फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार सुसनेर, शाजापुर निवासी इंद्र सिंह परिहार 43 वर्ष, बेटे विनोद 21 वर्ष के साथ श्योपुर में रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने किराए के मकान में रहते थे। इंद्र सिंह ड्राइवर थे। परिजनों ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद उनकी तबीयत खराब हुई, जिसके बाद सुबह 6 बजे इंद्र सिंह और विनोद दोनों को दोबारा सीने में जलन हुई। ठंडाई के लिए दोनों बाप बेटे ने तरबूज खाया। तरबूज खाने के कुछ देर बाद उनकी तबीयत और ज्यादा खराब हो गई। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले गए। इंद्र सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें कोटा रेफर कर दिया। रास्ते में उनकी मौत हो गई। बेटे की हालत भी गंभीर बनी हुई है। मृतक इंद्र सिंह अपने पीछे पत्नी संगीता और तीन बेटों विनोद, राजा, देवा को छोड़ गए हैं। परिवार की एक अन्य सदस्य राधिका भी श्योपुर में उनके साथ रहती है। सिविल सर्जन डॉ. आरबी गोयल ने बताया कि दो लोगों को सुबह गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। तरबूज खाकर मौत होने जैसी बात फिलहाल सामने नहीं आई है। पेट में इन्फेक्शन हो सकता है। डॉ. परीक्षण कर रहे हैं, उसके बाद ही क्लियर होगा।

दमोह : दर्दनाक हादसे में दो बच्चों की मौत, तीन परिजन अस्पताल में

गेहूं में डाले कीटनाशक से कमरे में ही घुट गई चचेरे भाई-बहन की जान

समीर (7) भावना (12)

जागरण, दमोह। प्रदेश के दमोह जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के जेरठ गांव में घर में रखे गेहूं में परिवार ने कीटनाशक डाल रखा था। परिजनों को अंदेशा नहीं था कि उनका ये कदम परिवार के मासूमों की जिंदगी ही छीन लेगा। कीटनाशक की गंध के चलते दो चचेरे भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि परिवार के दो अन्य बच्चे और एक महिला बीमार हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, गेहूं को कीड़ों से बचाने के लिए उसमें डाली गई कीटनाशक दवा की गंध को हादसे की वजह माना जा रहा है। हादसे में 12 साल की भावना और उसके 7 वर्षीय चचेरे भाई समीर की जान चली गई। भावना के पिता दामोदर लोधी ने बताया कि उन्होंने करीब 8 दिन पहले उस कमरे में रखे 80 बोरी गेहूं में कीटनाशक दवा डाली थी। इसी कमरे में पूरा परिवार सोता है। शुक्रवार सुबह भावना और समीर को अचानक उल्टियां होने लगीं। दोपहर होते-होते दोनों की हालत इतनी बिगड़ी कि अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। समीर की मां विनीता का भी एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। दो बच्चों की मौत के कुछ ही घंटों बाद परिवार के दो और बच्चे, 10 साल का विनय और 3 साल का दीपक भी बीमार हो गए। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। दामोदर का कहना है कि उन्होंने उस गेहूं को खाया नहीं था, बल्कि कीटनाशक की तेज गंध की वजह से ही सबकी तबीयत खराब हुई है। पीड़ित परिवार ने आशंका जताई है कि दुकानदार ने उन्हें जरूरत से ज्यादा तेज गंध वाली दवा दे दी थी।

पॉइजनिंग का शक और पुलिस जांच

जिला अस्पताल के डॉक्टर बहादुर सिंह के मुताबिक, यह मामला पॉइजनिंग का ही लग रहा है। बच्चों को उल्टियां होने के बाद मृत हालत में अस्पताल लाया गया था। वहीं, जेरठ चौकी प्रभारी गोपाल सिंह ने बताया कि बच्चों के शवों को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और घरवालों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

जस्टिस काकडे करेंगे पटाखा फैक्ट्री हादसे की जांच, चारों तरफ दिखा तबाही का मंजर

देवास के टोंककला में हादसे के बाद मजदूरों का पलायन शुरू

जागरण, देवास। प्रदेश के देवास जिले के ग्राम टोंककला में स्थित पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में अब तक 5 लोगों की जान जा चुकी है। 22 घायलों में 12 को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 10 घायल अभी भी देवास और इंदौर में भर्ती है, जिनमें से तीन लोगों की स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पटाखा फैक्टरी व आसपास के क्षेत्र में सन्नाटा छाया है। राज्य शासन ने हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दिये हैं। सरकार ने इसके लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुभाष काकडे द्वारा न्यायिक जांच आयोग के गठन की अधिसूचना जारी की है । वहीं घायल मजदूर शुक्रवार दोपहर 2 बजे की ट्रेन से बिहार के लिए रवाना हो गए। जानकारी के अनुसार कुल 11 कर्मचारी अपने गृह राज्य बिहार लौटे हैं। प्रशासन की ओर से सभी मजदूरों को भोजन की व्यवस्था के साथ प्रत्येक को 10,000 की सहायता राशि दी गई और बिहार तक का रेल किराया भी उपलब्ध कराया। सीएम के आदेश के बाद जांच-पड़ताल शुरु हो गई है। शुक्रवार को फैक्टरी में कई बार पुलिस के अधिकारियों का आना-जाना लगा रहा। साथ ही एफएसएल की टीम, प्रदूषण विभाग, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम भी पहुंची और हर बिंदू का बारीकी से अध्ययन किया। हालांकि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस बात का खुलासा होगा कि आखिरकार किन कारणों और किनकी लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है।

दो-तीन माह से नहीं मिला वेतन

फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से ही फैक्ट्री संचालक फरार है और उनके रहने-खाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। मजदूरों का कहना है कि उन्हें पिछले दो-तीन महीनों से वेतन भी नहीं मिला था, जिससे वे आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद परेशान थे। कर्मचारियों ने बताया कि लगातार बढ़ती परेशानियों के चलते उन्होंने अपने गृह राज्य बिहार लौटने का फैसला लिया। प्रशासन ने उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए सहायता उपलब्ध कराई।

इनका कहना है

पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के कारणों की जांच के लिए गठित की गई टीम के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए है। शुक्रवार को एफएसएल टीम, प्रदूषण बोर्ड व स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने मौके से कई तथ्य जुटाए है। आगे की जांच जारी है।

ऋतुराज सिंह, कलेक्टर, देवास

शराब कारोबारी आत्महत्या मामले में सीबीआई जांच के आदेश

जागरण, इंदौर। मप्र हाईकोर्ट ने देवास के शराब कारोबारी की आत्महत्या मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को एफआईआर दर्ज कर जांच करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी एफआईआर दर्ज करने में जानबूझकर देरी करते दिखे और ऐसा प्रतीत होता है कि वे आबकारी अधिकारी के प्रभाव में काम कर रहे थे। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की पीठ ने कहा कि मृतक द्वारा छोड़े गए वीडियो सुसाइड नोट में जिन रकमों का उल्लेख किया, वे बेहद बड़ी हैं और आत्महत्या से पहले वीडियो रिकॉर्ड किया जाना मामले को गंभीर बनाता है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। मामला देवास के शराब कारोबारी दिनेश मकवाना की आत्महत्या से जुड़ा है, उनकी मां ने अदालत में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि देवास में तैनात तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा लगातार रिश्वत की मांग और प्रताड़ना के कारण उनके बेटे ने 8 नवंबर 2025 को सेल्फोस खाकर आत्महत्या कर ली। याचिका के अनुसार, मकवाना ने आत्महत्या से पहले वीडियो संदेश रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने आरोप लगाया कि आबकारी अधिकारी हर शराब दुकान से प्रति माह डेढ़ लाख रुपये मांगता था और हर बोतल पर 10 रुपये कमीशन भी चाहता था। वीडियो में मृतक ने कहा था कि वह पहले ही 20 से 22 लाख रुपये दे चुका है, लेकिन कारोबार में घाटे के कारण आगे भुगतान करने में असमर्थ था। उसने यह भी आरोप लगाया कि भुगतान नहीं करने पर गोदाम से शराब की सप्लाई रोकी जा रही थी। अदालत ने पाया कि 29 नवंबर 2025 को सुसाइड नोट संबंधित थाने को सौंपे जाने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। केवल एक साइबर फोरेंसिक रिपोर्ट हासिल की गई, जिसमें कहा कि यह सत्यापित नहीं किया जा सकता कि वीडियो उसी मोबाइल से बनाया गया था या नहीं। अदालत की राय में संबंधित पुलिस थाना और वरिष्ठ अधिकारियों की एफआईआर दर्ज करने में दिखाई गई बेचैनी इस मामले में अदालत के हस्तक्षेप को आवश्यक बनाती है। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि दिनेश मकवाना की आत्महत्या और वीडियो सुसाइड नोट को दबाने की कोशिश की जा रही थी। वहीं आरोपी आबकारी अधिकारी की ओर से कहा गया कि वीडियो से छेड़छाड़ की गई और वह एडिटिड है। यह भी दलील दी गई कि कारोबारी पहले से 34 लाख रुपए के आबकारी बकाये के दबाव में था और लाइसेंस रद्द होने की आशंका से परेशान था।

मप्र हाईकोर्ट ने एफआईआर में देरी पर पुलिस को फटकारा

रेप पीड़िता को जांच के लिए पांच घंटे करना पड़ा इंतजार

जागरण, छिंदवाड़ा। जिला अस्पताल में मानवता को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। दरअसल मेडिकल जांच के लिए 40 किमी दूर से जिला अस्पताल लाई गई रेप पीड़िता और पुलिस को करीब 5 घंटे इंतजार करना पड़ा। आरोप है कि यहां तैनात महिला डॉक्टर को कई बार सूचना देने के बावजूद वह समय पर अस्पताल नहीं पहुंचीं। इस दौरान पीड़िता अस्पताल में परेशान होती रही। डॉक्टर 5 घंटे बाद शाम 6.20 बजे पहुंचीं। हालांकि उसी समय अस्पताल की बिजली गुल हो गई, जिससे जांच प्रक्रिया में और देरी हुई। इस दौरान पीड़िता के साथ लावाघोघरी थाने की एएसआई उषा जावरकर भी स्टाफ के साथ मौजूद थीं। पुलिस ने बताया कि महिला रात में गांव से खेत में बने घर जा रही थी। रास्ते में रिश्ते के चाचा ने रास्ता रोककर उसके साथ दुष्कर्म किया। दूसरे दिन सुबह पीड़िता अपने पति के साथ पुलिस के पास पहुंची। इसके बाद महिला पुलिस के साथ पीड़िता को एमएलसी के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

छिंदवाड़ा के जिला अस्पताल में सामने आई लापरवाही

विजनेस प्लस

इंडियन सिल्क हाउस ने भोपाल में लॉन्च किया पहला स्टोर

भोपाल। इंडियन सिल्क हाउस एजेंसी ने भोपाल में अपना पहला स्टोर लॉन्च किया है, जो भारत में ब्रांड का 68वां स्टोर है। यह मध्य प्रदेश में चौथा स्टोर है, जिससे कंपनी ने राज्य में अपनी उपस्थिति और मजबूत की है। 1600 वर्गफीट में फैला यह स्टोर भारत की साड़ियों की अवधारणा को आगे बढ़ाता है। यहां कांजीवरम, बनारसी, चंदेरी, माहेश्वरी सहित विभिन्न पारंपरिक साड़ियों का संग्रह उपलब्ध है। कंपनी का नेटवर्क 60 से अधिक बुनकर समुदायों और 15000 से अधिक कारीगरों तक फैला है। सीईओ दर्शन दुधोरिया के अनुसार, ब्रांड का लक्ष्य साड़ी को रोजमर्रा के आधुनिक परिधान के रूप में स्थापित करना है।

हनी ट्रैप : भाजपा नेत्री ने फर्नीचर व्यापारी को ब्लैकमेल कर मांगे 10 लाख

मुरैना में पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, मास्टर माइंड महिला सहित दो की तलाश

जागरण, मुरैना। जिले के जोरा कस्बे में एक फर्नीचर व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाकर 10 लाख की राशि मांगी। मामले की मास्टर माइंड खुद को समाज सेविका और भाजपा नेत्री बताती है। पीड़ित फर्नीचर व्यापारी ने जौरा थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है, जिसके बाद पुलिस ने दो पुरुष आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो महिला आरोपी फरार हैं। मामले की मास्टरमाइंड महिला के कई भाजपा नेताओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। फर्नीचर व्यापारी रमेश शिवहरे ने शिकायत में बताया कि भाजपा नेत्री सोनम कुशवाह ने अपनी एक महिला साथी मीरा कुशवाह और दो पुरुष साथी गजेंद्र और सचिन कुशवाह के साथ मिलकर उसे फंसाया फिर दस लाख रुपए मांगे। इससे घबराकर उसने थाने पहुंचकर केस दर्ज कराया। मालूम हो कि तीन माह पहले एक कार्यक्रम के दौरान सोनम और रमेश की पहचान हुई, जिसके बाद दोनों ने अपने नंबर साझा किये। 10 मई को सोनम ने व्यापारी को एक जगह फर्नीचर और एसी लगाने के लिए बुलाया। व्यापारी रमेश जब यहां पहुंचा तो सोनम के साथ मीरा नाम की महिला पहले से उसका इंतजार कर रही थी। इसके बाद सचिन और गजेंद्र भी वहां पहुंच गए। चारों ने जबरन रमेश के कपड़े उतार कर वीडियो बनाया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दस लाख की मांग की। रमेश का आरोप है कि आरोपियों ने उनकी सोने की अंगूठी और रुपए भी छीन लिए।

पहले भी एक किसान को फंसाया

इस गैंग पर बीते साल नवंबर में माता बसैया थाने में हनी ट्रैप को लेकर एफआईआर दर्ज हुई थी। मामले में सोनम गैंग ने एक किसान को फंसाकर उससे पहले फोन पर अश्लील बात की फिर उसे वायरल करने के नाम पर उसकी तीस लाख रुपए कीमत की जमीन अपने नाम बेचने का अनुबंध करा लिया। बाद में वह किसान पुलिस के संपर्क में पहुंचा और मामला दर्ज कराया। एएसपी सुरेंद्र पाल सिंह के अनुसार जौरा के फर्नीचर व्यापारी को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया था, उस पर महिला नेत्री के दो पुरुष साथी गजेंद्र और सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों महिला मुख्य आरोपी सोनम और मीरा कुशवाह अभी भी फरार है।

युवती ने डॉक्टर का अश्लील वीडियो बनाकर मांगे पांच लाख, गिरफ्तार

जागरण, सिंगरौली। जिले से बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कोतवाली बैढ़न पुलिस ने ब्लैकमेलिंग के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने एक युवती को गिरफ्तार किया है, जिसने साथी के साथ मिलकर एक डॉक्टर का वीडियो कॉलिंग के दौरान अश्लील वीडियो बना उनसे 5 लाख रुपए की डिमांग की थी। शिकायत के अनुसार, बैढ़न निवासी पीड़ित डॉक्टर की पहचान इलाज के दौरान 24 वर्षीय साक्षी से हुई थी। धीरे-धीरे फोन पर बातचीत बढ़ी। आरोप है कि 8 मई 2026 को साक्षी ने डॉक्टर को वीडियो कॉल किया और चालाकी से उनका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वह अपने एक साथी के साथ मिलकर डॉक्टर को धमकाने लगी कि अगर 5 लाख नहीं दिए, तो वीडियो उनकी पत्नी को भेज दिया जाएगा और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जाल बिछाकर मुख्य आरोपी को धर दबोचा। वहीं एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ब्लैकमेलिंग में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है।

घर लौट रहे तीन दोस्त हादसे का शिकार, मौत

जागरण, पन्ना। जिले के अजयगढ़ क्षेत्र में देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। नहरी पुल के पास हुए इस हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। मृतकों में एक युवक की शादी की पहली सालगिरह के दिन ही जिंदगी खत्म हो गई। जानकारी अनुसार, विजय कुशवाहा, रज्जू कटकारी और हेतराम केवट नहरी से अपने घर लौट रहे थे, इसी दौरान झाल के पास हादसे का शिकार हो गए। राहगीरों ने जब उन्हें लहूलुहान हालत में सड़क पर तड़पते देखा, तो तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने आनन-फानन में तीनों को अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां रज्जू को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पन्ना रेफर किया। पन्ना पहुँचते ही हेतराम ने भी दम तोड़ दिया। तीसरे घायल विजय की हालत नाजुक होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

160

75,237

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
TMPV	366.95	5.25%
Dr Reddys Labs	1,344.90	2.54%
Infosys	1,133.20	2.19%
Tech Mahindra	1,387.70	2.02%
Coal India	468.50	1.79%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Hindalco	1,057.60	-3.24%
Nestle	1,427.50	-1.99%
Tata Steel	216.00	-1.94%
Eternal	240.41	-1.89%
Reliance	1,329.20	-1.87%

फॉरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	95.9600
यूरो	111.59
येन	0.6055
पौंड	128.09

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से देश में महंगाई में उछाल आने की आशंका

नई दिल्ली, जेएनएन। पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ गई है। इससे केवल पेट्रोल पंप पर ही आपको ज्यादा पैसे नहीं चुकाने पड़ेंगे बल्कि इसका आपकी जिंदगी पर व्यापक असर होगा। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से देश में महंगाई में उछाल आने की आशंका है क्योंकि इससे माल ढुलाई महंगी होगी। साथ ही बस का किराया महंगा हो सकता है और कैब या बाइक राइड के लिए भी आपको ज्यादा पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। घर में आने वाला ग्रॉसरी का सामान और फ्लाइट्स की टिकट भी महंगी हो सकती है। सब्जी ढोने वाले ट्रक से लेकर आपके घर तक ग्रोसरी पहुंचाने वाली बाइक तक भारत की इकॉनमी काफी हद तक डीजल और पेट्रोल पर निर्भर है। सरकार भी इस बात को समझती है। यही वजह है कि उसने काफी इंतजार करने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3 रुपये से ज्यादा का इजाफा किया है।

कच्चा तेल 50 प्रतिशत महंगा हुआ

ईरान युद्ध के बाद कच्चा तेल 50 प्रतिशत महंगा हो चुका है लेकिन इसके अनुरूप देश में पेट्रोल-डीजल कीमत नहीं बढ़ी थी। इससे सरकारी कंपनियों को हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने पेट्रोल-डीजल की महंगाई का भार आम आदमी पर डालने की वकालत की थी।

ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की रीढ़ है डीजल?

अगर डीजल को भारत के ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की रीढ़ कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सब्जी, फल, ग्रॉसरी, दूध, पैकेज्ड फूड, दवा और रोजमर्रा की जरूरी चीजें ले जाने वाले अधिकांश ट्रक डीजल से चलते हैं। बस, ट्रैक्टर, जेनरेटर और कमर्शियल वीकल्स भी इस पर निर्भर हैं।

सीधा किचन बजट पर होगा असर

ईंधन की कीमत बढ़ने का पहला असर आपके किचन के बजट पर पड़ता है। सब्जी, फल, दूध, दही, पनीर, अनाज, खाद्य तेल और पैकेज्ड फूड की कीमत में तेजी आ सकती है। इस तरह का सामान जल्दी पहुंचाना पड़ता है और इनके लिए रेफ्रिजरेटेड वीकल्स या कोल्ड स्टोरेज सिस्टम की जरूरत होती है। इस तरह की गाड़ियों में ज्यादा तेल लगता है।

सब्जियां और राशन हो सकते हैं महंगे

डीजल महंगा होने से खेतों से मंडियों तक अनाज, फल और सब्जियां पहुंचाने वाले ट्रकों का किराया बढ़ जाएगा। इसका असर सीधे खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ेगा साथ ही दूध, फल और हरी सब्जियों के दामों में लगभग 5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। आटा, दाल, चावल और अन्य पैकेटबंद खाद्य पदार्थ भी परिवहन लागत बढ़ने के कारण महंगे हो सकते हैं।

डीजल महंगा होने का असर

- पेट्रोल-डीजल महंगा होने से आपका बजट बुरी तरह प्रभावित हो सकता है
- देश में खासकर डीजल को भारत के ट्रांसपोर्ट नेटर्क की रीढ़ माना जाता है
- अधिकांश ट्रक, ट्रैक्टर, जेनरेटर और कमर्शियल वीकल्स इस पर निर्भर हैं
- ट्रांसपोर्ट महंगा होने से सब्जी, फल, सब्जी और दूसरे आइटम महंगे होंगे

अप्रैल में भारत का निर्यात बढ़कर 43.56 अरब डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। व्यापारिक मोर्चे पर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अप्रैल का महीना मिले-जुले संकेत लेकर आया है। एक ओर भारत के कुल निर्यात में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर पश्चिम एशिया के साथ व्यापार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल निर्यात और आयात दोनों में बढ़ोतरी हुई है, जो घरेलू और वैश्विक मांग की मजबूती को दर्शाती है।

कुल निर्यात और आयात की स्थिति

सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में भारत के कुल निर्यात ने मजबूत प्रदर्शन किया। अप्रैल में भारत का कुल निर्यात सालाना आधार पर 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। यह वृद्धि भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग और निर्यातकों के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है। इसी अवधि में आयात में भी लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पश्चिम एशिया के साथ व्यापार में गिरावट

कुल व्यापारिक आंकड़ों में मजबूती के बावजूद पश्चिम एशिया के साथ भारत के व्यापार में अप्रैल के दौरान बड़ी कमी दर्ज की गई। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 28 प्रतिशत घटकर 4.16 अरब डॉलर रह गया, जबकि पिछले वर्ष अप्रैल में यह 5.78 अरब डॉलर था। पश्चिम एशिया से आयात में भी 31.64 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

आईटीसी होटल्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 317 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, जेएनएन। आईटीसी होटल्स का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23.1 प्रतिशत बढ़कर 317.43 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी होटल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,253.70 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,060.62 करोड़ रुपये थी। हालांकि, इस तिमाही में कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 895.35 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 की समान तिमाही में 749.81 करोड़ रुपये था। आईटीसी होटल्स के निदेशक मंडल ने जूरी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर खरीद समझौते को भी मंजूरी दे दी है। जूरी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स केरल में 'द जूरी किंगमेकर्स, केरला रिजॉर्ट एंड स्पा' का स्वामित्व और संचालन करती है। यह 18 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई, जेएनएन। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 22 पैसे टूटकर 95.86 (अस्थायी) के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के कारण रुपये पर दबाव बढ़ा है। कारोबार के दौरान एक समय यह 96 प्रति डॉलर के से नीचे चला गया था। रुपया इस वर्ष अब तक छह प्रतिशत से अधिक टूट चुका है और पिछले छह कारोबारी सत्रों में यह लगभग दो प्रतिशत कमजोर हुआ है। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के साथ रुपये में गिरावट आई है।

चांदी एक दिन में 19,693 सोना रुपये 3,000 सस्ता हुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। 15 मई को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एक किलो चांदी की कीमत में 19,693 रुपए की कमी आई है। इसके बाद चांदी का भाव घटकर 2.68 लाख रुपए प्रति किलो रह गया, जबकि गुरुवार को इसकी कीमत 2.87 लाख रुपए थी। वहीं, 24 कैरेट सोने की कीमत में भी 3,000 रुपए की गिरावट आई है। अब 10 ग्राम सोना 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को सोना 1.61 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। पिछले कुछ महीनों में सोने और चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 31 दिसंबर 2025 को सोने का भाव 1.33 लाख प्रति 10 ग्राम । 29 जनवरी 2026 को ऑल टाइम हाई 1.76 लाख प्रति 10 ग्राम। वर्तमान कीमत 1.58 लाख प्रति 10 ग्राम वहीं 31 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2.30 लाख प्रति किलो था। 29 जनवरी 2026 को ऑल टाइम हाई 3.86 लाख प्रति किलो पहुचा। वर्तमान में कीमत 2.68 लाख प्रति किलो है।

ईंधन महंगा होते ही रफ्तार पकड़ रहा ईवी बाजार, कंपनियों ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली, जेएनएन। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की बढ़ती कीमतों के बीच भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। 15 मई को ईंधन कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद ऑटोमोबाइल कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाने की तैयारी तेज कर दी है। उद्योग जगत का मानना है कि महंगे ईंधन, बेहतर चार्जिंग नेटवर्क और नए मॉडलों की बढ़ती उपलब्धता आने वाले महीनों में भारत के ईवी बाजार को नई रफ्तार दे सकती है। बढ़ती मांग को देखते हुए देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां अब ईवी उत्पादन बढ़ाने में जुट गई हैं।

टाटा मोटर्स: टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के एमडी और सीईओ शैलेश चंद्रा के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट के बाद कंपनी की ईवी बुकिंग में 25-30% तक का उछाल दर्ज किया गया है। कंपनी ने इस महीने से उत्पादन 10 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया है। हालांकि यह आपूर्तिकर्ताओं की उत्पादन क्षमता पर भी निर्भर करेगा।

बजाज ऑटो और हिरो मोटोकोर्प: दोनों कंपनियां तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए ईवी उत्पादन बढ़ा रही हैं। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा के मुताबिक, चौथी तिमाही में ई-स्कूटर सेगमेंट में 40% की वृद्धि दर्ज हुई थी।

सोने का आयात अप्रैल में 82% चांदी का 157 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली, जेएनएन। सोने की ऊंची कीमतों के बीच अप्रैल में भारत का सोने का आयात 81.69 प्रतिशत बढ़कर 5.62 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने के बाद आने वाले महीनों में इसमें कमी आने की संभावना जताई गई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में चांदी का आयात 157.16% बढ़कर 41.1 करोड़ डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात मूल्य के लिहाज से 24% बढ़कर रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, मात्रा के लिहाज से आयात 4.76% घटकर 721.03 टन रहा। सरकार ने 13 मई से सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क 6%से बढ़ाकर 15% कर दिया है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि आयात शुल्क बढ़ने से वर्ष के दौरान सोने और चांदी के आयात पर असर पड़ेगा और इनमें कमी आ सकती है। चांदी का औद्योगिक उपयोग अधिक होने के कारण उस पर शुल्क वृद्धि का असर अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स में 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली, जेएनएन। फ्लिपकार्ट सकल वस्तु मूल्य (जीएमवी) के आधार पर 50 से 60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश के ई-कॉमर्स बाजार में अग्रणी बना हुआ है। ब्रोकरेज कंपनी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और सीएलएसए की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जीएमवी किसी ई-कॉमर्स मंच या मार्केटप्लेस के माध्यम से एक निश्चित समयावधि में बेचे गए सामान का कुल मौद्रिक मूल्य है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिपकार्ट ने एक सप्ताह में 85 लाख साप्ताहिक उपयोगकर्ता जोड़े हैं, जो प्रमुख ई-कॉमर्स मंचों में सबसे अधिक है। इससे कंपनी की बाजार में बढ़त और मजबूत हुई है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा कि वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट के मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 22 करोड़ से 24 करोड़ के बीच आंकी गई है, जबकि भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 85 करोड़ है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी नए उपयोगकर्ता जोड़ने के बजाय मौजूदा ग्राहकों को अधिक उत्पाद श्रेणियों से जोड़ने और बिक्री बढ़ाने की रणनीति पर ध्यान दे रही है।

दिल्ली में पहली बार हाइड्रोजन शटल बस सेवा शुरू हुई

नई दिल्ली, जेएनएन। राजधानी दिल्ली में स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने 15 मई से सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में हाइड्रोजन गैस से चलने वाली शटल बस सेवा शुरू कर दी है। यह पहल आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सहयोग से शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दिल्ली मेट्रो को दो अत्याधुनिक हाइड्रोजन बसें सौंपी हैं। यह पहली बार है जब दिल्ली में हाइड्रोजन ईंधन आधारित सार्वजनिक बस सेवा शुरू की गई है। यह हाइड्रोजन शटल सेवा सेंट्रल सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन के बीच संचालित की जाएगी। इसके जरिए सेंट्रल विस्टा क्षेत्र के कई प्रमुख सरकारी कार्यालयों और महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ा जाएगा।

भारत का प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग 23,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा, महाराष्ट्र शीर्ष परः रिपोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग का कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 23,021 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। राज्यों में महाराष्ट्र कुल बिक्री में 15.3% हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रहा। उद्योग संगठन इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। आईडीएसए की 'डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री 2025 आउटलुक' नाम से जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में उद्योग का कारोबार 22,142 करोड़ रुपये था। यह अध्ययन बाजार शोध कंपनी इप्सोस ने किया है। इसे बुधवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव खंडेलवाल ने जारी किया। खंडेलवाल ने कहा कि देश 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है और ऐसे क्षेत्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी जो उद्यमिता, स्वरोजगार और समावेशी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग को सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत माध्यम बताया। रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग ने पिछले छह वर्षों में 6.5% की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है। उद्योग का कारोबार वित्त वर्ष 2019-20 के लगभग 16,800 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 23,021 करोड़ रुपये हो गया। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 27.58 प्रतिशत रही।

इसके बाद पश्चिमी क्षेत्र की हिस्सेदारी 25.47 प्रतिशत, पूर्वी क्षेत्र की 22.47 प्रतिशत, दक्षिणी क्षेत्र की 17.81 प्रतिशत और पूर्वोत्तर क्षेत्र की 6.67 प्रतिशत रही। राज्यों में महाराष्ट्र 15.31 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रहा।

आईआईएफएल फाइनेंस पर 3.1 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई, जेएनएन। भारतीय रिजर्व बैंक ने आईआईएफएल फाइनेंस पर नियमों के पालन में कुछ कमियों के लिए 3.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना 'मास्टर डायरेक्शन भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-स्केल आधारित विनियमन)' के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। एक बयान में, केंद्रीय बैंक ने कहा कि आईआईएफएल फाइनेंस का 31 मार्च, 2025 तक की उसकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में एक वैधानिक निरीक्षण किया गया था। आरबीआई ने कहा, रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन नहीं करने के संबंध में निगरानी निष्कर्षों और उससे जुड़े पत्राचार के आधार पर, कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। इसमें कंपनी से पूछा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। नोटिस पर कंपनी के जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान दी गई मौखिक दलीलों पर विचार करने के बाद, रिजर्व बैंक ने पाया कि कंपनी के खिलाफ आरोप सही साबित हुए। इसके कारण मौद्रिक जुर्माना लगाना जरूरी हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा, कंपनी गिरवी रखे गए सोने के सामान की नीलामी से मिली अतिरिक्त राशि जो बकाया ऋण से ज्यादा थी, कुछ उधारकर्ताओं को देने में विफल रही थी।'' केंद्रीय बैंक ने एपनिट टेक्नोलॉजीज पर भी केवाईसी और 'प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स' पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए 5.8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। कंपनी ने आधार ओटीपी-आधारित ई-केवाईसी का उपयोग करके खोले गए पीपीआई खातों को, केवाईसी निर्देशों के अनुसार पहचान प्रक्रिया पूरी किए बिना एक वर्ष से अधिक समय तक जारी रहने दिया।

The Court Of Shri Shri Anand Kumar Tiwari, Member Motor Accident Claims, District Court Shajapur MP
Presiding Officer : श्री आनंद कुमार तिवारी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MACC/0000181/2024)
कृष्णा बाई..........वादी
V/s
दिनेश यादव..........प्रतिवादी
Process Id- 626/2026
पेशी दिनांक :- 30/06/2026

प्रेषिती -
(1) दिनेश यादव पिता उदयराज यादव निवासी मकान नम्बर 56 गुरूनगर मालवीय नगर के पास इन्दौर तहसील जिला इन्दौर म.प्र. (2) पाटेश्वरी पिता आंधी निवासी मकान नम्बर 17 पलसेक्टर कार्लीधी गोल्ड सीटी इन्दौर तहसील जिला इन्दौर म.प्र.

यह कि प्रार्थी **कृष्णा बाई** ने आपके विरूद्ध **आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 मोटरयान अधिनियम** के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के **30 दिवस** के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सुचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 14 May 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

(आनंद कुमार तिवारी)
मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
शाजापुर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:-1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

भोपाल को-ऑपरेटिव सेन्ट्रल बैंक लिमिटेड
24-25, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर, भोपाल - 462003
फोन : 0755-255414,49

निविदा-सूचना

"भोपाल को-ऑपरेटिव सेन्ट्रल बैंक लि., भोपाल द्वारा सी.सी.टी.वी. सिस्टम क्रय हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाईट https://bccbbhopal.bank.in/ पर दिनांक 16.05.2026 से उपलब्ध है। इच्छुक फर्म/संस्था कृपया निर्धारित प्रारूप एवं समयावधि में दरें प्रस्तुत करें।"

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

// कार्यालय, पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी), भोपाल (म.प्र.)//

पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव हेतु आवश्यकतानुसार टायर-ट्यूब क्रय करने के लिए 3 माह के लिये ऑनलाईन निविदा आमंत्रित

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पी.टी.एस. (एमटी) पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव के लिये टायर-ट्यूब आवश्यकतानुसार क्रय करने हेतु 3 माह के लिए दर अनुबंध किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। नियम एवं शर्ते तथा अनुबंध की विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in तथा www.mppolice.gov.in की बेवसाईट पर प्राप्त की जा सकती हैं।

निविदा प्रकाशन की दिनांक	08/05/2026 के 17:00 बजे।
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	08/05/2026 के 18:00 बजे।
प्री बिड मीटिंग दिनांक	12/05/2026 के 12:00 बजे।
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	14/05/2026 के 11:00 बजे।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	29/05/2026 के 14:00 बजे।
निविदा खोलने की दिनांक	01/06/2026 के 16:00 बजे।

जी-12933/26
बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल
पुलिस अधीक्षक
पी.टी.एस. (एमटी), भोपाल

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
OFFICE OF THE CHIEF GENERAL MANAGER (BHOPAL REGION)
Nishtha Parisar, Bijlinagar, Govindpura, Bhopal-462023
Phone : 0755-2588291, E-mail : sepurchasebr@gmail.com
NIT No. : CGM/BR/02/Pur/1332 Bhopal, Dated : 15.05.2026

NOTICE INVITING E-TENDER (OPEN TENDER)

E-Tenders are invites bids from eligible bidders for supply of following item :-

TS No.	Particulars	Approx. Value (In Lakh)	Tender Fee (In Rs.)	EMD (In Rs.)	Date of Opening of Bids Online
CGM/BR/TS-161	Rate Contract for Supply of ISI marked Torch Re-Chargeable LED Type.	21.78 Lakh	2000/- + GST @ 18 % Extra	44000/-	08.06.2026 at 15:30 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company website : https://portal.mpcz.in & https://mptenders.gov.in or the under signed office.
M.P. Madhyam/125799/2026 CHIEF GENERAL MANAGER BHOPAL REGION

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड नर्मदापुरम्
दूरभाष क्रमांक 07574-253119
Email Address-eephedhos@mp.nic.in

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं ऑनलाईन प्रस्तुत किये जावेंगे। ऑनलाईन वित्तीय ऑफर दिनांक 27.05.2026 शाम 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (e-EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	रिमार्क
01/26-27 Date 13-05-2026	2026_PHED_507138_1	Hiring of 01 no. inspection vehicle (A.C.) (Diesel Car/Jeep of Ex. show room price upto Rs. 6.50 Lacs) for handpumps, water supply schemes and other govt. works in rural areas under Superintending Engineer, Public Health Engineering Department, Narmadapuram Circle, Narmadapuram for one year..	216000/-	4320/-	2000/-	365 दिवस (वर्षाकाल सहित)	

जी-12928/26
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, नर्मदापुरम्

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमंडलाधिकारी उपवनमंडल (उत्पादन) सीहोर
mp forest department
फोन नं. 9770096802 सीहोर- इछावर राजमार्ग, क्रिसेंट रिसोर्ट के पास काष्ठागार सीहोर E-Mail :- rajesh3216@gmail.com.

विज्ञप्ति

क्रमांक/277 सीहोर/दिनांक/04/05/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वन अपराध प्रकरण में निम्नानुसार वाहन अवैध सागौन इमारती वनोपज परिवहन करते हुए मध्य प्रदेश वनोपज व्यापार विनियमन अधिनियम 1969 की धारा 5 (1) 15,16 भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52,41 के अन्तर्गत जप्त किये गये हैं। कुछ प्रकरणों में वाहन मालिकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के उपरान्त भी वे उपस्थित नहीं हो रहे हैं। प्रकरण ज्ञात/अज्ञात में पंजीबद्ध हुये हैं। अतः विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमंडलाधिकारी उपवनमंडल (उत्पादन) सीहोर के कार्यालय में उपस्थित होकर जप्त वाहनों में हित/हक रखने वाले अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण में जप्त वाहनों को राजसात करने की एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी, प्रकरण का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	परिक्षेत्र का नाम	वन अपराध प्रकरण क्रमांक/दिनांक	वाहन का विवरण	वाहन का पंजीयन क्रमांक	वाहन मालिक/आरोपी का नाम/पता	अपराध का प्रकार	जप्ती स्थल
1		2	3	4	5	6	7
1	इछावर	42247/21 02.04.2026	मोटर साइकिल हीरो स्प्लेण्डर प्लस ।	बिना नम्बर, चेचिस नम्बर, इंजन नम्बर अस्पष्ट	अज्ञात	सागौन इमारती चरपट का अवैध परिवहन।	देवपुरा से दिवड़िया मार्ग पर मोटर साइकिल हीरो स्प्लेण्डर प्लस बिना नम्बर द्वारा सागौन इमारती चरपट का अवैध रूप से परिवहन करते हुए जप्त।

जी-12893/26
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार
(राजेश शर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी/
उपवनमण्डलाधिकारी (उत्पादन) सीहोर

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

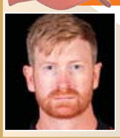

क्लासेन (हैदराबाद)	508
सुदर्शन (गुजरात)	501
विराट (बेंगलुरू)	484

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	22
कगीसो रबाडा (गुजरात)	21
अंशुल कंबोज (चेन्नई)	19

बाउंड्री मीटर

1116 छक्के
1809 चौके
115 अर्धशतक

निकोलस पुरन (21) बतौर फील्डर लखनऊ के लिए सर्वाधिक कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने दीपक हुड्डा (20) का रिकॉर्ड तोड़ा।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	12	8	4	16	1.053
गुजरात	12	8	4	16	0.551
हैदराबाद	12	7	5	14	0.331
पंजाब	12	6	5	13	0.355
राजस्थान	11	6	5	12	0.082
चेन्नई	12	6	6	12	0.027
दिल्ली	12	5	7	10	-0.993
कोलकाता	11	4	6	9	-0.198
मुंबई	12	4	8	8	-0.505
लखनऊ	12	4	8	8	-0.701

मैच 59: सीजन का पहला मैच खेलते हुए आकाश ने लिए तीन विकेट, मार्श ने खेली 90 रनों की पारी

मार्श-आकाश ने सीएसके को टॉप-4 में जाने से रोका

प्लेयर ऑफ द मैच
मिचेल मार्श
90 रन
38 गेंद
09 चौके
07 छक्के

जेएनएन, लखनऊ

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जब लखनऊ पहुंची थी, तो उनकी निगाहें दो अंक हासिल करके आईपीएल 2026 में पहली बार टॉप-4 में प्रवेश करने पर थीं। हालांकि, मिचेल मार्श ने कुछ और ही ठान रखा था और उन्होंने चेपक में मिली हार का बदला लेने का मन बना रखा था। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने पांच विकेट पर 187 रन का स्कोर खड़ा कर लिया था, जिसके बाद प्लेऑफ से पहले ही बाहर हो चुकी लखनऊ सुपर जॉएंट्स के ऊपर दबाव दिख रहा था। लेकिन मार्श ने 90 रनों की विध्वंसक पारी खेलते हुए सुपर जाएंट्स के लिए ऐसी नींव सेट की, जिसकी वजह से उनकी टीम 20 गेंद शेष रहते ही मैच जीत गई। सुपर किंग्स की यह 12 मैचों में छठी हार है, लेकिन टीम का नेट रनरेट 0.185 से गिरकर 0.027 हो गया और टीम तालिका में पांचवें से छठे स्थान पर खिसक गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की शुरुआत खराब रही और टीम 7.2 ओवर में 52 रन पर तीन विकेट गंवाकर दबाव में आ गई थी। सीजन का पहला मैच खेल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश सिंह ने 31 के स्कोर पर गायकवाड़ (13) को शिकार बनाया। दूसरे छोर से सैमसन लगातार रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। पावरप्ले के आखिरी ओवर में 36 के स्कोर पर आकाश ने सैमसन (20) को भी फंसा लिया। इसके बाद उन्होंने पिछले मैच में आतिशी पारी खेलने वाले उर्विल पटेल (6) को भी चलता किया। इसके बाद कार्तिक शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस (25) ने चौथे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर पारी को संभाला। आखिरी में शिवम दुबे ने 16 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्सः 187/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
सैमसन का. मुकुल बो. आकाश	20	20	3	0
गायकवाड़ का. पूरन बो. आकाश	13	9	2	0
उर्विल का. मार्श बो. आकाश	6	7	1	0
कार्तिक का. मार्करम बो. शाहबाज	71	42	6	5
ब्रेविस का. आकाश बो. शमी	25	16	0	2
शिवम दुबे नाबाद	32	16	3	2
प्रशांत वीर नाबाद	13	10	1	0

अतिरिक्तः 7, **कुलः** 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन, **विकेट पतनः** 1-31, 2-36, 3-52, 4-122, 5-142, **गेंदबाजीः** मोहम्मद शमी 4-0-41-1, आकाश सिंह 4-0-26-3, प्रिंस यादव 4-0-49-0, मयंक यादव 4-0-26-0, शाहबाज अहमद 4-0-45-1.

लखनऊ सुपर जाएंट्सः 188/3 (16.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श रनआउट	90	38	9	7
इंग्लिस का. पटेल बो. चौधरी	36	32	3	1
निकोलस पूरन नाबाद	32	17	1	4
अब्दुल समद बो. जॉनसन	7	3	0	1
मुकुल चौधरी नाबाद	13	10	2	0

अतिरिक्तः 10, कुलः 16.4 ओवर में 3 विकेट पर 188 रन, **विकेट पतनः** 1-135, 2-135, 3-144, **गेंदबाजीः** मुकेश चौधरी 3-0-24-1, स्पेंसर जॉनसन 4-0-39-1, अंशुल कंबोज 2.4-0-63-0, नूर अहमद 4-0-21-0, गुरजपनीत 3-0-34-0.

पूरन के लगातार चार छक्के से मैच खत्म

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ को मार्श और जॉश इंग्लिस की जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। मार्श ने खास तौर से अधिक आक्रमण किया और कंबोज के एक ओवर में लगातार चार छक्कों सहित 28 रन बटोर लिए। पावरप्ले में लखनऊ ने बिना विकेट गंवाए 86 रन बना लिए थे, जिसके बाद सीएसके पूरी तरह दबाव में थी। मार्श ने केवल 21 गेंदों में पचासा पूरा किया। मार्श और इंग्लिस के बीच 11.4 ओवरों में 135 रनों की साझेदारी हुई, जो इकाना में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी हो गई है। इंग्लिस ने मुकेश चौधरी के खिलाफ खिलाफ बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवाया और अगली ही गेंद पर मार्श नॉन स्ट्राइक एंड पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गए। इसके बाद पूरन ने कंबोज को लगातार चार छक्के लगाते हुए मैच का समापन किया।

केकेआर के खिलाफ गुजरात टाइटंस की निगाह शीर्ष दो पर

कोलकाता, जेएनएन। लगभग एक महीने के बाद अपने घरेलू मैदान पर वापसी करने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए शनिवार को आईपीएल के 60वें मैच में शीर्ष दो में जगह बनाने की कवायद में लगी गुजरात टाइटंस का सामना करेगी। केकेआर ने शुरुआती पांच मुकाबले गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे, लेकिन आरसीबी के खिलाफ पिछले मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वे अब नौ अंकों के साथ अंक तालिका में आठवें स्थान पर हैं और उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए ना सिर्फ अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतने होंगे, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों को भी अपने पक्ष में जाने की प्रार्थना करनी होगी।

हेड टू हेडः दोनों के बीच अब तक हुए पांच मुकाबलों में गुजरात ने चार अपने नाम किए हैं। कोलकाता में दोनों टीमों के बीच हुए दो मुकाबलों में भी गुजरात ने क्लीन स्वीप किया है और इस सीजन अहमदाबाद में हुए दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में भी गुजरात ने दो गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से जीत दर्ज की थी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सात % दर्शक संख्या बढ़ी

मुंबई, जेएनएन। आईपीएल की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके दर्शकों की संख्या में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि टीवी पर दर्शकों की संख्या 500 मिलियन के आंकड़े को छूने के करीब है। इस टूर्नामेंट के आधकारिक प्रसारणकर्ता जियोस्टार के अनुसार आईपीएल की कुल डिजिटल पहुंच में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा लीनियर टीवी पर प्रसारित 51 मैचों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित 57 मैचों का है। कंपनी ने दावा किया कि सीटीवी (कनेक्टेड टीवी यानि इंटरनेट से जुड़े उपकरण) की पहुंच में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 'वाच टाइम' (देखने का समय) 20 प्रतिशत बढ़ गया है। क्षेत्रीय भाषाओं में 'वाच टाइम' में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रसारक ने दावा किया कि पिछले सत्र की तुलना में 125 नए विज्ञापनदाताओं के जुड़ने से यह वृद्धि हुई है।

मैदान से हटकर

शकीरा-बर्ना बॉय का 'दाई दाई' विश्व कप का आधिकारिक सॉन्ग

16 साल बाद शकीरा एक बार फिर अपने गाने से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने को तैयार हैं। 2010 के फीफा विश्व कप का एंथम 'वाका वाका' से दुनिया हिलाने वाली शकीरा अब फीफा विश्व कप 2026 के एंथम 'दाई दाई' के साथ वापस लौटी हैं। बीते दिनों गाने का टीजर जारी होने के बाद से फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, अब विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने विश्व कप 2026 का ऑफिशियल एंथम 'दाई दाई' रिलीज कर दिया है। इसे शकीरा ने नाइजीरियन अफ्रोबीट्स के दिग्गज बर्ना बॉय के साथ मिलकर बनाया है। फीफा विश्व कप उत्तरी अमेरिका में 11 जून से शुरू होगा। फीफा ने कहा, दाई दाई फुटबॉल, संस्कृति और एकता का जीवंत नमूना है, जो शकीरा और बर्ना बॉय की विश्व भर में जानी पहचानी ओजभरी आवाज और ऊर्जा का शानदार मिश्रण है। फीफा ने कहा कि वह प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध इस गाने से मिलने वाली रॉयल्टी का उपयोग फीफा वैश्विक नागरिक शिक्षा कोष की मदद के लिए करेगा। फीफा ने इसके साथ ही घोषणा की कि 19 जुलाई को न्यूजर्सी में होने वाले फाइनल के हाफटाइम के दौरान एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मैडोना, शकीरा और बॉय बैंड बीटीएस मुख्य कलाकार होंगे। (जेएनएन)

सिंधू और लक्ष्य थाईलैंड ओपन से बाहर सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में

बैंकॉक, जेएनएन। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू क्वार्टरफाइनल में जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के खिलाफ एक गेम की बढ़त गंवाकर हार गईं, लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुषों की युगल जोड़ी शुक्रवार को थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गई। सिंधू 5,00,000 डॉलर पुरस्कार राशि के सुपर 500 टूर्नामेंट के एक घंटे से ज्यादा समय तक चले महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 21-19, 18-21, 15-21 से हार गईं। हार के बावजूद दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू हार जीत के रिकॉर्ड में यामागुची से 15-13 से आगे हैं। जनवरी में हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में सिंधू आगे चल रही थीं और फिर यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल मैच से हटने के कारण अगले दौर में जगह बनाई थी। लक्ष्य सेन को भी पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मैच में थाईलैंड के दूसरे वरीय खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्ण से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि युगल स्पर्धा में कुछ अच्छी खबर भी आई, जिसमें सात्विकसाईराज और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने जापानी के ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की छठी वरीय जोड़ी को 21-12, 21-13 के शानदार स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ यानिक सिनर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में

रुबलेव को हराकर मास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार 32वीं जीत हासिल की

" मैं रिकॉर्ड के लिए नहीं खेलता। मैं खुद के लिए खेलता हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

रोम, जेएनएन। यानिक सिनर ने मास्टर्स प्रतियोगिताओं में लगातार 32वीं जीत हासिल करके नया रिकॉर्ड बनाने के साथ पिछले 50 वर्ष में इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीतने वाले पहले घरेलू पुरुष खिलाड़ी बनने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। सिनर खिताब से अब केवल दो जीत दूर हैं और उनकी शानदार फॉर्म को देखते हुए वह फ्रेंच ओपन में भी खिताब के प्रबल दावेदार बन गए हैं। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर ने दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी एंड्री रुबलेव पर 6-2, 6-4 से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह उनकी मास्टर्स प्रतियोगिताओं में लगातार 32वीं जीत थी और इस तरह से उन्होंने नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जोकोविच ने 2011 में मास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार 31 मैच जीते थे। सिनर का लक्ष्य जोकोविच के बाद सभी नौ मास्टर्स टूर्नामेंट जीतने वाला दूसरा खिलाड़ी बनना भी है। जोकोविच ने प्रत्येक टूर्नामेंट को कम से कम दो बार जीता है। सिनर का सेमीफाइनल में मुकाबला 2023 के चैंपियन दानिल मेदवेदेव से होगा, जिन्होंने स्पेनिश क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुस को 1-6, 6-4, 7-5 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड का मुकाबला अर्जेंटीना में जन्मे इतालवी खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी से होगा।

बांग्लादेश से टेस्ट में हार के बाद पाक पर लगा जुर्माना

मीरपुर (बांग्लादेश), जेएनएन। पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली हार के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के 2025-27 चक्र में मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उसकी टीम के आठ अंक काट दिए गए हैं। आईसीसी के अनुसार पाकिस्तान ने इस मैच में निर्धारित समय सीमा में आठ ओवर कम किए थे। इस तरह से पाकिस्तान अब अंक तालिका में चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज उससे निचले पायदान पर है। आईसीसी की न्यूनतम ओवरों के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित समय में पूरे नहीं किए गए ओवर में से प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने इस जुर्माने को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

मप्र की मुक्केबाज माही लामा विश्व कप में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य मुक्केबाजी अकादमी की खिलाड़ी माही लामा का चयन वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के लिए भारतीय टीम में किया गया है। युवा मुक्केबाज माही ने एनआईएस पटियाला में आयोजित असेसमेंट रैंकिंग ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया। ट्रायल्स में माही ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में अपने पहले मुकाबले में हरियाणा की विंका को 4-1 के अंतर से हराया। दूसरे मैच में महाराष्ट्र की दिशा पाटिल को 5-0 से शिकस्त दी। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 15 से 20 जून 2026 तक चीन के गुइयांग शहर में आयोजित किया जाएगा। माही मप्र अकादमी में चीफ कोच रोशनलाल के नेतृत्व में प्रशिक्षण हासिल करती हैं।

खुशी ईपी वर्ल्ड कप के लिए चयनित

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश फेंसिंग अकादमी की खिलाड़ी खुशी दाभाडे का चयन प्रतिष्ठित एफआईई विमेंस ईपी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 22 से 24 मई तक फ्रांस में आयोजित होगी। देश से केवल चार खिलाड़ियों का चयन इस प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

गोल्डन टाइगर्स को हराकर वेदांत सुपर किंग बनी टी-20 चैंपियन

भोपाल, खेप्र। वेदांत सुपर किंग ने गोल्डन टाइगर्स को पांच विकेट से हराकर 10वां लेट राजा अली टी-20 डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। बाबेअली क्रिकेट मैदान पर गोल्डन टाइगर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 142 रन बनाए। अब्दुस समद ने नाबाद 53, जबकि पीयुष राज ने 26 और लोकेश मालवीय ने 22 रनों का योगदान दिया। वेदांत सुपर किंग के सौरभ राजपूत ने 2 विकेट झटके। जवाब में वेदांत ने 18.2 ओवर में पांच विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। यश जांगिर ने 48 और आयुष कुशवाहा ने 36 रन बनाए। गोल्डन टाइगर्स के अलीजार खान और सलमान ने 2-2 विकेट लिए।

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठः प्लेयर ऑफ द सीरीजः नितेश पालिया, **प्लेयर ऑफ द मैचः** सौरभ राजपूत, **बल्लेबाजः** अभिषेक गिरी, **गेंदबाजः** अलीजार खान रहे।

फ्रांस की विश्व कप टीम में एमबाप्पे की अगुआई में मजबूत आक्रमण पंक्ति

पेरिस, जेएनएन। फ्रांस ने अगले महीने से शुरू होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है, जिसमें स्टार स्ट्राइकर काइलिन एमबाप्पे की अगुआई में मजबूत आक्रमण पंक्ति चुनी गई है। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने जो टीम घोषित की, उसमें गोलकीपर रॉबिन रिसर भी शामिल हैं, जिन्हें घरेलू लीग में अच्छा प्रदर्शन करने का इनाम मिला है। लेंस के लिए खेलने वाले रिसर ने इस सप्ताह की शुरुआत में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता था। डेसचैम्प्स ने उन्हें माइक मैगनन और ब्राइस सांबा के बाद तीसरे गोलकीपर के रूप में चुना। फ्रांस अपने तीसरे विश्व कप खिताब की कवायद में है। वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में भाग लेगा। फ्रांस को ग्रुप-आई में सेनेगल, इराक और नॉर्वे के साथ रखा गया है। फ्रांस की अग्रिम पंक्ति काफी मजबूत नजर आ रही है। जिसमें एमबाप्पे के अलावा बैलोन डीओर विजेता ओस्मान डेम्बेले, उभरते सितारे डेसिरे डौए, माइकल ओलिसे, रेयान चेर्की और मैग्नेस अक्लिओचे आदि भी शामिल हैं।

ऋषभ का शतक, मयंक अकादमी लगातार तीसरी बार बनी चैंपियन

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच ऋषभ पांडेय (104) के शतक की बदौलत मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने नर्मदापुरम को 15 रन से हराकर 14वें स्व. अरविंद चतुर्वेदी क्रिकेट टूर्नामेंट रमेश शर्मा गुड्डू भैया ट्रॉफी लगातार तीसरी बार अपने नाम की। ओल्ड कैंपियन मैदान पर मयंक अकादमी ने 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए। देवांश यदुवंशी (45) व अरबाजउद्दीन (40) की उमदा पारियां खेली। नर्मदापुरम के साहिल सिंह, विधान दुबे और अभिजीत सक्सेना ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में नर्मदापुरम 235 रन बना पाई। सौरभ और माधव शर्मा ने एकसमान 42-42 रन बनाए। गौतम बोरासी ने 37 रन की पारी खेली। मयंक अकादमी के शिवांश चतुर्वेदी और निश्चय सिकरवार ने 3-3 विकेट लिए। पीयूष सिंह और अक्षत सोलंकी को दो-दो सफलता मिली।

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठः प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटः प्रारब्ध मिश्रा **सर्वश्रेष्ठ फील्डर** गौतम रघुवंशी **सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजः** कनिष्क दुबे **सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजः** अलंकृत सिंह।

भोपाल के साई सेंटर में अंडर-18 टीमों के बीच चार मैचों की सीरीज

भारतीय पुरुष टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ खेला, महिला टीम आखिरी मिनटों में हारी

भोपाल, खेप्र। भारतीय पुरुष अंडर-18 टीम ने शानदार संघर्ष करते हुए चार मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को 2-2 की बराबरी पर रोका, जबकि महिला अंडर-18 टीम को बेहद करीबी मुकाबले में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। भोपाल के साई सेंट्रल रीजनल सेंटर खेली जा रही सीरीज में दर्शकों को दोनों मुकाबलों में तेज रफ्तार और रोमांच से भरपूर हॉकी देखने को मिली। पुरुष वर्ग में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे ही मिनट में जेट जॉनस्टोन के गोल से बढ़त बना ली। शुरुआती झटके के बाद भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और 11वें मिनट में आकाश दीप ने बराबरी का गोल दाग दिया। मुकाबला अंत तक रोमांचक

बना रहा। 45वें मिनट में दीपक प्रकाश टोप्पो ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन अंतिम मिनट में फ्रेंकी बेकर ने गोल कर ऑस्ट्रेलिया को बराबरी दिला दी। सीरीज के अगले मुकाबले 17 मई को इसी मैदान पर खेले जाएंगे। महिला टीम शाम 5 बजे और पुरुष टीम शाम 7 बजे मैदान में उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम मिनट में दागे तीन गोल

भारतीय महिला टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाया। ऑस्ट्रेलिया की ऑरोरा कोवाचेविच ने 21वें मिनट में गोल किया, लेकिन दिया ने अगले ही मिनट स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किरण एक्का और कप्तान स्वीटी कुजूर के गोल से भारत ने 3-1 की बढ़त बना ली। हालांकि अंतिम छह मिनट में ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए लगातार तीन गोल दागकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सेंचुरियन क्रिकेट समर लीग 18 मई से, आठ टीमों के बीच होंगे मुकाबले

भोपाल, खेप्र। शहर के सेंचुरियन क्रिकेट मैदान पर 18 मई से सेंचुरियन क्रिकेट समर लीग खेली जाएगी। ओपनिंग मुकाबला सुपर सेंचुरियन्स और सेंचुरियन टाइटन्स के बीच खेला जाएगा। लीग में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। चार-चार टीमों को दो ग्रुप पूल-ए और बी में बांटा गया है। अनिमेष सक्सेना की कप्तानी में सेंचुरियन स्ट्राइकर्स मैदान पर उतरेगी। वहीं सुपर सेंचुरियन्स का कप्तान नवीन पाठक, फाल्कन्स का कप्तान अयान खान, टाइटन्स का कप्तान प्रशांत अग्रवाल, इंडियंस का कप्तान शिवांशु मिश्रा, क्राउन्स का कप्तान नीलांग मिश्रा, किंग्स का कप्तान अंश मालवीय और सेंचुरियन चैलेंजर्स का कप्तान आर्य शर्मा को बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब : किसानों की पुलिस से हुई भिड़ंत, बैरिकेडिंग तोड़ी

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब के किसानों ने शुक्रवार को चंडीगढ़ कूच की कोशिश की। किसान विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलने जा रहे थे। इसके लिए बड़ी संख्या में किसान मोहाली के वाईपीएस चौक पर जुटे, जहां से उनका चंडीगढ़ की ओर बढ़ने का कार्यक्रम था। किसानों के मार्च को देखते हुए पुलिस पहले से अलर्ट पर रही। पुलिस ने वाईपीएस चौक से चंडीगढ़ जाने वाले मुख्य रास्ते को सील कर दिया। इसके अलावा सेक्टर-50 की ओर जाने वाली सड़क पर भी भारी बैरिकेडिंग की गई, क्योंकि यह रास्ता राज्यपाल के आसपास के इलाके की तरफ जाता है।

इबोला वायरस का कहर कांगो में हुई 65 मौतें

कांगो, जेएनएन। एक दूसरे से फैलने वाला खतरनाक इबोला वायरस इन दिनों रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में अपना कहर ढा रहा है। जानकारी के मुताबिक इबोला वायरस से संक्रिमत करीब 65 लोगों की जान चली गई है और 100 से ज्यादा संदिग्धों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अब तक कॉन्गो में इबोला संक्रमण के 246 केस सामने आ चुके हैं। प्राप्त हुई जानकारी के मुताबिक टेस्ट किए गए हर 20 सैंपल में से 13 लोग संक्रमित पाए गए हैं। बता दें कि 2018 से 2020 के दौरान भी कॉन्गो में इबोला वायरस से बहुत मौतें हुई थीं। उस दौरान करीब 3 हजार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं बूनिया में भी इबोला वायरस से दो हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसे दुनिया के सबसे खतरनाक वायरस में गिना जाता है। इबोला वायरस से संक्रमित 90 फीसदी लोगों की जान चली जाती है।

गडकरी को धमकी देने के दोषियों को 5 साल की सजा

नागपुर, जेएनएन। नागपुर की एक विशेष अदालत ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी भरे फोन कॉल करने के मामले में दो लोगों को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह धमकी भरे कॉल 2023 में कर्नाटक की जेल से किए गए थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार के शर्मा ने कुख्यात अपराधी जयेश पुजारी उर्फ कांथा और आतंकी आरोपी अफसर पाशा को दोषी ठहराया। अदालत ने दोनों को भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सजा सुनाई। अदालत के आदेश के मुताबिक, दोनों आरोपी फिलहाल नागपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। मामला 2023 में सामने आया था, जब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी भरे कॉल किए गए थे।

गुजरात : भजन गायक पर जमकर बरसाए नोट

जूनागढ़, जेएनएन। गुजरात के जूनागढ़ जिले के खंभालिया गांव में बुधवार रात श्रीमद् भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन हुआ। इसी दौरान हुए लोक डायरो में लोक गायक जिग्नेश कविराज के ऊपर जमकर नोट बरसे। भजन कार्यक्रम अहीर समाज और प्रयागराज समूह द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान भक्तों ने गायक पर करीब डेढ़ घंटे तक रूपयों को बरसात की। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद् भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के 7 दिनों में जो भी दान राशि मिली है। वह अहमदाबाद में बन रहे गुजरात अहीर समाज कन्या कक्षालय के निर्माण में दान की जाएगी।

आरजी कर रेप मामले में 3 आईपीएस निलंबित

कोलकाता, जेएनएन। शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली पश्चिम बंगाल सरकार ने शुक्रवार को आरजी कर अस्पताल में हुई बलात्कार और हत्या की घटना के संबंध में एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने तत्कालीन पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी (सेंट्रल) आईपीएस इंदिरा मुखर्जी और तत्कालीन डीसी (नॉर्थ) अभिषेक गुप्ता को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है। ये निलंबन इस घटना की जांच के दौरान पुलिस की ओर से मामले को ठीक से न संभालने और लापरवाही बरतने के कारण किए गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या से जुड़ी केस फाइल को फिर से खोला जाएगा। उस जांच से जुड़े तीनों अधिकारियों को फिलहाल के लिए निलंबित किया जाएगा। इन तीनों आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ एक न्यायिक जांच शुरू की जाएगी।

चीन में फूलों का सागर

चीन में फूलों का राजा कहे जाने वाले पेओनी के फूल धन और समृद्धि का प्रतीक हैं। शेडोंग प्रांत में वसंत ऋतु (मई माह) में जब यह फूल खिलते हैं तो पर्यटन के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं। इन फूलों खिलना काफी लोकप्रिय है। गहरे लाल, गुलाबी और सफेद सहित विभिन्न रंगों में खिलने वाले पेओनी के फूलों की खेती को ग्रामीण पर्यटन के साथ जोड़ा गया है।

भारत-यूएई के बीच एलपीजी आपूर्ति सहित कई समझौते

दुबई, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने यूएई दौरे पर अबू धाबी पहुंचे, जहां उनका गार्ड ऑफ ऑनर से भव्य स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता हुआ। इसके अतिरिक्त स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े सहमति पत्रों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश करने का भी ऐलान किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की।

पश्चिम एशिया में शांति के लिए हर मदद को तैयारः मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति अल नाहयान से बातचीत में कहा कि भारत हर परिस्थिति में यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने यूएई को अपना 'दूसरा घर' बताते हुए गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार जताया। पीएम ने कहा कि यूएई एयर फोर्स के लड़ाकू विमानों द्वारा उनके विमान को एस्कॉर्ट किया जाना भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। प्रधानमंत्री का यह दौरा करीब 180 मिनट का था, जिसके बाद वे 15 से 17 मई तक के तीन दिवसीय नीदरलैंड दौरे के लिए रवाना हो गए हैं।

सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक समाप्त

ब्रिक्स की बैठक में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर सभी देशों ने दिया जोर

नई दिल्ली, जेएनएन। ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक आज समाप्त हो गई। यह बैठक देश की राजधानी नई दिल्ली में हो रही थी। इस बैठक के दौरान सभी देशों के विदेश मंत्रियों ने प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने तीन स्तंभों - राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय, सांस्कृतिक और जन-समुदाय आदान-प्रदान - के तहत ब्रिक्स रणनीतिक साझेदारी के ढांचे को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने आपसी सम्मान और समझ, समानता, एकजुटता, खुलापन, समावेशिता और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मंत्रियों ने लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण विषय के तहत 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया, जो दर्शाता है कि ब्रिक्स सदस्यों के बीच सहयोग साझा चुनौतियों का संतुलित और समावेशी तरीके से समाधान करने में मदद कर सकता है। सभी विदेश मंत्रियों ने ब्रिक्स सहयोग ढांचे के भीतर हासिल की गई प्रगति की समीक्षा की और नवाचार को बढ़ावा देने, सतत विकास और लचीलेपन को सुनिश्चित करने पर ब्रिक्स सहयोग को और बढ़ाने के लिए समर्थन दिया।

मानवाधिकारों को बढ़ावा देने पर दिया जोर

मंत्रियों ने बहुपक्षवाद, बहुध्रुवीयता को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को उनकी संपूर्णता और परस्पर संबद्धता के साथ संतुलित और समावेशी तरीके से बनाए रखना शामिल है, क्योंकि यह इसका अपरिहार्य आधारशिला है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका पर भी जोर दिया, जिसमें संप्रभु राज्य शांति और सुरक्षा बनाए रखने, सतत विकास को आगे बढ़ाने, सभी के लिए लोकतंत्र, मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

वर्तमान वैश्विक चुनौतियों पर हुई चर्चा

मंत्रियों ने इस बात पर ध्यान दिया कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियां जटिल और परस्पर जुड़ी हुई हैं, जो देशों के आर्थिक विकास और सतत विकास में बाधा डालती हैं और देशों एवं क्षेत्रों में विकास के अंतर को और भी बढ़ा देती हैं। इस बात पर सहमति व्यक्त की कि बहुध्रुवीय विश्व की समकालीन वास्तविकताओं के संदर्भ में, विकासशील देशों के लिए अधिक न्यायसंगत और समान वैश्विक शासन तथा राष्ट्रों के बीच पारस्परिक लाभकारी संबंधों को बढ़ावा देने के लिए संवाद और परामर्श को सुदृढ़ करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर जोर

मंत्रियों ने स्वीकार किया कि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और विकास के विभिन्न चरणों को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक और कार्रवाई योग्य उपाय इन चुनौतियों का समाधान करने की कुंजी हैं और संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे में सतत विकास और समावेशी विकास के विशेष महत्व को दोहराया। इस संदर्भ में, उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि ब्रिक्स सामान्य चुनौतियों के व्यावहारिक समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए संवाद, कूटनीति और सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है।

अगले साल से ऑनलाइन होगी नीट

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक स्वीकारा, 21 जून को दोबारा होगी परीक्षा

नई दिल्ली, जेएनएन। अगले सत्र से नीट-यूजी परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि 3 मई को हुई नीट-यूजी-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे। शिक्षा मंत्री ने कहा, 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए, इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का कठिन फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को आयोजित होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था और एनटीए ने सरकार को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद 12 मई को पुनः परीक्षा (रीएग्जाम) का फैसला लिया गया।' उन्होंने बताया कि पुनः परीक्षा में छात्रों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय मिलेगा और वे अपनी पसंद का परीक्षा केंद्र चुन पाएंगे। इससे पहले 3 मई को यह परीक्षा देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में आयोजित की गई थी। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ, इसकी जांच होगी। सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो। एक मंत्री और अभिभावक के रूप में हमें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है।' उन्होंने आगे कहा कि सुधारों के लिए कई सुझाव मिले हैं जिन पर काम जारी है।

नीट पेपर लीक केस में अब तक 7 गिरफ्तारियां

सीबीआई ने इस मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 आरोपियों—राजस्थान से पकड़े गए मांगीलाल बिंवाल, दिनेश बिंवाल, विकास बिंवाल, हरियाणा के यश यादव और नासिक के शुभम खैरनार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 7 दिन की कस्टडी में भेज दिया गया है। इनके अलावा, पुणे की ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे और नासिक के धनंजय लोखंडे को भी गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली कोर्ट ने शुक्रवार को धनंजय लोखंडे को 6 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है।

दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों: सुको

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक ही दिन, एक ही सेक्टर में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन कुछ अलग हवाई किराया लेती है, जबकि दूसरी एयरलाइनल अलग किराया लेती है। इसे सही किया जाना चाहिए। दरअसल जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई की। उनकी मांग है कि देश में मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए, जो एयरलाइनों के किराए और एक्स्ट्रा चार्जेस पर निगरानी रखे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बेंच से कहा- हवाई किराया 300 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे ये सिस्टम पर करते हैं हमला: सीजेआई

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की है। उन्होंने कहा कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच शक्रवार को एक वकील की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने सीनियर एडवोकेट का दर्जा देने की मांग की थी। बेंच ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि समाज में पहले से ही पैरासाइट (परजीवी) मौजूद हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं। बेंच ने वकील से कहा कि दुनिया में हर कोई सीनियर बनने के योग्य हो सकता है, लेकिन आप इसके हकदार नहीं हैं। अगर दिल्ली हाईकोर्ट आपको सीनियर एडवोकेट बना भी देता, तो सुप्रीम कोर्ट आपके व्यवहार को देखते हुए उस फैसले को रद्द कर देता।

माधुरी ने ली सलमान से ज्यादा फीस

59 साल की हो चुकीं माधुरी दीक्षित सिर्फ अपनी फिल्मों और डांस ही नहीं, बल्कि करियर से जुड़े दिलचस्प किस्सों की वजह से भी चर्चा में रही हैं। करियर के शुरुआती दौर में सुभाष घई ने उन्हें फिल्म कर्मा में छोटा रोल दिया था, लेकिन बाद में यह कहकर उनका सीन हटा दिया कि इतनी टैलेंटेड लड़की को छोटा रोल देना सही नहीं होगा। आगे चलकर उन्होंने माधुरी को अपनी फिल्मों में बड़े रोल दिए। फिल्म खलनायक के दौरान उनसे 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज भी साइन करवाया गया था, ताकि शूटिंग प्रभावित न हो। वहीं, हम आपके हैं कौन..! के लिए माधुरी को सलमान खान से ज्यादा फीस मिली थी। साहिला चड्ढा के लिए माधुरी दीक्षित सिर्फ सुपरस्टार नहीं, बल्कि परिवार जैसी हैं। माधुरी के जन्मदिन पर बातचीत में उन्होंने 'हम आपके हैं कौन' के सेट से लेकर बचपन तक की कई यादें साझा कीं। साहिला 'हम आपके हैं कौन' में रीटा के रोल में नजर आई थीं। साहिला कहती हैं- जब मुझे हम आपके हैं कौन..! ऑफर हुई थी, तब मैं सोलो हीरोइन वाली फिल्में कर रही थी। मैंने पहले फिल्म के लिए मना कर दिया था, क्योंकि मैं सेकेंड रोल नहीं करना चाहती थी। लेकिन जब मुझे बताया गया कि माधुरी फिल्म में होंगी, तब मैंने तुरंत हां कर दी।

ट्रंप बोले, हमने शानदार समझौते किए

बीजिंग, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तीन दिन का चीन दौरा पूरा कर वापस रवाना हो गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अंतिम दौर की बातचीत की। दोनों नेताओं की यह बैठक बीजिंग के झोंगनानहाई परिसर में हुई। इसे चीन के शीर्ष नेतृत्व का सबसे सुरक्षित और गोपनीय सत्ता केंद्र माना जाता है। बैठक के बाद ट्रम्प ने बताया कि चीन के साथ शानदार ट्रेड डील हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से अमेरिका और चीन दोनों को फायदा होगा। ट्रम्प ने कहा, हमने कुछ शानदार समझौते किए हैं, जो दोनों देशों के लिए अच्छे हैं। हालांकि उन्होंने इन

समझौतों की ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की। रवाना होते वक्त ट्रम्प को बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। चीनी विदेश मंत्री वांग यी उन्हें एयरपोर्ट तक छोड़ने आए।

ट्रंप का दौरा ऐतिहासिक -राष्ट्रपति शी जिनपिंग

शी जिनपिंग ने कहा कि यह दौरा ऐतिहासिक और बेहद अहम रहा है। उन्होंने कहा, इस दौरान हमारे दोनों देशों के बीच एक नया और सकारात्मक रणनीतिक रिश्ता बना है। इसे सच में एक माइलस्टोन घटना कहा जा सकता है।

हमारी सोच काफी मिलती है : ट्रंप
ट्रम्प ने कहा कि ईरान मुद्दे पर उनकी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सोच काफी मिलती है, लेकिन शी ने सार्वजनिक बयान में ईरान संघर्ष का कोई जिक्र नहीं किया।

इंजीनियर की हत्या, नीले ड्रम में मिली लाश

ठाणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के पालघर में नीले ड्रम में मिली सिविल इंजीनियर की लाश के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 24 साल के अरबाज खान की हत्या उधारी के पैसे मांगने पर की गई थी। इस मामले में एक महिला नर्स और उसके भाई को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 5 अप्रैल की है, जब विरार फाटा इलाके के नाले में ड्रम में भरी सड़ी-गली लाश मिली थी। मृतक डोंबिवली की एक निजी कंपनी में काम करता था। अरबाज का महजबीन शेख नाम की नर्स से रिलेशन था। उसने उसे कुछ पैसे उधार दिए थे। कुछ समय से वह पैसे वापस मांग रहा था। इसी बात को लेकर विवाद चल रहा था।

तकनीक

2003 से 2026 के बीच तीन साल में 23.10 करोड़ यूनिक पासवर्ड हुए लीक

60 सेकंड में टूट जाते हैं 15 कैरेक्टर के पासवर्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। जब भी किसी अकाउंट के लिए आप पासवर्ड बनाते हैं तो हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कोई भी हैकर इसे आसानी से हैक ना कर ले। लेकिन क्या आपको पता है कि साइबर सिक्योरिटी कंपनी कैस्पर्सकी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 और 2026 के बीच 23.10 करोड़ यूनिक पासवर्ड लीक हुए हैं। इन लीक हुई पासवर्ड की जांच हुई तो एक हैरान कर देने वाला पैटर्न सामने आए हैं। वहीं, अब 15 कैरेक्टर वाले पैसवर्ड महज एक मिनट यानी 60 सेकंड से भी कम समय में तोड़ लिए जाते हैं।

1 दिन में टूट जाते हैं मॉर्डन पासवर्ड: रिपोर्ट से पता चला है कि 68 प्रतिशत मॉडर्न पासवर्ड को सिर्फ एक दिन में क्रैक किया जा सकता है। यह भी सामने आया है कि लीक हुए ज्यादातर पासवर्ड या तो किसी नंबर से शुरू होते हैं या उसी पर खत्म होते हैं। ऐसे पासवर्ड बनाना लोगों की आम आदत देखी गई है। तीसरा पैटर्न यह थी कि यूजर्स अक्सर अपने पासवर्ड में निगेटिव या ट्रेंडिंग शब्दों का यूज करते हैं। उदाहरण के लिए, एनालिसिस किए गए पासवर्ड में एसकेआईबीआईडीआई शब्द का इस्तेमाल पिछले कुछ सालों में 36 गुना बढ़ गया है।

नियम फॉलो करने के बाद भी पासवर्ड सुरक्षित नहीं

कैस्पर्सकी की रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षित पासवर्ड के नियम चर्चा का विषय बने हैं। अब ज्यादा से ज्यादा सर्विस ऐसी पासवर्ड मांगते हैं, जो कम से कम 10 कैरेक्टर के हों। इनमें एक बड़ा अक्षर, कोई अंक या सिंबल हो। फिर भी इनमें से कुछ नियमों का पालन करने के बाद भी ब्रूट-फोर्स या एआई बेस्ट हमलों से सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती है।

अंकों का ज्यादा होता है यूज

रिपोर्ट में कहा गया है कि लीक हुए जिन पासवर्ड में सिर्फ एक सिंबल होता है, उनमें एट द रेट का निशान सबसे आम है। यह 10 प्रतिशत पासवर्ड में होता है। इसके बाद सबसे आम सिंबल एक डॉट (.) है, जो 3 प्रतिशत पासवर्ड में मिलता है। अंकों में भी एक खास पैटर्न देखने को मिला है। 53 प्रतिशत पासवर्ड अंकों पर खत्म होते हैं, 17 प्रतिशत अंकों से शुरू होते हैं, लगभग 12 प्रतिशत में तारीख जैसा कोई क्रम 1950 से 2030 के बीच होता है और 3 प्रतिशत में कीबोर्ड के टर्म जैसे क्वर्टी या वाईटीक्यू शामिल होते हैं।

इन लोगों को सबसे ज्यादा खतरा

रिसर्च से यह भी पता चला है कि पासवर्ड बनाने के लिए अक्सर ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है जो भावनाओं से जुड़े हों या जो ट्रेंड में चल रहे हों। लीक हुए पासवर्ड में लव, मैजिक, फ्रेंड, टीम, एंजेल, स्टार जैसे पॉजिटिव शब्द देखने को मिले। हालांकि,हेल, डेविल्स, नाइटमेयर और स्क्वायर जैसे शब्द भी पासवर्ड में पाए गए। रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है कि आठ कैरेक्टर तक के छोटे पासवर्ड को, ब्रूट-फोर्स अटैक की मदद से आम तौर पर एक दिन से भी कम समय में तोड़ लिया जाता है। हालांकि, एआई पर आधारित स्मार्ट एल्गोरिदम की वजह से अब 15 कैरेक्टर वाले 20 प्रतिशत से ज्यादा पासवर्ड को एक मिनट से भी कम समय में तोड़ा जा सकता है। इसका मतलब है कि ऐसे पासवर्ड बनाने वालों पर सबसे ज्यादा खतरा है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sq.cm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 510/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

FOR SALE
AVAILABLE FOR SALE REPO VEHICLE MARUTI SWIFT VXI MODEL 2025, RC NO. - MP-04-YH-5542 ENG. NO. Z12EP1157218 ,CHASIS NO. MBHZCDESKSA258435 CONTACT SUNDARAM FINANCE LTD BHOPAL MOB. 9109107073.

FOR SALE
MARUTI DZIRE ZXI CNG RC No.MP-04-YF-6564 ENGINE No. K12NN1124500 CHASSIS No. MA3CZFB3SRJ933939, YOM-2024, Fuel - PETROL / CNG CONTACT Sundaram Finance, Plot No.6,VNV Plaza, MP Nagar,Zone-2, Bhopal 07552763104/ 9109107073.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

बंधा कोल ब्लॉक में ग्रामीणों ने रोका कंपनी का काम

जागरण, सिंगरौली। जिले के बंधा कोल ब्लॉक परियोजना क्षेत्र में शुक्रवार को एमआईएल बिरला कंपनी के कर्मचारी भारी मशीनरी लेकर कार्य शुरू करने पहुंचे। तेंदुआ पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए काम रुकवा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी उनकी सहमति के बिना जबरन जमीन पर कब्जा कर सड़क निर्माण और अन्य कार्य शुरू करना चाहती है। परियोजना के तहत कई गांवों की जमीन का भू-अर्जन किया जाना है।

कान्हा में 22 मई से शुरू होगी गिद्धों की गिनती

जागरण, मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व में 22 से 24 मई के बीच ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना अभियान चलाया जाएगा। यह गणना मप्र वन विभाग के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को इसके लिए प्रशिक्षण और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। यह गणना कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर एरिया और सभी 13 वन परिक्षेत्रों में की जाएगी।

5 समस्या निवारक आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स
- Eye Strain
- Eye Dryness
- Eye Tiredness
- Eye Freshness
- Eye Cleanliness

आँखों की थकान का आसान समाधान

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

AYURVEDIC EYE RELIEF DROPS
24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com
Available at all leading medical stores
Clinically Tested*

"ट्वीट ऑफ द डे"

शिवराज सिंह
केंद्रीय कृषि मंत्री

पश्चिम एशिया संकट के कारण प्याज के निर्यात पर असर पड़ा है, इसलिए प्याज की कीमतें गिर गई हैं। इस मौसम में प्याज की बंपर फसल हुई है। हालांकि, हमारा प्याज फिलहाल बांग्लादेश नहीं पहुंच पा रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहूंगा कि ताजे प्याज की खरीद कीमत 12.35 रुपये प्रति किलो होगी। हम प्याज का पूरा स्टॉक खरीदेंगे और प्याज उगाने वाले किसानों को सहायता देंगे। इस संबंध में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) को निर्देश जारी कर दिए हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिना कॉपी जांचे दिए 11 अंक, जांच के आदेश

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में एक छात्रा के भविष्य से खिलवाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। मामला कुलगुरू के पास पहुंचने के बाद उन्होंने जांच के आदेश दिए है। दरअसल बिना पेपर जांचे छात्रा को फेल करने का मामला सामने आया है। छात्रा को परीक्षा में सिर्फ 11 अंक दिए गए। पीड़ित छात्रा निकिता रजक ने रानी दुर्गावती विवि प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा की मानें तो कॉपी जांचे बिना ही नंबर दे दिए गए। पेपर चेकिंग का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कॉपी जांच प्रक्रिया पर भी सवाल उठे हैं। मामला सामने आने के बाद विवि के कुलगुरू राजेश कुमार वर्मा ने जांच के निर्देश दिए। कुलगुरू ने कहा कि कॉपी की दोबारा जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई भी होगी।

जलसंकट : 22 जोन दफ्तरों पर फोड़े मटके

जागरण, इंदौर। शहर में गहराते जल संकट को लेकर शुक्रवार को आमजन का आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। नगर निगम के 22 जोन कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन हुए। लोगों ने मटके फोड़े और अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर नगर निगम प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी का घेराव किया। नगर निगम मुख्यालय पर कांग्रेसी धरने पर बैठ गए और उन्हें रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया। शहर में पानी की किल्लत और अव्यवस्थित वितरण व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की थी। शुक्रवार को पूरे शहर में इसका व्यापक असर देखने को मिला। इस आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय रहवासियों ने नगर निगम के सभी 22 जोनल कार्यालयों का घेराव किया और पानी की समस्या के प्रति प्रशासन को जगाने के लिए मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया।

सोनम और अर्चना बनी बाल संरक्षण आयोग की सदस्य

विसं, भोपाल। सरकार ने मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के दो सदस्यों की नियुक्ति कर दी है। पूर्व में आयोग के अध्यक्ष के पद पर डॉ. निवेदिता शर्मा की नियुक्ति हो चुकी है। तीन सदस्यी आयोग में अध्यक्ष के अलावा दो अन्य सदस्यों की शुक्रवार को नियुक्ति कर दी गई। सोनम निनामा और अधिवक्ता अर्चना गुप्ता को बतौर सदस्य नियुक्त किया है। आयोग बाल अधिकार संरक्षण,बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यो को प्रभावी ढंग से संचालित कराने की दिशा में काम करेगा।

प्रदेश में अपराधियों पर आसमान से चौबीसों घंटे रहेगी पैनी नजर

पुलिस का पहला ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर शुरू, कर्नाटक के बाद दूसरा राज्य बना मप्र

मुख्य संवाददाता, भोपाल। कर्नाटक पुलिस के बाद मध्यप्रदेश देश का ऐसा दूसरा राज्य बन गया है, जिसकी पुलिस का अपना खुद का हाईटेक ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर है। कर्नाटक के बाद एमपी के इंदौर के पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) परिसर में पुलिस एरियल सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजी सेंटर ने शुक्रवार से काम करना शुरू कर दिया है। इसका उद्घाटन करने इंदौर पहुंचे स्पेशल डीजी (टेलीकॉम) संजीव शमी ने कहा कि यह सेंटर न सिर्फ पुलिसिंग का चेहरा बदलेगा, बल्कि अब आसमान से चौबीसों घंटे अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों पर तीसरी आंख की पैनी नजर भी रखेगा। इंदौर स्थित पीआरटीएस को इस प्रोजेक्ट का नोडल सेंटर बनाया गया है, जहां से पूरे प्रदेश के लिए कुशल ड्रोन पायलट और पे-लोड ऑपरेटर तैयार किए जाएंगे। देश का पहला पुलिस ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर बेंगलुरू में स्थापित किया गया था।

तैयार होंगे मास्टर ट्रेनर्स फिक्स्ड विंग ड्रोन मंगाए

शुरुआती चरण में तकनीकी रूप से दक्ष 50 पुलिसकर्मियों को ड्रोन उड़ाने, लाइव मॉनिटरिंग और एंटी-ड्रोन तकनीक का कड़ा विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये जांबाज पुलिसकर्मी आगे चलकर मास्टर ट्रेनर बनेंगे और जिलों में जाकर अन्य जवानों को प्रशिक्षित करेंगे। इस सेंटर को वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए पुलिस विभाग ने देश के तमाम ड्रोन केंद्रों का बारीकी से अध्ययन किया और यहां आधुनिक तकनीक वाले ड्रोन मंगाए गए हैं। अफसरों के मुताबिक पुलिस के बेड़े में अत्याधुनिक 3 फिक्स्ड विंग ड्रोन भी शामिल किए गए हैं, जो आमतौर पर सेना में उपयोग किए जाते हैं। पुलिस बेड़े में शामिल ये फिक्स्ड विंग ड्रोन आम मल्टी-रोटर ड्रोन्स से बिल्कुल अलग हैं। ये बादलों के ऊपर रहकर दिखाई दिए बगैर भी लगातार 6 घंटे तक हवा में रह सकते हैं और 100 किलोमीटर के दायरे में लंबी दूरी की निगरानी कर सकते हैं। इनका उपयोग प्रदेश की अन्य राज्यों से सटी सीमाओं पर नजर रखने, बड़े सर्च ऑपरेशंस, भीड़ नियंत्रण, वीआईपी सुरक्षा और दुर्गम इलाकों में अपराधियों की धरपकड़ के लिए किया जाएगा।

अब दिन-रात होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

- स्पेशल डीजी संजीव शमी ने बताया कि ये ड्रोन दिन-रात आसमान में रहकर रियल टाइम निगरानी करेंगे। इनसे मिलने वाली लाइव वीडियो फीड सीधे पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी, जिससे पल-पल की संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत एक्शन लिया जा सकेगा।
- पुलिस का यह सुरक्षा चक्रव्यूह ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर काम करेगा, जिससे अपराधियों को छिपने का कोई मौका नहीं मिलेगा।
- वर्तमान संचार प्रणालियों के सर्वर बाहरी एजेंसियों के पास होने के कारण संवेदनशील जानकारियां लीक होने का खतरा बना रहता है। ड्रोन तकनीक में इसका खतरा नहीं रहेगा क्योंकि फीड सीधे पुलिस के पास जाएगी।
- आने वाले समय में इंदौर के अलावा भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन सहित पूरे मध्यप्रदेश में कुल 7 हाईटेक ड्रोन सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, सिंहस्थ के दौरान भी इनका उपयोग किया जाएगा।
- नए एडवांस ड्रोन अंधेरे में भी उड़ान भरने में सक्षम रहेंगे, इनका उपयोग शुरू भी कर दिया गया है। फिलहाल इनके विजुअल और फोटो क्वालिटी की टेस्टिंग जारी है।

पटवारियों के आगे लगा प्रशिक्षु का टैग हटेगा, परीक्षा की तैयारी तेज

दो साल से अटकी है परीक्षा, ऑनलाइन कराएगा विभाग

जागरण, भोपाल। दो साल पहले ही परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर हर रोज स्थायी होने का इंतजार कर रहे पांच हजार से ज्यादा पटवारियों के आगे लगा प्रशिक्षु का टैग हटने वाला है। राज्य शासन ने प्रशिक्षु पटवारियों की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। जल्द ही इसकी तिथि घोषित कर दी जाएगी। पिछले दो साल में भर्ती हुए पटवारियों को भी इसका लाभ मिल सकेगा। लंबी सेवा के बाद सभी को स्थायित्व के साथ वेतन-भत्तों में बढ़ोत्तरी का लाभ भी मिल सकेगा।

जानकारी के अनुसार प्रशिक्षु पटवारियों की यह विभागीय परीक्षा दो साल पहले होना थी। उस समय पूरी तैयारी के बाद अचानक परीक्षा टाल दी गई थी। हजारों की संख्या में पटवारी अपनी परिवीक्षा अवधि दो साल पहले ही पूर्ण कर चुके हैं, लेकिन विभागीय परीक्षा न होने से सारे पटवारी भटक रहे थे। इसके बाद नई भर्ती भी हो गई, लेकिन पुराने पटवारियों की परिवीक्षा ही खत्म नहीं हो सकी थी। मगर दो साल इंतजार के बाद प्रदेश के भू-संसाधन प्रबंधन विभाग ने सभी कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके साथ्र ही पटवारियों की ऑनलाइन विभागीय परीक्षा की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। दो साल पहले जब 15 दिसंबर 2024 को परीक्षा टाली गई थी, तब इसमें शामिल होने वाले प्रशिक्षु पटवारियों की संख्या 4786 थी, जबकि अब नई सूची बढ़कर 5420 पर पहुंच गई है। परीक्षा के आयोजन में शामिल होने वाले विभागों को बताया गया है कि नए नाम जोड़ने के लिए कर्मचारी कोड और रोल नंबर जैसी जानकारी देना अनिवार्य रहेगा। इस जानकारी के आने पर सूची और बढ़ सकती है। जिला कार्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि केवल उन्हीं पटवारियों की जानकारी भेजी जाए, जिनमें संशोधन या परिवर्तन किया जाना है। यदि किसी पटवारी का पदस्थापना जिला बदला गया है तो उसकी जानकारी भी 30 मई 2026 तक तलब की गई। परीक्षा के पाठ्यक्रम आदि की जानकारी भी दो दिन में मांगी गई है। यह परीक्षा होने से प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा पटवारी स्थायी स्थापना में आ जाएंगे।

अवैध रेत उत्खनन व मछली पकडने पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक अहम आदेश से नर्मदा नदी के अवैध रेत उत्खनन और अवैध मछली पकडऩे पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में मछुआरा कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग, कलेक्टर, एसपी ईओडब्ल्यू, जिला माइनिंग अधिकारी व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। यह जनहित का मामला जबलपुर निवासी अभिषेक कुमार सिंह की ओर से दायर किया गया है। जिसमें नर्मदा और खिरहनी घाट में अवैध रेत खनन और माहसीर मछली पकडऩे को चुनौती दी गई है। दायर मामले में कहा गया कि माहसीर को राज्य मछली का दर्जा प्राप्त है। नर्मदा और खासतौर पर खिरहनी घाट इस का अवैध रूप से मत्स्याखेट हो रहा है।

मप्र में मानसून की दस्तक 10 जून के बाद, तब तक सताती रहेगी गर्मी

खंडवा में 45 डिग्री पहुंचा तापमान, इंदौर सहित आसपास के जिलों में लू जैसे हालात

नगर संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय मौसम विभाग के अनुसार देश में मानसून सबसे पहले 26 मई को केरलम पहुंच सकता है। इसी आधार पर भोपाल मौसम केंद्र ने भी माना है कि मप्र में मानसून 10 जून के बाद कभी भी आमद दे सकता है। जबकि मप्र में मानसून की सामान्य तिथि 15 जून निर्धारित है। मानसून की दस्तक के पहले प्रदेश में गर्मी का असर कम नहीं होगा। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह भी बताया कि मप्र में मौसम की दस्तक खंडवा-खरगौन क्षेत्र की ओर से होने की प्रबल संभावना है। इस बार आईएमडी इंडिया ने देश में औसत से कम बारिश होने की संभावना जताई है। देश में 95 फीसदी बारिश हो सकती है। मप्र में भी यही आंकड़ा बताया जा रहा है।

मौसम विभाग ने इंदौर-उज्जैन में गर्म रात का जारी किया अलर्ट

इंदौर, उज्जैन, रतलाम, देवास और धार में तीव्र लू और वॉर्म नाइट का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां रात में भी तापमान सामान्य से ज्यादा बना रहेगा। वहीं भोपाल, ग्वालियर, सागर, विदिशा, रायसेन, खंडवा, खरगोन, मंदसौर, नीमच, छतरपुर, दमोह, रीवा और सिंगरौली समेत कई जिलों में लू चलने की संभावना है।

बालाघाट, कटनी में बारिश: शुक्रवार जहां आईएमडी इंडिया ने मानसून की भविष्यवाणी की वहीं मप्र में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। शुक्रवार शाम कटनी में तेज आंधी के साथ ओले गिरे। उमरिया में बारिश से खरीदी केंद्रों में रखा गेहूं भीग गया। डिंडौरी के मेहदवानी और शहपुरा क्षेत्र में भी तेज आंधी-बारिश हुई, जिससे तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

इन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट: मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के लिए सागर और दमोह में तेज आंधी और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। वहीं जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, कटनी, शहडोल, अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, विदिशा, रायसेन और पन्ना में धूलभरी आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

भोपाल में दिन में कम रात में ज्यादा बढ़ा पारा

राजधानी भोपाल में शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान गुरुवार की तुलना में 0.6 डिग्री कम रहा। शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री रहा। जबकि रात में न्यूनतम पारा 29.8 डिग्री रहा। जो कि एक रात पहले से 0.9 डिग्री ज्यादा है। रात में पारा बढ़ने से लोगों को गर्म रात महसूस हुई।

कई जिलों में पारा 42 पार, खंडवा सबसे गर्म

भले ही आंधी बारिश की संभावना बढ़ रही है, लेकिन प्रदेश में गर्मी का दौर अभी जारी है। शुक्रवार को खंडवा सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाजापुर में 44.6 डिग्री, खरगोन में 44.2 डिग्री और रतलाम-नौगांव में 44 डिग्री तापमान रहा। भोपाल में 42.8 डिग्री, उज्जैन में 42.5 डिग्री, इंदौर और जबलपुर में 41.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हुआ था।

केनरा बैंक में 1.70 करोड़ का लोन घोटाला 5 अफसरों समेत 5 के खिलाफ एफआईआर

फर्जी दस्तावेजों से 23 लाख के प्लॉट को 2.25 करोड़ का बताकर लिया था ऋण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की इन्दौर यूनिट ने केनरा बैंक में हुई धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुए तत्कालीन अधिकारियों और एक कारोबारी के खिलाफ मामला कायम किया है। मामला मामूली कीमत के प्लॉट को कागजों में करोड़ों का दिखाकर बैंक से लोन पास कराकर रकम हड़पने का है। जांच में खुलासा हुआ कि तत्कालीन मैनेजर से लेकर मंडल प्रबंधक तक ने बैंक के नियमों को ताक पर रख बिना जांच के ही करोड़ों का लोन दे दिया। जानकारी के अनुसार इन्दौर के विमलेश चतुर्वेदी च्मेसर्स ए.वी. ग्राफिक्स एंड ट्रेडिंगच के संचालक हैं। उन्होंने मनीष बाग कॉलोनी में स्थित 1000 वर्गफीट के प्लॉट को फर्जी दस्तावेजों के सहारे सवा दो करोड़ रुपये की कीमत का दिखा दिया। इसके लिए एचडीएफसी बैंक के चेक का इस्तेमाल कर एक जाली रजिस्ट्री भी बनवाई। पड़ताल में उजागर हुआ कि यह प्लॉट केवल 13 लाख 75 हजार रुपये में खरीदा गया था और 2023 में लोन लेते समय इसका बाजार भाव केवल 23 लाख रुपये था। इस फर्जी रजिस्ट्री के आधार पर ही विमलेश ने दिसंबर 2023 में कलर प्रिंटिंग मशीनें खरीदने के लिए केनरा बैंक की कनाड़िया रोड शाखा में 1.75 करोड़ रुपये के टर्म लोन और 20 लाख रुपये की सीसी लिमिट के लिए आवेदन किया। बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक तरुण भार्गव ने नियमों को दरकिनार कर पर्सनल आईडी से लोन की जानकारी बैंक के ऐप पर अपलोड कर दी। नियमों के मुताबिक एक करोड़ रुपये से अधिक के लोन के लिए ब्रांच मैनेजर और एमएसएमई के अधिकारी द्वारा जमीन और यूनिट का मुआयना अनिवार्य है, लेकिन भार्गव ने अकेले ही फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर ली। इसके बाद बैंक की तत्कालीन प्रोसेसिंग अधिकारी खुशबू सिलावट ने भी बगैर निरीक्षण के फाइल में लोन स्वीकृत करने की टीप लगा दी। इसके बाद सेक्शन हेड कौशिक कुमार प्रबुद्ध और मंडल प्रबंधक शर्मिष्ठा सिंह ने इस लोन फाइल को तुरंत हरी झंडी दे दी और कनाड़िया रोड शाखा से ही उसी दिन 1 करोड़ 50 लाख रुपये का टर्म लोन जारी करते हुए 20 लाख रुपये की सीसी लिमिट भी मंजूर कर दी।

ऑडिट के दौरान पकड़ी गलती, किश्तें भी नहीं भरीं

इसका प्रारंभिक खुलासा बैंक ऑडिट के दौरान हुआ। इसके अलावा कारोबारी ने लोन की किश्तें भी नहीं भरीं। पड़ताल में पता चला कि अफसरों से साठगांठ और फर्जीवाड़े के जरिए केनरा बैंक को 1 करोड़ 70 लाख रुपये का नुकसान पहुंचा और बैंक अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग कर जरूरी जांच की जानबूझकर अनदेखी की। छानबीन के बाद ईओडब्ल्यू ने मुख्य आरोपी विमलेश चतुर्वेदी, तत्कालीन शाखा प्रबंधक तरुण भार्गव, तत्कालीन सेक्शन हेड कौशिक कुमार प्रबुद्ध, तत्कालीन प्रोसेसिंग अधिकारी खुशबू सिलावट और तत्कालीन मंडल प्रबंधक शर्मिष्ठा सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

चर्चा — भारत में एसयूवी कैडिलेक एस्केलेड अंबानी समेत कुछ ही लोगों के पास

शाहरुख ने खरीदी दुनिया की सबसे बोल्ड एसयूवी

नई दिल्ली जेएनएन। शाहरुख खान नई लग्जरी एसयूवी रोल्स रॉयस कलिनन के बाद शाहरुख खान ने अपने लिए एक ऐसी स्पोर्ट्स यूटिलिटी गाड़ी विदेश से मंगाई है, जो अंबानी परिवार समेत भारत में केवल कुछ चुनिंदा लोगों के पास है। यह गाड़ी दुनिया की सबसे दमदार और विशाल एसयूवी में से एक मानी जाती है और इसका नाम कैडिलेक एस्केलेड है। इस अमेरिकी गाड़ी की भारत में कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक हो जाती है। लग्जरी गाड़ियों के शौकीन और भारत के सबसे लोकप्रिय फिल्म सितारों में से एक शाहरुख खान का दिल अब अमेरिकी कंपनी जनरल मोटर्स की खास एसयूवी कैडिलेक एस्केलेड पर आ गया है। हिंदी फिल्मों के बादशाह खान ने अपनी आने वाली फिल्म किंग की रिलीज से पहले अपने लिए नई कैडिलेक एस्केलेड एसयूवी मंगवाई है, जिसे मुंबई की सड़कों पर देखा गया। सबसे खास बात यह है कि दुनिया की सबसे विशाल और आकर्षक एसयूवी मानी जाने वाली कैडिलेक एस्केलेड भारत में केवल कुछ लोगों के पास है, जिनमें मुकेश अंबानी भी शामिल हैं। अब किंग खान और उनका परिवार जनरल मोटर्स की इस शानदार गाड़ी में दिखाई देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के काफिले में भी यह गाड़ी अक्सर देखने को मिलती है।

कीमत 5 करोड़ से अधिक

सबसे पहले आपको बता दें कि कैडिलेक एस्केलेड आधिकारिक रूप से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसे विदेश से मंगाया जा सकता है। अमेरिका में इसकी कीमत भारतीय मुद्रा के अनुसार लगभग 90 लाख रुपये से डेढ़ करोड़ रुपये तक होती है, लेकिन भारत में अधिक आयात शुल्क और करों के कारण इसकी सड़क कीमत लगभग 5.5 करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है।

कैडिलेक एस्केलेड की खास बातें

इस शानदार एसयूवी में 7 से 8 लोग आराम से बैठ सकते हैं। इसकी विशाल बनावट और दमदार उपस्थिति लोगों का ध्यान तुरंत आकर्षित करती है। अंदर बैठने पर ऐसा महसूस होता है जैसे किसी पांच स्टार होटल में बैठे हों। कैडिलेक एस्केलेड में 6.2 लीटर का शक्तिशाली वी-8 पेट्रोल इंजन मिलता है, जो लगभग 682 अश्वशक्ति और 885 न्यूटन मीटर तक का बल पैदा कर सकता है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक प्रिसीजन शिफ्ट के साथ 10 गति वाला स्वचालित गियरबॉक्स मिलता है। यह गाड़ी केवल 4.2 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इस फुल साइज एसयूवी में आधुनिक सुविधाओं की भरमार है।

30 लाख का लोन हड़पने वाले बैंक मैनेजर व एजेंट को 7 साल की सजा

13 साल पुराने घोटाले में सीबीआई कोर्ट का फैसला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। बैंक धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में भोपाल की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने बैंकऑफ इंडिया के एक पूर्व सीनियर ब्रांच मैनेजर और उसके सहयोगी को सात-सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों दोषियों पर कुल 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।यह पूरा मामला करीब 13 साल पुराना है। सीबीआई की भोपाल यूनिट ने 25 जनवरी 2016 को यह केस दर्ज किया था। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने तत्कालीन सीनियर ब्रांच मैनेजर पीयूष चतुर्वेदी और उसके एजेंट मोहन सिंह सोलंकी के खिलाफ चार्जशीट पेश की। अदालत में चली लंबी सुनवाई में दोनों का दोष साबित हुआ इसके बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

सीबीआई जांच में हुआ परत दर परत खुलासा

पड़ताल में सामने आया कि बैंक ऑफ इंडिया की मिसरोद शाखा में पदस्थ तत्कालीन सीनियर ब्रांच मैनेजर पीयूष चतुर्वेदी पर पद का दुरुपयोग कर 2013 में आरजे एंटरप्राइजेस को 30 लाख के लोन और कैश क्रेडट लिमिट धोखाधड़ी को मंजूर दी थी। बैंक मैनेजर और उसके साथी मोहन सोलंकी ने आरजे एंटरप्राइजेस के खाते में जमा रकम में से 25 लाख फर्जी आरटीजीएस फॉर्म और वाउचर के जरिए सांवरिया मशीन नाम की फर्म के खाते में भेजी थी। ये कंपनी सोलंकी के नाम पर ही थी। दोनों ने आपस में रकम को हड़प लिया। बैंक प्रबंधन को तब पता चला जब ऑडिट के दौरान इस लोन की जांच हुई। इसके बाद मामले में आपराधिक केस कायम करने के लिए सीबीआई भोपाल को मामला सौंपा गया था।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।